ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जरूरत पड़ने पर बदलाव के लिए तैयार सुझावों के लिए तैयार: बीवाई विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 31 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-30

ट्रंप विरोधी अमेरिकी आकाओं को सताने लगा यूनुस के डूबने का डर

डूबते यूनुस को बचाने बांग्लादेश आया सोरोस का बेटा

अमेरिकी षडयंत्रकारियों के बांग्लादेशी पिट्ठू मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सत्ता की नाव डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद बुरी तरह डगमगाने लगी है। ट्रंप विरोधी मोहम्मद यूनुस और उसके अमेरिकी आका यूनुस को खतरे से उबारने की कवायद में जुटे हुए हैं। यूनुस के बचाव से ही अमेरिकी षडयंत्रकारियों का खुद का बचाव होने वाला है। बांग्लादेश की शेख हसीना की सरकार को गिराने में शामिल रहे अमेरिकी षडयंत्रकारी धनपशु जॉर्ज सोरोस ने मोहम्मद यूनुस को संकट से उबारने की रणनीति पर विचार करने के लिए अपने बेटे अलेक्स सोरोस को बांग्लादेश भेजा है। बांग्लादेश की सत्ता पर अमेरिकी षडयंत्रकारियों द्वारा बिठाए गए अमेरिकी पिट्ठू मोहम्मद यूनुस पर अब डोनाल्ड ट्रंप का खतरा मंडरा रहा है। ट्रंप ने राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के साथ ही बांग्लादेश को मिलने वाले अमेरिकी फंड पर रोक लगा दी और सुधरने के लिए 90 दिन का समय दिया। उस वित्तीय और प्रशासनिक खतरे से निकालने और नए तिकड़म रचने की तैयारी में लगे जो बाइडेन, हंटर बाइडेन, हिलेरी क्लिंटन, बिल क्लिंटन, बराक ओबामा और जॉर्ज सोरोस ने अलेक्स सोरोस को अपना प्रतिनिधि बना कर भेजा है। अलेक्स सोरोस मोहम्मद यूनुस का दामाद भी बनने वाला है। यूनुस की बेटी का वह मंगेतर है।

शुभ-लाभ सरोकार

हिलेरी क्लिंटन के वित्तीय एजेंट और क्लिंटन फाउंडेशन के शीर्ष दानदाता मोहम्मद यूनुस ने ट्रंप विरोधी अमेरिकी आकाओं के साथ मिल कर ट्रंप प्रशासन द्वारा संभावित कार्रवाइयों से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। जॉर्ज सोरोस का बेटा अलेक्स सोरोस 29 जनवरी को बांग्लादेश आया और यूनुस और बांग्लादेशी अधिकारियों के साथ उसकी सिलसिलेवार बैठकें हुईं। सबसे दिलचस्प यह है कि अलेक्स सोरोस से मिलने वालों में बांग्लादेश सेना का प्रमुख जनरल वकार उज जमान भी शामिल है, जिसके इस्लामिक कट्टरपंथी ताकतों, आतंकी संगठनों और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के साथ गहरे लिंक हैं। जॉर्ज सोरोस के बेटे अलेक्स ने ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के प्रतिनिधि अधिकारी के बतौर मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की। अलेक्स सोरोस के साथ फाउंडेशन के बिनैफर नौरोजी और अन्य अधिकारी भी शामिल थे। यूनुस ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को तबाह और युद्ध-ग्रस्त अर्थव्यवस्था विरासत में मिली है। उन्होंने बांग्लादेश के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में फाउंडेशन से सहायता मांगी। जबकि बांग्लादेश में न तो कोई युद्ध हुआ है और न ही देश की अर्थव्यवस्था युद्धग्रस्त है। इसके बजाय, असलियत यह है कि यूनुस और उसके इस्लामिस्ट-जिहादी साथी देश की अर्थव्यवस्था और विधिव्यवस्था दोनों को नष्ट कर रहे हैं। यूनुस ने सोरोस और मेटा से मदद मांगी है ताकि वे उन सभी सूचनाओं को सेंसर कर सकें जो उनके शासन के कुकर्मों को उजागर करती हैं। उल्लेखनीय है कि यूनुस को जॉर्ज सोरोस से लगातार फंड मिल रहा है,

▶10 पर

अचानक सुर्खियों में आ गई ममता बनर्जी की किताब

कांग्रेस के कारण टूट रहा इंडी गठबंधन : ममता

कोलकाता, 30 जनवरी (एजेंसियां)। इंडी गठबंधन के चरमराने की आवाज अब जोर से सुनाई देने लगी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने इंडी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर खुला विद्रोह बोल दिया है। ममता बनर्जी ने इंडी गठबंधन के लचर होने के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। ममता बनर्जी का यह विद्रोह उनकी किताब के जरिए पुख्ता तरीके से सामने आया है। ममता की लिखी तीन किताबों का मंगलवार को कोलकाता इंटरनेशनल बुक फेयर में विमोचन हुआ। इनमें से एक किताब का नाम है बांग्लार निर्बाचन ओ आमरा यानी बंगाल का चुनाव और हम। इसमें उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा कि इंडी गठबंधन की विफलताओं का मुख्य कारण कांग्रेस है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी किताब में इंडी गठबंधन का नेतृत्व कर रही कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस के कारण ही भाजपा

लगातार तीसरी बार भाजपा की वापसी के लिए कांग्रेस जिम्मेदार

जीतती है। साथ ही कहा कि यदि इंडी गठबंधन बिखर रहा है तो इसका कारण भी कांग्रेस ही है। ममता ने अपनी किताब में लिखा है कि विधानसभा हो या लोकसभा, हर जगह इंडी गठबंधन के पिछड़ने का मुख्य कारण कांग्रेस है। केंद्र में भाजपा की लगातार तीसरी बार वापसी के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने पूरी कोशिश की, लेकिन विपक्षी इंडी गठबंधन को कामयाबी नहीं मिली। इसकी वजह कांग्रेस की नाकामी रही। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस को जो सीटें मिली हैं, वे भी गठबंधन के सहयोगी दलों के चलते मिली हैं। कांग्रेस की विफलताओं के कारण इंडी गठबंधन का बुरा हाल हुआ है।

ममता ने लिखा, मैं भाजपा के खिलाफ मजबूत विपक्षी गठबंधन बनाना चाहती थी। शुरुआत से ही मैंने न्यूनतम साझा कार्यक्रम और साझा घोषणा-पत्र (कॉमन मिनिमम प्रोग्राम और कॉमन मेनिफेस्टो) पर जोर दिया। विपक्षी गठबंधन का नाम भी मैंने सुझाया ही था लेकिन न तो कोई कॉमन मिनिमम प्रोग्राम बना और न ही कोई कॉमन मेनिफेस्टो।

दिल्ली की चुनावी जनसभा में बोले अमित शाह

केजरीवाल झूठ बोलने में नंबर वन

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर रोहिणी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी विजेंदर गुप्ता के समर्थन में आयोजित जनसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अरविंद केजरीवाल पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केजरीवाल झूठ बोलने में नंबर वन हैं।

अमित शाह ने कहा, मैं केजरीवाल से कहना चाहता हूं कि चुनाव जीतने के लिए झूठ बोलना बंद करो। केजरीवाल कहते हैं कि भाजपा वालों ने दिल्ली वालों को परेशान करने के लिए हरियाणा से यमुना जी के जल में जहर मिलाया है। अरे, केजरीवाल जी कौन सा जहर मिलाया है, कौन सी लेबोरेटरी में आपने टेस्ट कराया है, उसका नाम बताइए। आप कह रहे हैं कि जहर मिलाया हुआ पानी आपने रोक दिया। अरे, यमुना का पानी रुकता है तो गांवों में बाढ़ आती है। लेकिन, आप बताइए दिल्ली के किसी गांव में बाढ़ आई है क्या? दिल्ली में हजारों करोड़ रुपए का घोटाला हुआ। शाह ने कहा, 5 तारीख को दिल्ली की जनता के सामने आम आदमी पार्टी को हटाकर मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनाने का मौका है।

अमित शाह ने कहा, दिल्ली की जनता को कमल के निशान पर बटन दबाना है और भाजपा सरकार बनानी है। बटन इतने जोर से

चुनाव जीतने के लिए ओछे हथकंडे अपना रहे केजरीवाल

दबाना है कि केजरीवाल के शीश महल के शीशे टूट जाएं। हमारी सरकार बनी तो दिल्ली सुंदर बनेगी, कूड़े के पहाड़ खत्म हो जाएंगे, दिल्ली को भ्रष्टाचार से मुक्त करेंगे, सड़कों और गलियों की शानदार सफाई भी करेंगे और साथ में जल प्रबंधन भी हम करेंगे। गृह मंत्री ने कहा, केजरीवाल चुनाव में अपनी हार को जान गए हैं, इसलिए ओछी राजनीति पर उतर आए हैं और गलत हथकंडे अपना रहे हैं।

केजरीवाल जी आपने यमुना को प्रदूषित करके, प्रदूषित पानी पीने के लिए दिल्ली को मजबूर किया है और आपने पानी के शुद्धिकरण, सड़कों की सफाई और जल बोर्ड के स्वच्छ पानी देने के सारे पैसे आपने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिए हैं।

शाह ने कहा, इन्होंने कहा था कि हम रिहायशी इलाकों से शराब की दुकान बंद करेंगे। केजरीवाल जी, रिहायशी इलाके तो छोड़िए आपने तो स्कूल और मंदिरों के पास भी शराब की दुकानें खोलने का काम किया। हजारों करोड़ का शराब घोटाला किया। इन्होंने (केजरीवाल ने) कहा था कि हम यमुना के पानी को लंदन की थेम्स नदी जैसा बना देंगे, मैं आकर डुबकी लगाऊंगा। केजरीवाल जी, आज तक आपने डुबकी क्यों नहीं लगाई? इन्होंने कहा था कि अस्पताल के कमरे दोगुना करेंगे। कमरा तो एक भी नहीं बढ़ा, लेकिन इन्होंने दिल्ली वालों का 5 लाख तक का फ्री इलाज भी (जो मोदी जी देते हैं) रोकने का काम किया। दिल्ली वालों आप

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 84,140/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 95,330/- (प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°

न्यूनतम : 20°

कनाडा के आयोग ने खारिज की त्रूदो की थ्योरी

आतंकी निज्जर हत्याकांड में भारत का हाथ नहीं

कनाडा, 30 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा के जांच आयोग ने तत्कालीन पीएम जस्टिन त्रूदो ने उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों का हाथ था। कनाडाई आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि निज्जर की हत्या में किसी विदेशी संलिप्तता का कोई ठोस सबूत नहीं मिला। भारत एक नहीं बल्कि कई बार त्रूदो के बेबुनियाद आरोपों का खंडन कर चुका है।

सितंबर 2023 में तत्कालीन पीएम जस्टिन त्रूदो ने दावा किया कि कनाडा के पास में विश्वसनीय सबूत मौजूद हैं कि ब्रिटिश कोलंबिया में निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट शामिल थे। हालांकि, मंगलवार को जारी की गई रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि त्रूदो के दावों के बाद भारत ने भले ही गलत सूचना फैलाई हो, लेकिन हत्या का कोई ठोस विदेशी संबंध स्थापित नहीं हुआ। रिपोर्ट में आयुक्त मैरी-जोसी हॉग ने कहा, यह मामला गलत सूचना का अभियान है। 123 पन्नों की रिपोर्ट में अक्टूबर 2024 में कनाडा से छह भारतीय राजनयिकों के निष्कासित किए जाने का भी जिक्र किया गया है। भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए छह कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया और अपने उच्चायुक्तों को वापस बुला लिया।

जस्टिन त्रूदो के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के संबंधों में काफी कड़वाहट आ गई। इन्हें भारत ने बिल्कुल बेबुनियाद और बेतुका बताकर सिरे से खारिज कर दिया। भारत ने कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्वों को बर्दाश्त करने के लिए त्रूदो की सरकार की लगातार आलोचना की। खालिस्तान आंदोलन भारत में प्रतिबंधित है, इसे सिख प्रवासियों के एक वर्ग, विशेष रूप से कनाडा में समर्थन हासिल है।

कनाडा में हुए चुनाव में भारत के हस्तक्षेप के आरोपों को विदेश मंत्रालय ने सिरे से नकार दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमारा इससे कोई भी संबंध नहीं है। इतना ही नहीं भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह कनाडा ही है जो भारत के आंतरिक मामलों में दखल देता है। एमईए ने ऑफिशियल बयान जारी कर लिखा, हमने कथित हस्तक्षेप की गतिविधियों के बारे में एक रिपोर्ट देखी है।

दरअसल कनाडा लगातार भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। इसने अवैध प्रवास और संगठित आपराधिक गतिविधियों के लिए माहौल भी बनाया है।

हम भारत पर रिपोर्ट के आरोपों को खारिज करते हैं और उम्मीद करते हैं कि अवैध प्रवास को सक्षम करने वाली सहायता प्रणाली को आगे भी समर्थन नहीं दिया जाएगा।

दुरूह पाइंट नीमो पहुंची नौसेना की दो जांबाज अफसर

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना की दो जांबाज महिला अधिकारियों ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दरअसल ये दोनों अधिकारी आईएनएसवी तारिणी पर दुनिया की जलयात्रा पर निकली हैं। अपने इस अभियान के तहत आईएनएसवी तारिणी दुनिया के सबसे दूरस्थ जलक्षेत्र पॉइंट नीमो को पार किया। भारतीय नौसेना ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में लिखा कि यह जुझारूपन, साहस और रोमांच का उदाहरण है।

भारतीय नौसेना की दो अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए समुद्र से पूरी दुनिया नापने के मिशन पर निकली हैं। नाविका सागर परिक्रमा दो के तहत दोनों महिला अधिकारी पॉइंट नीमो पहुंची। यह क्षेत्र दुनिया से पूरी तरह से कटा हुआ है और यह धरती से सबसे दूर समुद्री इलाका है।

पॉइंट नीमो दक्षिणी प्रशांत महासागर में स्थित जलक्षेत्र है। जिसकी अंटार्कटिका से दूरी 1,674 मील है। वहीं डूसी आइलैंड से इसकी दूरी 1,666 मील, ईस्टर आईलैंड से 1,666 मील और चिली से दूरी 2,624 मील और न्यूजीलैंड के वेलिंगटन से दूरी करीब 2,980 मील दूर स्थित है। बीते साल अक्टूबर में पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने आईएनएसवी तारिणी को नाविका सागर परिक्रमा के दूसरे संस्करण के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इस अभियान के तहत नौसेना की दोनों महिला अधिकारी 240 दिनों में 23,400 समुद्री मील की यात्रा कर रही हैं। इस अभियान के तहत नौका आईएनएसवी तारिणी चार महाद्वीपों, तीन महासागरों और तीन मुश्किल कैंपों को पार करेगी।

यह अभियान भारत की समुद्री क्षमताओं को दिखाने का अहम मिशन है। गोवा से शुरू हुई यह यात्रा ऑस्ट्रेलिया के फ्रेमेंटल पहुंची, फिर न्यूजीलैंड के लिटलटन और लिटिलटन से फॉकलैंड द्वीप के पोर्ट स्टेनली पहुंचेगी। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन होते हुए यह यात्रा वापस गोवा में खत्म होगी।

ड्रग्स के चंगुल में पंजाब, वेश्यावृत्ति पर विवश हो रही लड़कियां

हाईकोर्ट ने कहा : नशाखोरी पंजाब को दीमक की तरह खा रहा

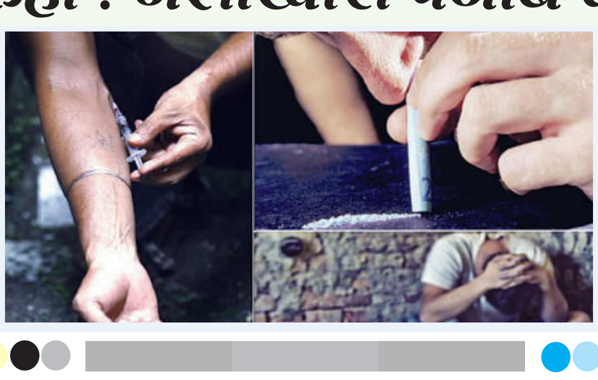

चंडीगढ़, 30 जनवरी (एजेंसियां)। नशा मुक्ति अभियान लंबे समय से देश के कोने-कोने में चल रहा है लेकिन इसका असर हर जगह एक जैसा नहीं है। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आपा) सरकार जोर-शोर से दावा करती कि वो राज्य से नशे का खात्मा कर देंगे। वहीं दूसरी ओर एक लड़की की आपबीती सामने आती है जो बताती है कि राज्य में नशे के कारण कैसे लड़कियों की जिंदगी बर्बाद हो रही है और उन्हें नशा दे-देकर वेश्यावृत्ति में धकेला जा रहा है। प्रशासन के लिए अगर उस लड़की की आपबीती एक धक्का है तो सवाल उठता है कि क्या नशा मुक्ति अभियान जमीन तक पहुंचा भी है और अगर अधिकारी ऐसी स्थितियों से वाकिफ हैं तो फिर अब तक राज्य में ऐसे हालात क्यों हैं।

जिस समय नशा विरोधी कमेटी की टीम मार्च निकाल रही थी तभी उन्हें कोट ईसे खां के मसीता रोड पर एक लड़की सड़क किनारे खाना खाते हुए मिली। लड़की से सवाल-जवाब हुए तो उसने सरेआम जो कहना शुरू किया उससे सभी लोग हिल गए। लड़की ने कहा, मुझे बस नशे के लिए छह कैप्सूल चाहिए और उसके बाद कोई मेरे साथ कोई कुछ भी करे, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। एक महिला ने पहले मुझे नशे की लत लगाई और मुझे अब जिस्मफिरोशी में धकेल दिया है। मेरे जैसी कई युवतियों को हवस के भूखे भेड़ियों के समक्ष परोसती है और बदले में 300 रुपए लेती है। आधा हिस्सा 150 रुपए मुझे मिलते हैं। पहले 600-700 रुपए की कमाई होती थी पर

▶10 पर

प्रयागराज से दो शव बेलगावी लाए गए

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला अधिकारियों ने गुरुवार शाम को बेलगावी के सांबरा हवाई अड्डे पर प्रयागराज से दो शव प्राप्त किए। ये दोनों पीड़ित बुधवार को महाकुंभ में मची भगदड़ में मारे गए थे। महादेवी बावनूर और अरुण कोपार्डे के शवों को हवाई मार्ग से बेलगावी लाया गया, जबकि ज्योति हटरवाथ और मेघा हटरवाथ के शवों को गोवा के हवाई अड्डे पर भेजा गया। हटरवाथ के शवों को बाद में सड़क मार्ग से बेलगावी लाया जाएगा। सांबरा में उपायुक्त मोहम्मद रोशन, पुलिस अधीक्षक भीमाशंकर एस. गुलेड़, पुलिस उपायुक्त रोहन जगदीश और अन्य लोग मौजूद थे। रोशन ने संवाददाताओं को बताया कि जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शवों को मृतकों के परिजनों को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा गोवा से शवों के आधी रात से पहले यहां पहुंचने की उम्मीद है। उनका पोस्टमार्टम बाद में किया जाएगा। सांसद प्रियंका जारकीहोली, विधायक आसिफ (राजू) सैत और अभय पाटिल, पूर्व विधायक अनिल बेनाके और अन्य लोगों ने पीड़ितों को अंतिम श्रद्धांजलि दी।

कर्नाटक धार्मिक भवन अधिनियम सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध : कोर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक हाईकोर्ट ने सवाल करते हुए कहा कि एक तरफ आपके (राज्य सरकार) पास अंधविश्वास के खिलाफ कानून है, तो दूसरी तरफ आपके पास कर्नाटक धार्मिक भवन (संरक्षण) अधिनियम-2021 जैसा कानून है। आप दोनों में सामंजस्य कैसे बिठाएंगे। मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने शहर के सरजापुर रोड निवासी डी केशवमूर्ति द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई की, जिसमें कर्नाटक धार्मिक भवन (संरक्षण) अधिनियम की वैधता को चुनौती दी गई थी। अदालत ने सरकारी वकील से पूछा कि क्या कोई सबूत या जानकारी उपलब्ध है कि सार्वजनिक क्षेत्रों में एक बार बनाए गए पूजा स्थलों का किसी

भी तरह से दुरुपयोग किया गया था। जब सड़क को चौड़ा करने की योजना बनाई जाती है तो रातोंरात मंदिर सड़कों पर आ जाते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण कन्नड़ फिल्म उद्धव में है। जब सरकार सड़क को चौड़ा करना चाहती है, तो रातोंरात वहां धार्मिक इमारतें बन जाती हैं। कोर्ट ने कहा कि यह एक सांप्रदायिक समस्या है। याचिका में उठाए गए मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। न्यायालय ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय का आदेश देश का कानून है और इसका पालन विधानसभाओं सहित सभी को करना चाहिए। न्यायालय ने राज्य सरकार को याचिका में उठाए गए मुद्दों पर 25 फरवरी तक या उससे पहले अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। इस बीच, राज्य सरकार के वकील ने आपत्तियां दाखिल करने के लिए समय मांगा। न्यायालय ने इसे स्वीकार कर लिया और आपत्तियों के लिए समय देते हुए सुनवाई 3 मार्च तक स्थगित कर दी। आपत्तिजनक कानून कानून के तहत अनुमति प्राप्त किए बिना सार्वजनिक स्थानों पर बनाए गए मंदिरों, चर्चों, मस्जिदों, गुरुद्वारों, बोधि विहारों आदि को बचाने के लिए बनाया गया है। इसी मुद्दे से संबंधित भारत सरकार बनाम गुजरात सरकार के मामले में सर्वोच्च न्यायालय पहले ही अपना फैसला सुना चुका है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के मद्देनजर उच्च न्यायालय ने स्वप्रेरणा से कार्यवाही शुरू की है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि हालांकि, राज्य सरकार ने एक कानून बनाया है, जिसे जनहित याचिका में चुनौती दी गई है।

मौनी अमावस्या पर महाप्रसादी का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर ने कर्नाटक गजकेसरी श्री गणेशलालजी की 63वीं पुण्यतिथि एवं मौनी अमावस्या के उपलक्ष्य में 25वें महाप्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन सिटी मार्केट में किया गया। जिसमें लगभग 400 लोगों ने लाभ उठाया। इस अवसर पर लाभार्थी परिवार के साथ महावीर इंटरनेशनल के गणमान्य सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें मुख्य सचिव विजय राज सिसोदिया, कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी और वरिष्ठ सदस्य वीर पदम भुरट एवं कंचन जैन, अक्षय दक और आकाश दक शामिल थे। साथ ही अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन महिला परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने भी अपना अमूल्य समय दिया। उनकी भागीदारी और समर्थन ने इस कार्यक्रम को और भी अधिक महत्वपूर्ण बना दिया, जो सामुदायिक सेवा के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संगठन की अध्यक्ष वीरा भारती छाजेड तलेसरा ने भाग लेने वाले सभी सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त किया और उनके समर्पण और सेवा के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए

मैसूरु में प्रधानमंत्री जनमन के क्रियान्वयन में लाएं तेजी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपायुक्त जी. लक्ष्मीकांत रेड्डी ने अधिकारियों को जिले में प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। रेड्डी गुरुवार को यहां समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। प्रधानमंत्री जनमन के संबंध में अधिकारियों को योजना के तहत 18 आदिवासी बस्तियों में बिजली कनेक्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री जनमन का उद्देश्य विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों के बीच सरकारी योजनाओं का पूर्ण कवरेज प्रदान करना और उनके दरवाजे पर सुविधाएं प्रदान करना है। 18 बस्तियों में से 14 एच.डी. कोटे में और चार पेरियापटना तालुकों में हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू करने के निर्देश दिए गए, जबकि शिक्षा विभाग के अधिकारियों को योजना के तहत स्वीकृत और स्वीकृत छात्रावासों का निर्माण पूरा करने के लिए कहा गया।

रेड्डी ने कहा कि सड़क निर्माण, पेयजल की व्यवस्था आदि का काम समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाना है। पीएम-जनमन में नौ विभागों द्वारा 11 हस्तक्षेप शामिल हैं और इस योजना के अंतर्गत जेनु कुरुबा समुदाय को शामिल किया गया है। जिले में 33,000 जेनु कुरुबा हैं, जिनमें से अधिकांश एच.डी. कोटे, हुनसुर और पेरियापटना में रहते हैं, जबकि नंजनगुड तालुकों में चार बस्तियाँ हैं। रेड्डी ने अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के कार्यान्वयन की भी समीक्षा की, जिसे आमतौर पर वन अधिकार अधिनियम या एफआरए के रूप में जाना जाता है। यह वनवासी समुदायों के अधिकारों को मान्यता देता है, जिसमें लघु वन उपज पर उनके अधिकार भी शामिल हैं, और यह कानून सदियों से उनके साथ हुए ऐतिहासिक अन्याय को खत्म करने के लिए पेश किया गया था। उपायुक्त को बताया गया कि जिले में 644 आवेदन लंबित हैं, जबकि खारिज किए गए आवेदनों की समीक्षा उचित समय पर की जाएगी। बैठक में नागरहोल टाइगर रिजर्व की निदेशक पी.ए. सीमा, जिला आदिवासी कल्याण अधिकारी मल्लेश और विभिन्न तालुकों के राजस्व अधिकारी शामिल हुए।

महाकुंभ से लौट रहे बेलगावी के श्रद्धालु की पुणे में दिल का दौरा पड़ने से मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रयागराज में महाकुंभ से लौटते समय बेलगावी के 62 वर्षीय श्रद्धालु की गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। बेलगावी के देशपांडे गली के रवि जातर की पुणे में मौत हो गई। वह प्रयागराज से अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ लौट रहे थे। बुधवार को महाकुंभ के दौरान मची भगदड़ में बेलगावी के चार लोगों की मौत हो गई थी।

गणेशलालजी की 63वीं पुण्यतिथि तप-त्याग पूर्वक मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान एवं मौन साधक साधनाचार्य श्री वसंतमुनि जी, सेवा शिरोमणि श्री अभिजीत मुनि के पावन सानिध्य में कर्नाटक गजकेसरी, घोर तपस्वी श्री गणेशलालजी की 63वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम सह गुणानुवाद रूप में हनुमंतनगर जैन स्थानक में तप-त्याग पूर्वक मनायी गयी। द्वय संत मण्डल ने कर्नाटक गजकेसरी श्री गणेशलालजी का गुणानुवाद करते हुए कहा कि वे करुणा के सागर थे। जीव दया की भावना उनके रोम-रोम में बसी हुई थी। तप साधना उनके जीवन का प्रधान अंग था। वे मानवता के मसीहा थे। खादी का प्रचार प्रसार किया, गौशालाएं खुलवायी। कर्नाटक की धरती पर उनका असीम उपकार रहा। हम महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को भी धर्ममय, गुणगाही, समतामूलक बनाये। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, नेमीचंद दक, संजय कुमार कचोलिया आदि समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

विज्ञान प्रदर्शनी आहार मेला का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नूर स्थित बीजेएस संस्था परिसर में आदि चुनचुनगिरी मठ के मठाधीश सोमेश्वरनाथ स्वामी के सान्निध्य में विज्ञान प्रदर्शनी व आहार मेला का शुभारंभ किया गया। समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि विद्यार्थियों ने अपने हाथों से विभिन्न प्रकार के संयंत्र बनाकर तथा भोजन तैयार कर मेले में प्रदर्शनी लगाई जो सराहनीय कार्य है। इस अवसर पर प्रिंसिपल अशोक कुमार, बोरे गौड़ा, समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित, व्यवस्थापक आनंद गौड़ा, शिक्षक उमाशंकर तथा रूपा सहित बड़ी संख्या में विधार्थी उपस्थित रहे।

हासन एयरपोर्ट परियोजना के लिए

भूमि समर्पित करने वाले लोगों ने नौकरी और सड़क संपर्क की मांग की

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। हासन तालुक के बूवनहल्ली और पड़ोसी गांवों के निवासियों ने, जिन्होंने हासन एयरपोर्ट के लिए अपनी भूमि समर्पित की थी, बुधवार को अपने परिवार के सदस्यों के लिए नौकरी के अवसर और आस-पास के क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को लाभ पहुंचाने के लिए सुविधा के चारों ओर सड़क निर्माण की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

जिला प्रशासन और कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड, जिसने 1997 में ही भूमि अधिग्रहण का पहला चरण शुरू किया था, ने क्षेत्र के परिवारों को आश्वासन दिया था कि ग्रामीणों के

लिए सड़क का निर्माण किया जाएगा। एक बार जब एयरपोर्ट बन जाएगा और उसके चारों ओर एक कंपाउंड दीवार का निर्माण हो जाएगा, तो निवासियों का हासन से सड़क संपर्क खत्म हो जाएगा। कर्नाटक प्रांत रायथा संघ (केपीआरएस) के बैनर तले निवासियों ने मांग की कि जिला प्रशासन परियोजना के लिए अधिग्रहित क्षेत्र के भीतर गांव के उपयोग के लिए सड़क बनाने के लिए उपयुक्त भूमि आवंटित करे। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि परियोजना के लिए भूमि समर्पित करने वाले प्रत्येक परिवार को एयरपोर्ट पर नौकरी दी जाए। केपीआरएस के जिला अध्यक्ष एच.आर. नवीन कुमार ने कहा मांगें जायज हैं और सरकार को उन्हें संबोधित करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कई लोगों ने बहुत पहले ही अपनी जमीन दे दी थी और उन्हें जो मुआवजा मिला था, वह पहले ही खर्च हो चुका है। उन्हें मिलने वाला पैसा टिकता नहीं है, इसलिए वे नौकरी की मांग कर रहे हैं। बूवनहल्ली, लक्ष्मीसागर, दयावलपुरा, तेंदिहल्ली और जी. मायलनहल्ली के निवासियों ने परियोजना के लिए अपनी जमीनें सौंप दी हैं।

वॉलीबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन 8 टीमों के बीच हुए लीग मैच

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थानी मित्र मंडल विजयनगर आरएमएम कप 2025 एमजेआर प्रजेंट वॉलीबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन गुरुवार को 8 टीमों के बीच लीग मैच खेले गए, जिसमें तुलसी क्लब (ए) यशवंतपुर ने बाफना मेवाड़ वॉरियर्स को हराया। यंग स्टार राजाजीनगर ने महालक्ष्मी वॉलीबॉल क्लब महालक्ष्मी लेआउट टीम पर जीत हासिल की तथा विजयनगर बॉयज ने तुलसी क्लब (बी) यशवंतपुर को हराने में सफल रही एवं महावीर वॉलीबॉल क्लब चिकपेट ने मॉडर्न वॉलीबॉल क्लब विजयनगर पर जीत कर अपना दबदबा बनाए रखा। दूसरे दिन के लीग मैच के दौरान पूर्व पार्षद दीपा नागेश ने पहुंच कर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया एवं राजस्थानी मित्र मंडल के सदस्यों को टूर्नामेंट का आयोजन राजाजीनगर बीबीएमपी पेरेंट्स ग्राउंड में करने के लिए आभार जताया। साथ ही राजस्थानी संस्कृति की भूरी भूरी प्रशंसा की। चैतन्या टेक्नो पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल विद्या ने मित्र मंडल की तरफ से सम्मान किया। टूर्नामेंट के प्रायोजक परिवार से कैलाश चंद्र बोराणा, मित्र मंडल के अध्यक्ष महेंद्र टेबा ने एनपीसीसी के सदस्यों, जैन एकता मंच के सदस्यों एवं अन्य संस्था के पदाधिकारियों और अतिथियों का स्वागत सत्कार किया। इस आयोजन को सफल करने में अध्यक्ष महेंद्र टेबा, उपाध्यक्ष राजेश चावत, सहमंत्री महावीर टेबा, सह कोषध्यक्ष विनोद गांधी, राकेश मारू एवं निवर्तमान अध्यक्ष नेमीचंद दलाल, सुरेश मांडोत

सह संयोजक मनीष देरासरिया, संजय पितालिया की विशेष भूमिका रही। ग्राउंड समिति में हेमंत दलाल, रमेश मेहता, भोजन व्यवस्था में गौतम मुणोत, प्रकाश पोरवाड़, कैलाश गांधी, पारस मेहता का विशेष योगदान रहा। प्रचार प्रसार, बैनर, इनविटेशन कार्ड, न्यूज की व्यवस्था में लाभेश कांसवा का विशेष सहयोग रहा। आभार ज्ञापन मंत्री कैलाश बोहरा ने व्यक्त किया।

कॉलेज छात्रा की दिनदहाड़े गला रेतकर हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सिंधनूर के बाहरी इलाके में सिंधनूर सरकारी कॉलेज में एमएससी की पढ़ाई कर रही छात्रा की गला रेतकर बेरहमी से हत्या करने की घटना सामने आई है। मृतक छात्रा की पहचान 24 वर्षीय शिफा अब्दुल वहीद के रूप में हुई है। आरोपी मुबीन ने गुरुवार सुबह करीब 10 बजे कॉलेज जा रही शिफा को बात करने के लिए बुलाया था। उस समय छात्रा कॉलेज नहीं गई बल्कि मुबीन से बात करने चली गई। इसी दौरान दोनों के बीच कहासुनी हो गई और मुबीन ने चाकू निकालकर शिफा का गला रेत दिया और फरार हो गया। ज्यादा खून बहने से शिफा की मौत हो गई। घटना स्थल पर पहुंचे शिफा के माता-

पिता अपनी बेटी की मौत की खबर सुनकर रो पड़े। डीएसपी बीएस तलवाड़ा, ग्रामीण पुलिस स्टेशन सीपीआई वीरा रेड्डी, बालागनूर पीएसआई यारिप्पा समेत पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

अन्तर्राष्ट्रीय वैश फेडरेशन द्वारा क्रिकेट प्रतिस्पर्धा का आयोजन 6 फरवरी से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अन्तर्राष्ट्रीय वैश फेडरेशन द्वारा भव्य क्रिकेट प्रतिस्पर्धा का आयोजन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 6 फरवरी से 10 फरवरी तक किया जाएगा। फेडरेशन के सह मंत्री एवं प्रवक्ता ललित डाकलिया ने बताया कि देश की आठ राज्यों की टीमें जयपुर में आई वी एफ में क्रिकेट की बादशाहत हेतु उतरेंगी। जिसमें पूरे कर्नाटक के खिलाडियों से सजी टीम इस प्रतियोगिता में नंबर एक बनने की होड़ में उतरेंगी। टीम में बेंगलूरु से मधु बाबू, अक्षय, शबरीश, रितेश, हर्ष, किशन, अंकोला से विष्णु, निखिल, चित्रदुर्ग से राघवेंद्र, मधुगिरि से श्रीकांत, उडुपी से प्रणाम, रायचूर से राघवेंद्र, रामचन्द्र, दावणगेरे से राघवेंद्र, श्रीनिवासपुरा से शिवु जैसे

हरफनमौला खिलाड़ी जयपुर क्रिकेट प्रतिस्पर्धा में भाग लेने जा रहे हैं।

इस क्रिकेट प्रतियोगिता में कर्नाटक की ओर से प्रायोजक केया होम्स कम्पनी है और खिलाड़ियों के हवाई टिकट आई वी एफ कर्नाटक द्वारा प्रायोजित किए जा रहे हैं। इस क्रिकेट प्रतिस्पर्धा में टीम भेजने हेतु कार्यकारिणी सदस्यों की मीटिंग आई वी एफ कार्यालय में आयोजित की गई। अध्यक्ष आर पी रविशंकर ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बिपिन राम अग्रवाल ने प्रतियोगिता की विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस बैठक में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बाबूभाई मेहता, महामंत्री शबरीश, शुभाश्री, सहमंत्री ललित डाकलिया, हरिप्रसाद वर्धा, महिला विंग अध्यक्षा रितु अग्रवाल, संदीप चनानी, मितेश खंडेलवाल, अनुपम अग्रवाल, साईं राज आदि सदस्य उपस्थित थे।

जरूरत पड़ने पर बदलाव के लिए तैयार सुझावों के लिए तैयार: बीवाई विजयेंद्र

नियुक्ति पर कोई राय व्यक्त नहीं की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने गुरुवार को कहा कि वह खुद को सुधारने और जरूरत पड़ने पर बदलाव करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिला अध्यक्षों के चयन में उनकी कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने यह बात पार्टी के वरिष्ठ नेता और भाजपा सांसद के. सुधाकर की तीखी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कही। पूर्व मंत्री सुधाकर ने बुधवार को विजयेंद्र की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने जिला अध्यक्षों के लिए पूरी चुनाव प्रक्रिया में हेरफेर किया ताकि उनका फिर से चुनाव सुनिश्चित हो सके। उन्होंने आगे कहा कि वह हाईकमान से अपील करेंगे कि या तो विजयेंद्र का तरीका बदलें या उन्हें बदल दें। विवाद राज्य में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर था। यहां पत्रकारों से बात करते हुए विजयेंद्र ने स्पष्ट किया मैं वरिष्ठ नेताओं को बताना चाहता हूं कि चुनाव प्रक्रिया कैसे हुई। प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर मैंने जिला अध्यक्षों की नियुक्ति पर कोई राय व्यक्त नहीं की। इसकी कोई गुंजाइश नहीं थी। भाजपा के पूर्व एमएलसी और वरिष्ठ नेता गणेश कार्णिक को राज्य में चुनाव कराने का प्रभारी नियुक्त किया गया और इस प्रक्रिया की देखरेख के लिए 13 पर्यवेक्षकों को भी नियुक्त किया गया। उन्होंने कहा प्रत्येक पर्यवेक्षक को तीन जिलों की जिम्मेदारी दी गई थी। प्रत्येक जिले के लिए रिटर्निंग अधिकारी और सह-रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किए गए थे। उनकी देखरेख में वरिष्ठ नेताओं की राय ली गई और पूरी प्रक्रिया के दौरान उनसे सलाह ली गई। इसके बाद तीन नाम राज्य मुख्यालय भेजे गए, जिन्हें बाद में नई दिल्ली भेज दिया गया। वहां उम्मीदवारों का अंतिम चयन किया गया और चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के बाद जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई। उन्होंने कहा भले ही मैं प्रदेश अध्यक्ष हूं, लेकिन इस प्रक्रिया में मेरी भूमिका शून्य थी। एकमात्र जिला जहां मैं अपनी राय दे सकता था, वह मेरा गृह जिला था। मैं वरिष्ठ नेता सुधाकर को दोष नहीं देता। नेताओं में भ्रम की स्थिति है, क्योंकि पहली बार पूरे देश में नई प्रक्रिया का उपयोग करके जिला अध्यक्ष के चुनाव कराए गए, जिसमें कर्नाटक और चिक्कबल्लापुर भी शामिल हैं। उन्होंने कहा मेरे पास अपने तरीके से चुनाव कराने का अधिकार नहीं है, क्योंकि केंद्रीय नेतृत्व सब कुछ देख रहा है।

मैंने सुधाकर द्वारा की गई कड़ी टिप्पणियों को देखा है। उनका दावा है कि विजयेंद्र उन्हें दरकिनार करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे इस तरह के बयान न दें। चिक्कबल्लापुर से निर्वाचित जिला अध्यक्ष भी पार्टी कार्यकर्ता और उनके रिश्तेदार हैं। मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से निशाना नहीं बना रहा हूं। मंत्री के तौर पर सुधाकर ने अच्छा काम किया है। हालांकि, जिला स्तरीय नेतृत्व के बारे में फैसले केंद्रीय नेतृत्व की सहमति से लिए जाते हैं और मैंने इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं किया है। विजयेंद्र ने स्पष्ट किया इन बयानों से पार्टी या उनका सम्मान नहीं होता है। हालांकि, उनकी चिंताओं के अनुसार, मैं खुद को सुधारूंगा और सभी को बेहतर के लिए विकसित होना चाहिए। मैं व्यक्तिगत रूप से सुधाकर से मिलूंगा और उनकी इच्छा के अनुसार बदलाव करूंगा। मैं पार्टी अध्यक्ष का पद संभाल रहा हूं, मंत्री का नहीं। मैं अपने परिवार को पीछे छोड़कर पार्टी को मजबूत करने के लिए पूरे राज्य में यात्रा कर रहा हूं। उन्होंने कहा पार्टी न तो मेरी है और न ही उनकी। इस तरह की टिप्पणी उनके कद के अनुरूप नहीं है और मैं उनसे इस तरह के बयान नहीं देने का अनुरोध करता हूं। किसी एक नेता की राय के आधार पर जिला अध्यक्ष की नियुक्ति संभव नहीं है। इसके लिए एक निर्धारित प्रक्रिया है और मुझे दोषी ठहराना अनुचित है। सुधाकर को इसे व्यक्तिगत रूप से नहीं लेना चाहिए। अगर उनके पास कोई सुझाव है तो पार्टी उस पर विचार करेगी। पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु के विद्रोह के बारे में पूछे जाने पर विजयेंद्र ने जवाब दिया मैंने श्रीरामुलु से बात की है और उन्हें आश्वासन दिया है कि हम अपने मतभेदों को निजी तौर पर सुलझा लेंगे। भाजपा की कर्नाटक इकाई के भीतर कलह उस समय खुलकर सामने आ गई थी जब पार्टी के चिकबल्लापुर सांसद और पूर्व मंत्री के. सुधाकर ने बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र पर निशाना साधा और चेतावनी दी कि अगर राष्ट्रीय नेता कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो राज्य में पार्टी का कोई भविष्य नहीं है। सुधाकर ने विजयेंद्र पर पार्टी के भीतर मनमानी नियुक्तियां करने का आरोप लगाया था।

मैं उनके व्यवहार से बहुत निराश हूं

उन्होंने आरोप लगाया विजयेंद्र ने संदीप को चिक्कबल्लापुर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने जिला अध्यक्ष, राज्य सचिव, राज्य महासचिव और राज्य उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों को केवल अपनी व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के आधार पर भरा है। मैं उनके व्यवहार से बहुत निराश हूं। उन्होंने भाजपा के भीतर आंतरिक चुनाव प्रक्रिया की भी आलोचना की। उन्होंने कहा पार्टी के भीतर चुनाव हो रहे हैं और जिला अध्यक्षों के लिए नामांकन शुरू हो गए हैं। ये चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से होने चाहिए। हालांकि, चिक्कबल्लापुर और कई अन्य जिलों में कोई चुनाव नहीं हुआ। आप केवल ऐसे लोगों को चाहते हैं जो आपकी हां में हां मिलाते हों। आप (विजयेंद्र) फिर से जोड़-तोड़ करके राज्य अध्यक्ष बनना चाहते हैं। राज्य अध्यक्ष पद के लिए पूरी चुनाव प्रक्रिया में धांधली की गई है। मैंने अभी तक इन मुद्दों को आपके पिता येदियुरप्पा के संज्ञान में नहीं लाया है। जिस तरह से चीजें हो रही हैं, उससे पूरी पार्टी नाखुश है।

टोइंग लागू करने पर फिर से किया जा रहा विचार: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा शहर में यातायात सुधारने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कर कई कदम उठाए गए हैं। शहर की पुलिस कुछ सड़कों पर टोइंग सिस्टम को फिर से लागू करने पर विचार कर रही है। वे बुधवार को इंफैंट्री रोड स्थित यातायात प्रबंधन केंद्र (टीएमसी) में शहरी गतिशीलता चुनौतियां और पुलिस की भूमिका विषय पर पुलिस-संपादकों के बीच बातचीत में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा दिल्ली को छोड़कर, अधिकांश यातायात पुलिस बेंगलूरु में काम कर रही है। मौजूदा व्यवस्था के भीतर यातायात सुधारने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। पिछले साल पांच यातायात पुलिस स्टेशन शुरू किए गए थे। यदि आवश्यक हुआ तो और अधिक यातायात पुलिस स्टेशन स्थापित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा अधिकांश फ्लाईओवर एसएम कृष्णा के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान बनाए गए थे। उसके बाद, फ्लाईओवर निर्माण का ज्यादा काम नहीं हुआ है। शहर की आबादी 1.40 करोड़ है और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए और काम किए जाने की जरूरत है। एक घर में चार वाहन हैं। पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है। बुनियादी ढांचे को पूरा करने के लिए और समय चाहिए। उन्होंने कहा राज्य का बजट 3 मार्च को पेश किया जाएगा। सुधार उपायों के लिए और अधिक धन की आवश्यकता है। इस वर्ष के बजट में पुलिस विभाग के लिए अधिक धन आवंटित करने का अनुरोध किया जाएगा। बेंगलूरु में कई सड़कों पर यातायात उल्लंघन देखा गया है। पिछले साल 85 लाख वाहनों के मालिकों और चालकों से 89 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया था। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाने की प्रक्रिया जारी रहेगी। पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा सरजापुर-हेब्बल रोड पर भारी यातायात है। समय पर गंतव्य तक पहुंचना संभव नहीं है। इसके लिए एक समाधान खोजने की जरूरत है। सुबह के समय भारी यातायात होता है। दिन के समय शहर में कंक्रीट मिक्सर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी।

हमें विजयेन्द्र से कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं: यतनाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के असंतुष्ट विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने गुरुवार को कहा कि हमने भाजपा का आयोजन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र के पैंट पहनने से पहले ही कर दिया था। क्या हमें इस बच्चे से सीखना चाहिए? विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मुझे विजयेंद्र जैसे बच्चे से पार्टी संगठन के बारे में सीखने की जरूरत नहीं है। क्योंकि मैंने उनके पिता येदियुरप्पा के साथ मिलकर एक पार्टी बनाई है।

उन्होंने विजयेंद्र की इस बात के लिए आलोचना की कि जब मैं भाजपा में संगठन कर रहा था तो वह शॉर्ट्स पहनकर घूमते थे। यदि आप हमें पार्टी से निकालना चाहते हैं तो हमें इसमें कोई समस्या नहीं है। हम हर चीज के लिए तैयार हैं। हम किसी से नहीं डरते। उन्होंने जवाब दिया कि आपके घर में डर हो सकता है, लेकिन हमें कोई डर नहीं है। हमने युद्ध की घोषणा कर दी है और किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं। मैं नहीं जानता कि आगे क्या होगा।

भाजपा के अंदर तानाशाही रवैया खत्म होना चाहिए। विजयेन्द्र के प्रदर्शन से कोई भी संतुष्ट नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ नेता अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने मजाक में कहा कि इससे उनके शिष्यों को राहत मिलेगी। विजयेन्द्र का असली रंग सामने आ रहा है। जिला अध्यक्ष की नियुक्ति कैसे हुई, इसकी सारी जानकारी स्पष्ट हो रही है। मैं विजयेंद्र को सलाह देता हूं कि वह सीधे राधा मोहनदास से बात करें, आप यह सर्कस क्यों कर रहे हैं? देखिये पार्टी किस दिशा में जा रही है। पिता, पुत्र और एक अन्य पुत्र को इसे अकेला छोड़ देना चाहिए।

शुक्रवार की बैठक में हम जो भी चर्चा करने की जरूरत होगी, उस पर चर्चा करेंगे। मैं तो विजयेन्द्र का अध्यक्ष पद भी स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि हम बैठक में तय करेंगे कि उम्मीदवार कौन होना चाहिए। सांसद सुधाकर के इस बयान पर कि उन्हें मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की बात सुननी चाहिए थी, यतनाल ने कहा जब मन परेशान होता है तो यह सब सामने आता है। उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से सुधाकर का बचाव करते हुए कहा कि यदि सत्रह लोग नहीं आते तो येदियुरप्पा मुख्यमंत्री नहीं बनते।

मूल्यों और विचारधारा को कोई भी मार या नष्ट नहीं कर सकता

महात्मा गांधी के आदर्श और विचार आज भी प्रासंगिक: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को बेंगलूरु में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के साथ विधान सौधा के सामने गांधी जी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी के आदर्श और विचार आज भी प्रासंगिक हैं और राष्ट्रपिता गांधी जी के मूल्यों को कोई भी मार या नष्ट नहीं कर सकता। सिद्धरामैया ने कहा कट्टरपंथी नाथूराम गोडसे ने भले ही गांधी जी की हत्या की हो, लेकिन उनके मूल्यों और विचारधारा को कोई भी मार या नष्ट नहीं कर सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि गांधी जी के मूल्य और विचारधारा आज भी न केवल भारत में बल्कि दुनिया में प्रासंगिक हैं। राष्ट्रपिता को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गांधी जी के संघर्ष और सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह में उनकी गहरी आस्था देश के स्वतंत्रता संग्राम में मुख्य रूप से जिम्मेदार थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधीजी हमेशा कांग्रेस पार्टी के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शक शक्ति रहे हैं और वे केवल एक बार पार्टी के अध्यक्ष रहे हैं और उन्होंने 25, 26 और 27 दिसंबर, 1924 को बेलगावी में एआईसीसी सत्र की अध्यक्षता की थी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने बेलगावी में शताब्दी समारोह आयोजित किया था, जिसमें एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में कांग्रेस के विपक्षी नेता राहुल गांधी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया था। महात्मा गांधी ने भारत को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और उन्होंने स्वतंत्रता के बाद के भारत की अपनी अवधारणा का सुझाव दिया था, जिसमें ग्राम स्वराज और गांवों का विकास शामिल था, अगर देश को आगे बढ़ना है और प्रगति करनी है। उन्होंने लोगों और कांग्रेस नेताओं से एक मजबूत और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण और देश के विकास के लिए प्रयास करने को कहा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान भगदड़ में हुई मौतों पर दुख जताते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य सरकार ने भगदड़ में मारे गए बेलगावी के चार तीर्थयात्रियों के शवों को घर लाने के लिए एयर एंबुलेंस भेजने की व्यवस्था की है। उन्होंने संकेत दिया कि सरकार को महाकुंभ में लापता हुए राज्य के 8 और लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रयागराज के लोगों की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि बेलगावी के प्रभारी मंत्री मृतकों के शोक संतप्त परिवारों को मुआवजे के भुगतान की घोषणा करेंगे।

महात्मा गांधी देश की संपत्ति नहीं बल्कि विश्व की संपत्ति हैं: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

उन्होंने गांधी के वैश्विक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा महात्मा गांधी देश की संपत्ति नहीं हैं, वे विश्व की संपत्ति हैं। सभी वैश्विक नेता उनके आदर्शों और शिक्षाओं का अनुसरण कर रहे हैं। वे राष्ट्रपिता हैं और हमें उन्हें नमन करना चाहिए और उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। शिवकुमार ने आज की दुनिया में गांधी के मूल्यों की प्रासंगिकता पर जोर दिया और लोगों से अहिंसा और एकता के उनके

सिद्धांतों को अपनाने का आग्रह किया। इस बीच, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद वीएस उग्रप्पा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत द्वारा हाल ही में की गई टिप्पणियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। उग्रप्पा ने भागवत की इस बात के लिए आल-

ोचना की कि उन्होंने दावा किया कि भारत को 1947 में स्वतंत्रता नहीं मिली, बल्कि देश को स्वतंत्रता उस दिन मिली जिस दिन राम मंदिर का निर्माण हुआ। उग्रप्पा ने कहा इस तरह मोहन भागवत ने संविधान का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि भागवत का बयान भारत की लोकतांत्रिक और संवैधानिक नींव को कमजोर करता है।

उग्रप्पा ने कहा मोहन भागवत को गिरफ्तार करके सलाखों के पीछे भेज दिया जाना चाहिए। हर ग्रामीण को इस तरह के बयान का विरोध करना चाहिए और उनके बयान के लिए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने भागवत की भगवान राम के बारे में टिप्पणी का भी जिक्र करते हुए कहा मुझे रामायण पढ़ने की आदत है, राम ने कभी नहीं कहा कि वह भगवान हैं, वह एक सम्राट हैं जो अपनी विचारधाराओं के माध्यम से भगवान बन गए।

कैबिनेट ने माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न पर रोक लगाने के लिए अध्यादेश को दी मंजूरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं द्वारा जनता को परेशान किया जाना दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है, जिस पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार ने गुरुवार को इस संबंध में अध्यादेश लाने को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में विधान सौधा में हुई कैबिनेट की बैठक में माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं को विनियमित करने के लिए एक नए विधेयक को मंजूरी दी गई। विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि वित्त पर अंकुश लगाने के लिए कैबिनेट ने अध्यादेश को मंजूरी दे दी है। माइक्रोफाइनेंस से अमानवीय तरीके से ऋण वसूली की जा रही है।

आज भी एक आत्महत्या का मामला सामने आया, जिस पर हमने विधेयक लाने का फैसला किया है और कुछ तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की है। पाटिल ने कहा कैबिनेट ने अध्यादेश लाने का अधिकार सीएम को दिया है। सीएम के साथ बैठक के बाद कानूनी फैसला लिया जाएगा। कैबिनेट बैठक में सीएम को पूरा अधिकार दिया गया है। हमारे पास जो कानून हैं, उनमें से कुछ फायदे वाले होंगे।

कुछ नुकसानदेह भी होंगे। इससे पहले राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के प्रतिनिधियों को चेतावनी देते हुए कहा था आप अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए नियमों का उल्लंघन करते हुए एक ही उधारकर्ता को ऋण दे रहे हैं। जब वे ऋण चुकाने में असमर्थ हैं, तो आप अवैध कार्यों का सहारा ले रहे हैं।

इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने गत शनिवार को गृह कार्यालय कृष्णा में राज्य में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के संचालन और प्रभावों पर एक बैठक की। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा महिलाओं और बुजुर्गों के खिलाफ उत्पीड़न की प्रेस रिपोर्टें रोजाना आ रही हैं। मैं यह सब बर्दाश्त नहीं करूंगा। मैं अपने लोगों की रक्षा के लिए सख्त कार्रवाई करूंगा। मुख्यमंत्री ने पंजीकृत और लाइसेंस प्राप्त माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के प्रमुखों से सख्ती से सवाल करते हुए पूछा आपने अपने कर्मचारियों को अवैध ऋण वसूली में शामिल होने से रोकने के लिए क्या किया है? आपके संस्थानों ने कर्मचारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की है? क्या आपने कर्जदारों के घरों को जब्त करने से पहले अदालत से अनुमति ली थी? आपके कर्मचारियों को कानून हाथ में लेने की अनुमति किसने दी? क्या आप कर्ज वसूली के लिए गुंडों का इस्तेमाल कर रहे हैं? क्या आपने कर्जदारों को उनकी ही भाषा में रिजर्व बैंक की शर्तें समझाई हैं? क्या आप आरबीआई के नियमों से परे जाकर कर्ज दे रहे हैं? आप एक ही कर्जदार को उसकी पुनर्भुगतान क्षमता पर विचार किए बिना बार-बार कर्ज क्यों दे रहे हैं? मुख्यमंत्री ने आरबीआई अधिकारियों से पूछा कर्जदारों को कर्ज देने से पहले आधार केवाईसी क्यों नहीं की जा रही है? अगर ऐसा किया गया होता तो एक ही कर्जदार को बार-बार कर्ज देने से बचा जा सकता था। आरबीआई के नियमों का उल्लंघन करके कर्ज देने वाली माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के लाइसेंस रद्द करने के लिए आपने क्या कार्रवाई की है?

पड़ोसी के साथ बलात्कार करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में 20 वर्षीय युवती से कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में असम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना बिदादी कस्बे में हुई। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान मंजूर आलम के रूप में हुई है, जो एक निजी फर्म में काम करता था।

पुलिस के अनुसार, जब पीड़िता नहा रही थी, तब आरोपी उसके घर में घुस गया। उसने उसे जबरन अपने घर में खींच लिया और अपराध को अंजाम दिया। जब महिला ने शोर मचाया और मदद के लिए चिल्लाई, तो स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। लोगों के इकट्ठा होने पर आरोपी ने मौके से भागने का प्रयास किया। हालांकि, उसका पीछा किया गया, उसकी पिटाई की गई और उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि घटना में पीड़िता को गंभीर रक्तस्राव हुआ और उसे अस्पताल ले जाया गया। घटना के बारे में अभी और जानकारी सामने आनी बाकी है।

कर्नाटक भाजपा ने राज्य में मंगलवार सुबह एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना की रिपोर्टिंग के बाद गृह मंत्री जी. परमेश्वर के इस्तीफे की मांग की है। भाजपा ने राज्य में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और पुलिस के डर की कमी पर भी चिंता व्यक्त की है। 14 जनवरी को बेंगलूरु से छह साल की बच्ची के साथ बलात्कार और हत्या की चौंकाने वाली घटना सामने आई थी। पुलिस ने अपराध के सिलसिले में बिहार के 25 वर्षीय अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया था। यह घटना उस समय हुई थी जब लड़की के माता-पिता काम पर गए हुए थे और पीड़िता अकेली थी। 10 जुलाई, 2024 को कोडागु जिले में कर्नाटक-केरल सीमा पर पांच लोगों के एक गिरोह ने दो नाबालिग लड़कियों का अपहरण कर उनमें से एक का यौन उत्पीड़न किया। दूसरी लड़की भाग गई थी और इस संबंध में जानकारी मिलने के बाद कर्नाटक पुलिस ने सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। 19 जुलाई 2024 को कर्नाटक के यादगीर जिले में नाबालिग लड़की से बलात्कार के मामले में महिला पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया था। लड़की के साथ दो आरोपियों ने उस समय बलात्कार किया जब पीड़िता शौच के लिए गई थी।

बछड़े की पूंछ की घटना पर फर्जी खबर फैलाने वाले व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोटा पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए एक घटना के बारे में गलत सूचना फैलाने का मामला दर्ज किया है, जिसमें एक तथाकथित कट्टरपंथी सेल्समैन द्वारा कथित तौर पर एक बछड़े की पूंछ काटी गई थी। राघवेंद्र सी, पीएसआई कोटा द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, गुरुवार को उन्हें ड्यूटी के दौरान सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफार्मों पर प्रसारित एक भ्रामक संदेश के बारे में सूचना मिली। संदेश में झूठा दावा किया गया था कि एक कट्टर सेल्समैन ने ब्रह्मवार के गुंडमी गांव में नागेश मैय्या के घर पर एक बछड़े की पूंछ काट दी है।

जांच में पता चला कि 28 जनवरी, 2025 को दोपहर करीब 2 बजे, एक अज्ञात बुजुर्ग व्यक्ति, जिसकी उम्र लगभग 60 वर्ष थी, वित्तीय सहायता मांगने के लिए नागेश मैय्या के घर आया। जब मैय्या और उनकी पत्नी अहिल्या ने मना कर दिया, तो वह व्यक्ति चला गया। उस दिन शाम करीब 4 बजे, जब नागेश मैय्या अपनी गाय का दूध दुहने के लिए गौशाला में थे, तो उन्होंने पाया कि गाय के गलती से पैर पड़ जाने के कारण सो रहे बछड़े की पूँछ कट गई थी। रात करीब 8 बजे मैय्या के बेटे अनिल मैय्या को घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने कथित तौर पर तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया। सच्चाई की पुष्टि किए बिना, उन्होंने दूसरों के साथ मिलकर झूठा दावा किया कि एक कट्टरपंथी सेल्समैन ने जानबूझकर बछड़े की पूँछ काट दी है। इसके बाद उन्होंने कटी हुई पूँछ की तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दी, जिससे अनावश्यक रूप से अफरातफरी मच गई। जांच करने पर पीएसआई राघवेंद्र ने पाया कि यह खबर सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने और समुदाय में भय पैदा करने के इरादे से गढ़ी गई थी। झूठी कहानी फैलाने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोटा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

मध्य रात्रि के अनुष्ठान के कारण कोट्टारा के पास सड़क बंद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक दुर्लभ घटना में, मेंगलूरु में कोट्टारा के पास एक सड़क को भूत-प्रेत भगाने और आत्माओं को बाहर निकालने के उद्देश्य से बुधवार आधी रात को बंद कर दिया गया। स्थानीय निवासियों के अनुसार, अब्बक्कानगर क्षेत्र में अत्यधिक अपसामान्य गड़बड़ी देखी जा रही है। तंबुला प्रश्ने नामक एक पारंपरिक अनुष्ठान के बाद, यह निर्धारित किया गया कि भूत-प्रेत भगाना आवश्यक है। नतीजतन, दर्शन सेव समारोह आयोजित करने के बाद बुधवार रात को अनुष्ठान किया गया। लोगों की सुरक्षा के लिए, स्थानीय निवासियों ने भूत-प्रेत भगाने की प्रक्रिया के दौरान क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया।

सांसद ने सुरथकल, मुल्की में रेलवे स्टेशन विकास की आधारशिला रखी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने गुरुवार को सुरथकल और मुल्की रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म सरफेसिंग और शेल्टर की आधारशिला रखी। सुरथकल रेलवे स्टेशन को 1.75 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा, जबकि मुल्की रेलवे स्टेशन को इसके विकास के लिए 1.88 करोड़ रुपये मिलेंगे। प्लेटफॉर्म सरफेसिंग और शेल्टर के अलावा, मुल्की रेलवे स्टेशन की मरम्मत भी की जाएगी, जिसमें स्टेशन के एप्रोच रोड में सुधार भी शामिल है। कैप्टन बृजेश चौटा ने कहा हम सभी कोंकण रेलवे के सामने आने वाली चुनौतियों से अवगत हैं। जब हमने रेल मंत्री से संपर्क किया, तो उन्होंने सुरथकल और मुल्की रेलवे स्टेशनों के विकास की मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, और इस परियोजना के लिए 3.63 करोड़ रुपये आवंटित किए। हमने हमेशा कोंकण रेलवे के भारतीय रेलवे के साथ विलय की

वकालत की है। रेल मंत्री ने इस मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, और यह विलय एक ऐतिहासिक कदम होगा। उन्होंने अधिकारियों से हर 15 दिन में विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी देने का आग्रह किया और परियोजना को तीन महीने के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर विधायक डॉ. भरत वाई शेट्टी और उमानाथ कोटियन, क्षेत्रीय रेलवे प्रबंधक (कोंकण रेलवे, कारवार) आशा शेट्टी, उप मुख्य अभियंता (कारवार) विजय कुमार, वरिष्ठ क्षेत्रीय यातायात प्रबंधक दिलीप डी. भट, वरिष्ठ अभियंता (उडुपी) गोपालकृष्णन, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी (उडुपी) डॉ. स्टीवन जॉर्ज आदि लोग उपस्थित थे।

कई वाहनों की टक्कर के बाद स्कूल बस पलटी, बड़ा हादसा टला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

नेशनल हाईवे 66 पर थेंका येरमल के पास बुधवार शाम को कई वाहनों की टक्कर हो गई। टक्कर में दो कारें और एक स्कूल बस शामिल थी, जिससे बस पलट गई।

उडुपी से मेंगलूरु की ओर जा रही एक कार ने एक महिला को टक्कर मारी और फिर हाईवे के बीच में पलट गई। इसी दौरान, छात्रों को उतारकर वापस लौट रही एक स्कूल बस, जो कि कौप चंद्रनगर की ओर जा रही थी, पलटी हुई कार से टकरा गई। टक्कर के कारण, स्कूल बस डिवाइडर पार कर मेंगलूरु जाने वाली लेन पर पलट गई। इस बीच, मेंगलूरु की ओर जा रही एक इनोवा भी एक अन्य कार से टकरा गई। सौभाग्य से, दुर्घटना में तीनों वाहनों के चालकों को मामूली चोटें आईं। चूंकि उस समय स्कूल बस में कोई छात्र नहीं था, इसलिए संभावित हादसा टल गया। टोल कर्मचारियों ने क्रेन की मदद से बस को उठाने में मदद की। पदबिद्री पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया।

मुडा दस्तावेज छेड़छाड़ मामले में मामला दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अधिकारियों ने मेंगलूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुड) कार्यालय में फाइल से छेड़छाड़ के मामले की जांच शुरू कर दी है, जिसके बाद एक वायरल वीडियो सामने आया है, जिसमें इस घटना का खुलासा हुआ है। उरवा पुलिस ने इस मामले में तलपडी ग्राम पंचायत के पूर्व सदस्य इब्राहिम के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह घटना कथित तौर पर 7 जनवरी को दोपहर करीब 1:30 बजे लंच ब्रेक के दौरान हुई, जब कार्यालय खाली था। कर्मचारियों की अनुपस्थिति का फायदा उठाते हुए, आरोपी ने पहली मंजिल के कार्यालय में प्रवेश किया, आधिकारिक दस्तावेजों के ढेर तक पहुंच बनाई और अपने पेन का उपयोग करके अनधिकृत बदलाव किए। इस कृत्य को कैप्चर करने वाली सीसीटीवी फुटेज ऑनलाइन सामने आई, जिसने व्यापक ध्यान आकर्षित किया और कार्यालय के भीतर सुरक्षा खामियों के बारे में चिंता जताई। वीडियो में व्यक्ति को संशोधन करने से पहले फाइलों की खोज करते हुए दिखाया गया है।

110 गांवों में बोरवेल बीडब्ल्यूएसएसबी को सौंपें: तुषार गिरिनाथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बीबीएमपी क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले 110 गांवों के बोरवेल निगम से लेकर बीडब्ल्यूएसएसबी को सौंप दिए जाएं। बीबीएमपी आयुक्त ने यह निर्देश हेगड़ेनगर और थानीसांद्रा जैसे बाहरी इलाकों में गर्मी शुरू होने से पहले ही पानी की कमी के बारे में निवासियों की शिकायतों के बाद जारी किया है। मुख्य आयुक्त ने कहा बीबीएमपी में नए शामिल किए गए 110 गांवों के सभी ट्यूबवेल जल बोर्ड को सौंप दिए जाएं। उन्होंने निवासियों से बीडब्ल्यूएसएसबी से जुड़ने और भूजल और बोरवेल पर अपनी निर्भरता कम करने की अपील की। निगम के एक अधिकारी ने बताया कि गर्मी के दौरान पानी की महत्ता और चुनौतीपूर्ण स्थिति को समझते हुए मुख्य आयुक्त ने बीबीएमपी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बीबीएमपी के सभी बोरवेल बीडब्ल्यूएसएसबी को सौंप दें, क्योंकि बोरवेल को नियमित सर्विसिंग और रखरखाव की आवश्यकता होती है और जल बोर्ड के अधिकारियों के पास आवश्यक प्रक्रिया है। बाहरी इलाकों में करीब 6000 पंजीकृत बोरवेल हैं और अब उन्हें बीडब्ल्यूएसएसबी को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे निगम में नए शामिल हुए 110 गांवों के निवासियों के लिए जल प्रबंधन में मदद मिलेगी।

भगदड़ में मारे गए लोगों के शव वापस लाए जाएंगे: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने गुरुवार को कहा कि महाकुंभ में भगदड़ में मारे गए चार लोगों के शव गुरुवार रात तक राज्य में लाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी इस प्रयास का समन्वय कर रहे हैं। गौड़ा ने बताया आईपीएस अधिकारी हरिराम शंकर कुंभ मेले से चार लोगों के शवों को दो एंबुलेंस में दिल्ली ले जाने का समन्वय कर रहे हैं। बेलगावी से विशेष डीसी हर्ष दिल्ली पहुंच गए हैं।

दोनों शवों को शाम बेलगावी पहुंचाने के लिए उड़ान भरेंगे। उन्होंने कहा शव को दिल्ली में लेप किया जाएगा। पार्थिव शरीर और उनके साथ आए चार परिजनों और अधिकारियों को लाने के लिए दोपहर 3:20 बजे की इंडिगो फ्लाइट की व्यवस्था भी कर्नाटक सरकार ने कर दी है। अभी तक किसी अन्य के घायल होने या अस्पताल में भर्ती होने की कोई सूचना नहीं है। हालांकि, यदि निर्देश मिले तो कर्नाटक सरकार के नोडल अधिकारी हर्षल बोयार को यह पता लगाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है कि क्या किसी अस्पताल में कोई और घायल व्यक्ति है। इससे पहले कर्नाटक पुलिस ने बुधवार को पुष्टि की कि भगदड़ में बेलगावी के कम से कम चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। बुधवार की सुबह हुई इस दुखद भगदड़ की घटना पर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने शोक व्यक्त किया।

इस घटना में 30 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। उप महानिरीक्षक (डीआईजी) वैभव कृष्ण ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि 25 शवों की पहचान कर ली गई है, जबकि बाकी की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

उन्होंने कहा प्रयागराज में महाकुंभ में हुई भगदड़ में कुल 30 लोगों की दुर्भाग्य से मौत हो गई है। पच्चीस शवों की पहचान कर ली गई है और बाकी पांच की पहचान अभी नहीं हो पाई है। डीआईजी ने कहा कि मृतकों में चार कर्नाटक, एक असम और एक गुजरात से हैं। उन्होंने कहा कि 36 लोगों का स्थानीय मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

बालटाल से अमरनाथ गुफा तक अब रोप-वे

अमरनाथ यात्रा की अवधि भी बढ़ेगी

जम्मू, 30 जनवरी (ब्यूरो)। भोले शंकर के भक्तों के लिए यह खुशखबरी है कि बालटाल के रास्ते अब बालटाल से लेकर अमरनाथ की पवित्र गुफा तक रोप-वे बनने जा रही है जिस कारण वे कठिन चढ़ाई चढ़ने को मजबूर नहीं होंगे। यही नहीं अगर केंद्र सरकार की योजना कामयाब रही तो सरकार अमरनाथ यात्रा की अवधि भी बढ़ाने जा रही है।

दरअसल केंद्र सरकार ने दक्षिण कश्मीर हिमालय में श्री अमरनाथ जी के पवित्र गुफा मंदिर सहित 18 धार्मिक और पर्यटन स्थलों को रोप-वे से जोड़ने का फैसला किया है, जहां जून से अगस्त के बीच सालाना 45 से 60 दिनों की तीर्थयात्रा आयोजित की जाती है और तीर्थयात्रियों को भगवान शिव के बर्फ के लिंगम के दर्शन के लिए या तो 38 किलोमीटर लंबा पहलगाम ट्रैक या छोटा लेकिन कठिन 13 किलोमीटर बालटाल मार्ग लेना पड़ता है।

अधिकारियों ने बताया कि रोप-वे के साथ, वार्षिक तीर्थयात्रा की अवधि भी बढ़ाई जा सकती है और इससे यात्रियों की भीड़ भी बढ़ेगी क्योंकि वर्तमान में कई लोग अत्यधिक कठिन भूभाग के कारण यात्रा करने में असमर्थ हैं। प्रस्तावित 18 प्रमुख रोप-वे में से कश्मीर के गंदरबल जिले में बालटाल से श्री अमरनाथ जी गुफा मंदिर को जोड़ने वाला रोप-वे सबसे बड़ा होगा, जो 11.6 किलोमीटर तक फैला होगा। यह परियोजना श्री अमरनाथ जी तीर्थयात्रियों के लिए लागत प्रभावी विकल्प प्रदान करेगी। इसके अलावा, जो लोग ट्रेकिंग नहीं करना चाहते, उनके लिए खच्चर, पालकी आदि भी उपलब्ध हैं।

रोप-वे न केवल यात्रा के समय को काफी कम करेगा, बल्कि यह तीर्थयात्रा को सुगम और आरामदायक भी बनाएगा और भगवान शिव के पवित्र गुफा मंदिर में अधिक तीर्थयात्रियों को आकर्षित करेगा, क्योंकि कई लोग कठिन ट्रैक और महंगी हवाई टिकटों के कारण यात्रा करने में असमर्थ हैं।

सरकार ने श्री अमरनाथ जी गुफा मंदिर सहित सभी 18 प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों के लिए सलाहकारों से प्रस्ताव मांगे हैं। सलाहकार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करेंगे। नया रोप-वे आगंतुकों को आसपास के परिदृश्य के दृश्यों का आनंद लेने की भी अनुमति देगा। इस परियोजना से बच्चों, बुजुर्गों और गतिशीलता संबंधी समस्याओं वाले तीर्थयात्रियों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए यात्रा को आसान बनाने की उम्मीद है, जिससे हजारों भक्तों के लिए वार्षिक अमरनाथ यात्रा अधिक सुलभ हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में, अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई और 19 अगस्त को 52 दिनों तक चली। तीर्थयात्रा में 350,000 से अधिक पंजीकृत तीर्थयात्रियों ने भाग लिया, जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।

छतीसगढ़ में 29 नक्सलियों ने डाले हथियार

आत्मसमर्पण करने वालों में सात महिलाएं भी शामिल

रायपुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)। छतीसगढ़ के कुतुल इलाके में 29 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें सात महिलाएं भी शामिल हैं। नारायणपुर के एसपी प्रभात कुमार ने बताया, हम नक्सलवाद के खिलाफ आंदोलन चला रहे हैं। इस आंदोलन के तहत कई अभियान चलाए गए हैं और विकास कार्य भी किए गए हैं। कुतुल क्षेत्र में हम इस विकास कार्य के प्रभाव के रूप में एक सामाजिक बदलाव देख रहे हैं। नक्सल गतिविधियों में शामिल लोग आत्मसमर्पण कर रहे हैं। 29 लोग जो नक्सल गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे, उन्होंने आज आत्मसमर्पण कर दिया है। वे विकास कार्यों से प्रभावित हैं।

इससे पहले सुरक्षा बलों ने बीजापुर जिले के भट्टीगुड़ा के घने जंगलों में पीएलजीए बटालियन नंबर 01 के मुख्य क्षेत्र में माओवादी प्रशिक्षण शिविर पर कब्जा कर लिया था। सेना के तलाशी अभियान के दौरान माओवादी इस शिविर को छोड़कर भाग गए। नक्सली उन्मूलन और क्षेत्र के विकास की गति दोनों तीव्र करने का असर पूरे नक्सल प्रभावित इलाके पर पड़ रहा है। नक्सली मुठभेड़ में मारे जा रहे हैं या मुख्य धारा में शामिल होने की आत्म-स्वीकृति से आत्मसमर्पण कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने देश से नक्सल आतंकवाद के पूर्ण सफाए का दृढ़ निश्चय कर रखा है।

सेवानिवृत्त सैनिकों की पेंशन का मसला

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को नीति बनाने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। सर्वोच्च अदालत ने गुरुवार को सेना के सेवानिवृत्त कर्मियों की पेंशन के मुद्दे पर केंद्र सरकार को फटकार लगाई। साथ ही अदालत ने केंद्र से रिटायर्ड सैनिकों की पेंशन के मुद्दे पर नीति बनाने का निर्देश दिया।

सशस्त्र बल ट्रिब्यूनल ने सेवानिवृत्त रेडियो फिटर को दिव्यांगता पेंशन देने का आदेश दिया था। ट्रिब्यूनल के इस आदेश के खिलाफ केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के इस कदम के प्रति नाराजगी जाहिर की।

जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइंया की पीठ ने कहा कि सेना के एक जवान ने 15-20 साल सेना में सेवा दी और सशस्त्र बल ट्रिब्यूनल ने उन्हें पेंशन देने का आदेश दिया था। फिर इन लोगों को सुप्रीम कोर्ट में क्यों खींचा गया? सरकार को इस मामले में व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। पीठ ने कहा कि हमारा ऐसा मानना है कि केंद्र सरकार को ऐसी नीति बनानी चाहिए, जिसमें सशस्त्र बलों के जवानों को सुप्रीम कोर्ट में खींचने की समीक्षा हो सके। पीठ ने कहा कि इस तरह से सैनिकों के हौसलों को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए।

सूखे के साथ कश्मीर में चिल्लेकलां खत्म

जम्मू, 30 जनवरी (ब्यूरो)। कश्मीर में 40 दिनों की सबसे कठोर सर्दियों की अवधि, चिल्लेकलां आज आधिकारिक तौर पर असामान्य रूप से सूखे के साथ समाप्त हो गई, जिसमें पूरे कश्मीर में औसत से कम बर्फबारी दर्ज की गई। नतीजतन लंबे समय तक सूखे के दौर ने क्षेत्र में पानी की उपलब्धता, कृषि और शीतकालीन पर्यटन को लेकर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

पिछले वर्षों के विपरीत, जब कश्मीर में भारी बर्फबारी होती थी, इस मौसम में ऊंचाई वाले इलाकों में छिटपुट बर्फबारी हुई जबकि मैदानी इलाके काफी हद तक सूखे रहे। पर्याप्त वर्षा की अनुपस्थिति ने भी ठंडी रातों और सामान्य से अधिक गर्म दिनों में योगदान दिया है, क्योंकि साफ आसमान ने सामान्य सर्दी को बढ़ने से रोक दिया है। हालांकि, मौसम विभाग ने फरवरी के पहले सप्ताह में बारिश और बर्फबारी का एक नया दौर होने की भविष्यवाणी की है, जो किसानों, बागवानों और पर्यटन हितधारकों को कुछ राहत दे सकती है जो मौसमी बर्फबारी पर निर्भर हैं।

चिल्लेकलां के खत्म होने के साथ ही कश्मीर 20 दिन के चिल्लेखुर्द (कम ठंड) चरण में प्रवेश कर रहा है, जिसके बाद वसंत ऋतु के आने से पहले 10 दिन का चिल्लेबच्चा (बेबी कोल्ड) चरण शुरू हो रहा है। जबकि निवासियों को मौसम के अंत में बर्फबारी की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय तक सूखे की स्थिति से पेयजल आपूर्ति, सिंचाई और ग्लेशियर रिजर्व सहित जल संसाधनों पर असर पड़ सकता है, जो गर्मियों के महीनों के लिए महत्वपूर्ण हैं। अधिकारी और पर्यावरणविद स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं, क्योंकि बर्फबारी के पैटर्न में कोई भी महत्वपूर्ण विचलन कश्मीर के पारिस्थितिकी तंत्र और अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक परिणाम हो सकता है।

याद रहे कश्मीर में 21 और 22 दिसम्बर की रात से सर्दी के मौसम की शुरुआत मानी जाती है। करीब 40 दिनों तक के मौसम को चिल्लेकलां कहा जाता है। और इस दिन हुई बर्फबारी कई सालों के बाद सही समय पर हुई है। नतीजतन कुदरत का समय चक्र सुधरा तो कश्मीरियों की परेशानियां बढ़ गई क्योंकि पिछले कई सालों से बर्फबारी के समय पर न होने के कारण वे चिल्लेकलां को ही भुला बैठे थे। चिल्लेकलां करीब 40 दिनों तक चलता है और उसके बाद चिल्ले खुर्द और फिर चिल्ले बच्चा का मौसम आ जाता है। अभी तक चिल्लेकलां के दौरान 1986 में कश्मीर में तापमान शून्य से 9 डिग्री नीचे गया था जब विश्व प्रसिद्ध डल झील दूसरी बार जम गई थी। वैसे चिल्लेकलां के दौरान कश्मीर के तापमान में जो गिरावट देखी गई है उसके मुताबिक तापमान शून्य से 5 व 7 डिग्री ही नीचे जाता है।

फिलहाल सर्दी से कोई राहत भी नहीं मिल पा रही है। अनुमान इस बार का यह है कि सर्दी अपना भयानक रूप दिखा सकती है। वैसे भी कुछ सालों से मौसम की पश्चिमी गड़बड़ियों के कारण कश्मीर कभी बर्फीले सुनामी के दौर से गुजरता है तो कभी बाढ़ से कश्मीरियों को सामना करना पड़ रहा है।

बहुत जल्द शुरू होगा समस्तीपुर दरभंगा दोहरीलाइन पर ट्रेन सेवा

दरभंगा , 30 जनवरी (ब्यूरो)। पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर-दरभंगा रेलखंड पर चौथे चरण में रामभद्रपुर-थलवारा 12 किलोमीटर में चल रहा दोहरीकरण का कार्य को 30 जून तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे उम्मीद की जा रही है कि जुलाई महीने से इस खंड के दोहरीलाइन पर समस्तीपुर-दरभंगा के बीच परिचालन शुरू हो जाएगा। परिचालन शुरू होने से ट्रेनों की लेट लतीफी कम होगी। उधर, दोहरीकरण को लेकर हायाघाट स्टेशन के पास बने सबवे नंबर 15 बी पर भी कार्य शुरू करने के लिए दरभंगा जिला प्रशासन से अनुमति मिल गई है। निर्माण कार्य को लेकर इस सबवे को बंद किया जाएगा। इस सबवे की लंबाई 32 मीटर की जाएगी।

रेलवे के निर्माण विभाग के अभियंताओं ने बताया कि रामभद्रपुर से हायाघाट और थलवारा- हायाघाट 12 दोनों और से कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। इन स्टेशनों के बीच मिट्टीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। पुल नंबर 15 ए और 15 बी का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। जबकि इस खंड की मेजर ब्रिज नंबरी 14 व बागमती नदी पर पुल नंबर 16 तथा करेह नदी पर पुल नंबर 17 पर करीब 70 फीसदी तक कार्य पूरा हो चुका है।

इस कार्य को 30 जून से पहले पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही रेलवे लाइन भी बिछा दिया जाएगा।

कार्य पूर्ण होने पर जुलाई महीने से सीआरएस इस खंड का निरीक्षण कर सकते हैं। जिसके बाद अनुमती मिलते ही ट्रेनों का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि हायाघाट स्टेशन के पास 15 बी पहले रेलवे गुमटी था। लेकिन जाम की समस्या को देखते हुए आमान परिवर्तन के दौरान इसके स्थान पर सबवे का निर्माण कराया गया। अब दोहरीकरण हो रहा है। ऐसी स्थिति में सबवे की लंबाई भी बढाया जाना है। इसी लंबाई अब 32 मीटर की होगी। ऐसी स्थिति में इस सबवे को निर्माण अवधि के लिए बंद करना होगा। रेलवे के निर्माण विभाग द्वारा किए गए पत्राचार के आधार पर दरभंगा के डीएम ने कार्य शुरू करने से 15 दिन पहले विज्ञापन प्रकाशित कराकर कार्य शुरू करने का कहा है ताकि इस रास्ते जाने वाले लोगों को परेशानी नही हो उन्हें पूर्व में जानकारी मिल जाय।

वर्ष 2015 में 519 करोड़ की लागत से दो-हरीकरण का कार्य शुरू हुआ, जिसमें रेलवे ट्रैक एवं पुल के लिए 491 करोड़ एवं 28 करोड़ रुपए इलेक्ट्रिक वायरिंग के लिए आवंटित हुई थी। इस कार्य को 3 साल के अंदर पूरा करने का लक्ष्य था।

लेकिन 9 सालों में 28 किलोमीटर रेलवे सफर तय कर पायी है। जबकि कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए योजना को तीन चरणों में बांटा गया था। रेलवे के निर्माण विभाग की ओर से इस खंड पर पहले चरण में समस्तीपुर-किशनपुर 10.50 किलोमीटर एवं दूसरे चरण में दरभंगा-थलवाड़ा 9.50 किलोमीटर में दोहरीकरण का कार्य पूरा हुआ है। तीसरे चरण में किशनपुर-रामभद्रपुर के बीच कार्य पूरा हो चुका है। कार्य में विलंब को देखते हुए इस योजना को पुन: शेष बचे रेलखंड को दो चरणों में बांटा गया है। पहले चरण में रामभद्रपुर-हायाघाट व दूसरे चरण में हायाघाट-थलवारा के बीच कार्य को पूर्ण करना है। जिस पर दोनों ओर से कार्य चल रहा है। ताकी योजना को जल्द से जल्द पूरा किया जा सके।

डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने कहा कि रामभद्रपुर से थलवारा युद्ध स्तर पर कार्य चल रहा है। 30 जून तक कार्य पूरा करने का लक्ष्य है। पूरी कोशिश की जा रही है कि समय सीमा के अंदर कार्य पूरा कर परिचालन शुरू किया जा सके।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में भाजपा ने आपा को हराया

चंडीगढ़, 30 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से कुछ ही दिन पहले आम आदमी पार्टी (आपा) को बड़ा झटका लगा है। चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में आपा को भाजपा ने पटखनी दी है। भाजपा की हरप्रीत कौर बाबला ने आपा की प्रेम लता को चुनाव हरा कर मेयर की सीट कब्जाई है। भाजपा ने यह झटका तब दिया है जब चंडीगढ़ में आपा और कांग्रेस एक साथ थे।

गुरुवार को हुई वोटिंग में भाजपा प्रत्याशी हरप्रीत कौर बाबला को 19 वोट मिले जबकि प्रेम लता 17 वोट ही हासिल कर सकीं। यह चुनाव एक वर्ष के कार्यकाल के लिए हुआ है। इस बार के चुनाव में सीट को महिला के लिए आरक्षित किया गया था। अभी तक आपा का मेयर चंडीगढ़ में था। भाजपा प्रत्याशी बाबला को तीन वोट दूसरी पार्टियों से भी मिले हैं। चंडीगढ़ नगर निगम में पार्षद मेयर का चुनाव करते हैं। यहां भाजपा के पास 16 पार्षद हैं जबकि आपा के 13 पार्षद हैं। 6 पार्षद कांग्रेस के हैं। बताया गया कि कांग्रेस-आपा के तीन लोगों ने क्रॉस वोट किया है।

35 सदस्यों वाले चंडीगढ़ नगर निगम में जीत के लिए 19 वोट चाहिए होते हैं। वोटिंग में चंडीगढ़ का सांसद भी हिस्सा लेता है। वह चंडीगढ़ नगर निगम का पदेन सदस्य होता है। वर्तमान में चंडीगढ़ के सांसद कांग्रेस के मनीष तिवारी हैं। हालांकि, उनके रहने से भी कोई फायदा नहीं हुआ। आपा और कांग्रेस ने चुनाव से पहले अपने पार्षदों को शहर के बाहर भी भेज दिया था। इसे कोई फर्क नहीं पड़ा और आपा-कांग्रेस जीत दर्ज करने में नाकाम रहीं। इससे पहले 2024 में हुआ चुनाव विवादों में घिर गया था। पहले इसमें भाजपा प्रत्याशी मनोज सोनकर ने जीत हासिल की थी। बाद में यह मामला सुप्रीम कोर्ट चला गया था जहां पर अनिल मसीह द्वारा बेईमानी किए जाने की बात सामने आई थी। दोबारा हुए चुनाव में आपा के कुलदीप कुमार जीते थे। चंडीगढ़ में आपा एक बार फिर सत्ता से बाहर हो गई है। 2024 में आपा से हारने से पहले भाजपा लगातार 9 बार यहां मेयर पद पर काबिज रही थी।

पुंछ में एलओसी पर घुसपैठ का प्रयास नाकाम, दो आतंकी मारे गए

जम्मू, 30 जनवरी (ब्यूरो)। जम्मू संभाग के पुंछ क्षेत्र में गुरुवार को नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो घुसपैठियों को मार गिराया गया। इस तरह सतर्क सैनिकों ने पुंछ जिले के खड़ी करमारा इलाके में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। ऑपरेशन के दौरान दो घुसपैठियों को मार गिराया गया। सुरक्षाबल ऐसी घुसपैठ को रोकने और क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क हैं। इलाके में तलाशी अभियान जारी है और अधिक विवरण की प्रतीक्षा है।

जगदंबिका पाल टीम ने की ओम बिरला से मुलाकात

जेपीसी ने वक्फ रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को सौंपी

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने गुरुवार को समिति की रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी। इससे पहले समिति ने बुधवार को 655 पेज वाली रिपोर्ट को बहुमत से स्वीकार किया था। इसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों की ओर दिए गए सुझावों को शामिल किया गया है।

विपक्षी सांसदों ने इसे असंवैधानिक करार दिया। उनका आरोप है कि यह कदम वक्फ बोर्डों को बर्बाद कर देगा। इसके उलट भाजपा सांसदों ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले साल अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया विधेयक वक्फ सम्पत्तियों के प्रबंधन में आधुनिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही लाने का प्रयास करने वाला है।

बीते दिन भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट को 11 के मुकाबले 15 मतों से मंजूरी दे दी गई।

विपक्षी सदस्यों ने असहमति के नोट दिए हैं। समिति ने गत सोमवार को हुई एक बैठक में भाजपा सांसदों के सुझाए सभी संशोधनों को स्वीकार कर लिया था।

इस दौरान विपक्ष के संशोधनों को खारिज कर दिया था। समिति में शामिल विपक्षी सांसदों ने वक्फ (संशोधन) विधेयक के सभी 44 प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने दावा किया था कि समिति की ओर से प्रस्तावित कानून विधेयक के दमनकारी चरित्र को बरकरार रखेगा और मुस्लिमों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने का प्रयास करेगा।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की ओर से लोकसभा में पेश किए जाने के बाद 8 अगस्त, 2024 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया था। विधेयक का मकसद वक्फ सम्पत्तियों को विनियमित और प्रबंधित करने से जुड़े मुद्दों और चुनौतियों का समाधान करने के लिए वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करना है।

विदेशी श्रद्धालु बोले इतनी भीड़ को नियंत्रित करना सरकार की कुशलता का सबूत

महाकुंभनगर, 30 जनवरी (एजेंसियां)।
प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 आस्था, भक्ति और संस्कृति का अद्वितीय संगम बन चुका है।

इस भव्य आयोजन में देश-विदेश से श्रद्धालुओं का विशाल जनसैलाब उमड़ रहा है। हर किसी के मन में आस्था की ज्योति प्रज्ज्वलित हो रही है। सभी संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर मोक्ष की कामना कर रहे हैं। इस दौरान विदेशी तीर्थयात्री भी महाकुंभ की अद्भुत व्यवस्था से अभिभूत नजर आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा किए गए बेहतरीन प्रबंधों की सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की है।

महाकुंभ में शिरकत करने पहुंचे विदेशी श्रद्धालु भी यहां की व्यवस्था से काफी प्रभावित हैं। अमेरिका के हवाई से आए एक श्रद्धालु ने कहा कि यह कल्पना से परे है कि इतने अधिक लोग एक साथ एकत्रित होकर आस्था के इस महासंगम में शामिल हुए हैं। इतनी विशाल संख्या में लोगों और यहां के बुनियादी ढांचे को देखते हुए, यह अविश्वसनीय है कि सरकार इसे इतनी कुशलता से संचालित कर पा रही है। हर कोई एक-दूसरे की सहायता करता दिख रहा है।

फ्लोरिडा, अमेरिका से आईं मारिया ने कहा कि वह 12 साल पहले भी कुंभ मेले में आई थीं और इस अनुभव ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि वे इसे फिर से देखने आई हैं। उन्होंने कहा कि यह मेरे जीवन का सबसे यादगार अनुभव है। मैं पिछले 26 वर्षों से हर साल भारत आती हूं और यहां की संस्कृति से प्रेम करती हूं। पुलिस प्रशासन ने जिस तरह भीड़ को संभाल रखा है, वह प्रशंसनीय है।

रूस के मॉस्को से आईं जूलिया ने कहा कि हम पहली बार महाकुंभ में आए हैं और यहां की व्यवस्था से बहुत प्रभावित हैं। यहां का माहौल बहुत ही सुरक्षित और पवित्र है। इतने विशाल आयोजन को जिस प्रकार प्रशासन ने व्यवस्थित किया है, वह अविश्वसनीय है। अल्माटी, कजाकिस्तान से आईं अलेना ने कहा कि यह मेरा सपना था कि मैं कुंभ मेले में आऊं। मैं महादेव की कृपा से यहां पहुंच पाई और इस अनुभव को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। वहीं पंजाब के पठानकोट से आईं अंजू ने कहा कि प्रशासन द्वारा तीर्थयात्रियों को हर संभव सहायता दी जा रही है। हमें अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने इस विराट आयोजन को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। महाकुंभ के दौरान लाखों-करोड़ों श्रद्धालु प्रतिदिन संगम तट पर स्नान करने के लिए उमड़ रहे हैं, लेकिन इतनी बड़ी भीड़ को संभालने में प्रशासन ने जिस दक्षता और अनुशासन का परिचय दिया है, वह सराहनीय है। सरकार ने महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का भी भरपूर उपयोग किया है। भीड़ प्रबंधन के लिए ड्रोन कैमरों की मदद ली जा रही है, जिससे किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटा जा सके। सरकार द्वारा की गई इन व्यवस्थाओं का ही परिणाम है कि न केवल भारतीय श्रद्धालु बल्कि विदेशी पर्यटक भी इस ऐतिहासिक आयोजन को देखने और अनुभव करने के लिए बड़ी संख्या में उमड़ रहे हैं।

मौनी अमावस्या पर प्रयागराज रेल मंडल ने बनाया रिकॉर्ड

222 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेनों का किया संचालन

महाकुंभ नगर, 30 जनवरी (एजेंसियां)।
सनातन आस्था के महापर्व महाकुंभ के सबसे बड़े अमृत स्नान मौनी अमावस्या पर्व पर 8 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी में स्नान किया। पिछले कई दिनों से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन प्रयागराज से हो रहा था।

प्रयागराज रेल मंडल ने श्रद्धालुओं के सुरक्षित और सुगम आवागमन के लिए बुधवार को रिकॉर्ड 222 मेला स्पेशल ट्रेनों के साथ 360 से अधिक ट्रेनों का संचालन किया। प्रयागराज रेलवे के सभी स्टेशनों से मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन पूरे दिन किया जाता रहा।

प्रयागराज रेल प्रशासन ने मौनी अमावस्या के अमृत स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं के सुरक्षित और सुगम आवागमन के लिए विशेष प्रबंध किये थे। प्रयागराज रेल मंडल और शहर के अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी आश्रय स्थल, होल्डिंग एरिया के साथ आसान टिकट वितरण की व्यवस्था की गई थी। तीर्थयात्रियों के सुरक्षित प्रवेश और निकास के लिए जीआरपी और सिविल पुलिस की संयुक्त कार्ययोजना के अनुरूप कार्य किया गया।

साथ ही करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं को सुरक्षित उनके गंतव्य स्टेशन तक पहुंचाने के लिए प्रयागराज रेल मंडल ने रिकॉर्ड 222 मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया।

रेल प्रशासन ने बताया कि नियमित ट्रेनों के साथ शहर के सभी स्टेशनों से 360 से अधिक ट्रेनें चलाई गईं।

प्रयागराज रेल प्रशासन ने बताया कि महाकुंभ में मौनी अमावस्या के पर्व पर एनसीआर के प्रयागराज जंक्शन से 104, छिवकी से 23, नैनी से 17और सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से 13 मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन हुआ। जबकि प्रयागराज परिक्षेत्र में एनआर के प्रयाग स्टेशन से 23, फाफामऊ स्टेशन से 05 और पूर्वोत्तर रेलवे के रामबाग स्टेशन से 09 तथा झूंसी स्टेशन से 28 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया। शहर में एनसीआर के स्टेशनों से 05 विस्तारित ट्रेनें, 05 रिंगरेल, 03 लंबी दूरी की गाड़ियां और गैर टाइम टेबल की 69 ट्रेनें चलायी गईं।

प्रयागराज रेल प्रशासन ने बताया कि सुबह 08 बजे के आस पास श्रद्धालुओं की संख्या जैसे ही बढ़नी शुरू हुई, खुसरोबाग स्थित होल्डिंग पॉइंट को ऑपरेट कर दिया गया था। सिविल पुलिस की मदद से श्रद्धालुओं को खुसरोबाग से गाइडेड तरीके से प्रयागराज स्टेशन ला कर उनके गंतव्य स्टेशन की ट्रेनों में बोर्ड कराया गया। एनसीआर के महाप्रबंधक उपेन्द्र जोशी वॉर रूम से और मंडल रेल प्रबंधक हिमांशु बडोनी कंट्रोल रूम से लगातार स्थिति की मानिटरिंग करते रहे।

दुष्कर्म के आरोप में कांग्रेस सांसद गिरफ्तार

सीतापुर, 30 जनवरी (एजेंसियां)।
सीतापुर में गुरुवार को पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को गिरफ्तार कर लिया। सदर विधानसभा क्षेत्र की महिला ने सीतापुर के कांग्रेस सांसद राकेश राठौर पर यौन शोषण का आरोप लगाकर सदर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था।

सांसद को शहर कोतवाली पुलिस ने उनको लोहरबाग स्थित आवास से गिरफ्तार किया। सांसद एक प्रेस कांफ्रेंस कर सरेंडर करने वाले थे, लेकिन इसी दौरान वहां पुलिस पहुंच गई और गिरफ्तार कर लिया। दुष्कर्म के आरोपी

कांग्रेस सांसद राकेश राठौर की अग्रिम जमानत याचिका पर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। यह सुनवाई न्यायाधीश राजेश कुमार सिंह की कोर्ट ने की। सांसद की ओर से अधिवक्ता अतुल वर्मा, सोमेश त्रिपाठी व अरविंद वर्मा ने पक्ष रखा। वहीं, पीड़िता की ओर से शासकीय अधिवक्ता ने बहस की।

सिंगल बेंच ने सुनवाई के बाद सांसद की याचिका को खारिज कर दिया है और दो सप्ताह में आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। इसके पहले सीजेएम न्यायालय ने सोमवार को सांसद के खिलाफ गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया था। गौरतलब है कि दुष्कर्म मामले में सांसद को बीती 25 जनवरी को दूसरा नोटिस जारी कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें 27 जनवरी तक सुबह 11 बजे कोतवाली में हाजिर होकर बयान दर्ज करवाने का मौका दिया गया था। वह सोमवार को कोतवाली नहीं पहुंचे।

सीएम योगी ने गठित किया तीन सदस्यीय आयोग

न्यायिक आयोग ने शुरू की महाकुंभ दुर्घटना की जांच

लखनऊ, 30 जनवरी (एजेंसियां)।
प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के मौके पर हुई दुर्घटना के कारणों की पड़ताल के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने कामकाज शुरू कर दिया है।

आयोग के तीनों सदस्य गुरुवार को लखनऊ के जनपथ स्थित अपने कार्यालय पहुंचे। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) हर्ष कुमार ने बताया, जांच को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाना है इसलिए हमने घोषणा के कुछ ही घंटों के भीतर कार्यभार संभाल लिया है। हमारे पास एक महीने का समय है, लेकिन फिर भी हम जांच को तेजी से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आयोग के अध्यक्ष ने यह भी कहा कि वह जल्द ही प्रयागराज का दौरा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के मौके पर स्नान के लिए उमड़ी भीड़ में भगदड़ मच गई, जिसमें आधिकारिक तौर पर 30 लोगों की मौत हो गई और 60 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार की अध्यक्षता वाले इस आयोग में सेवानिवृत्त आईएएस अफसर डीके सिंह और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी वीके गुप्ता भी शामिल हैं। आयोग को अपने गठन के एक महीने के अंदर मामले की जांच रिपोर्ट देनी होगी। इस सिलसिले में जारी अधिसूचना के मुताबिक आयोग भगदड़ के कारणों और परिस्थितियों की जांच करेगा। साथ ही भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के सिलसिले में सुझाव भी देगा।

बुनियादी शिक्षा में योगी सरकार की बड़ी छलांग

बच्चों की पढ़ाई और गणना क्षमता में अभूतपूर्व सुधार

लखनऊ, 30 जनवरी (एजेंसियां)।
वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में राष्ट्रीय औसत से नीचे रहने वाली बच्चों की पढ़ाई और गणना क्षमता में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। हालांकि, निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन और सतत प्रयासों के चलते 2024 की एएसईआर रिपोर्ट में चौंकाने वाले सकारात्मक बदलाव दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कक्षा तीन के बच्चों के पढ़ने के स्तर में 8.3 प्रतिशत अंक और गणितीय दक्षता में 7 प्रतिशत अंक का सुधार हुआ है।

देशभर में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को मापने और छात्रों की बुनियादी पढ़ने एवं गणना करने की क्षमताओं का आकलन करने वाला स्वतंत्र सर्वेक्षण एएसईआर 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2018 में जहां परिषदीय प्राथमिक स्कूलों में छात्रों की औसत उपस्थिति 59.9 प्रतिशत थी, लेकिन 2024 में यह बढ़कर 71.4 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो एक सकारात्मक संकेत है। इसी तरह, शिक्षकों की उपस्थिति भी 2018 में 85.2 प्रतिशत थी, जो 2024 में 85.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

बच्चों की पढ़ने-लिखने की क्षमता में भी निरंतर सुधार हो रहा है। 2018 में कक्षा तीन के केवल 12.3 प्रतिशत छात्र ही कक्षा दो का पाठ पढ़ने में सक्षम थे, लेकिन 2024 तक यह आंकड़ा बढ़कर 27.9 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह, कक्षा पांच के छात्रों की पढ़ने की क्षमता भी 2018 में 36.2 प्रतिशत थी, जो 2024 में 50.5 प्रतिशत तक पहुंच गई। वहीं, कक्षा आठ के छात्रों में यह प्रतिशत 2022 में 62.6 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 67.3 प्रतिशत हो गया।

कक्षा तीन के बच्चों के पढ़ने का स्तर 8.3 प्रतिशत अंक बढ़ा है, जबकि कक्षा तीन और पांच के बच्चों की अंकगणितीय दक्षता में 7 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई है। वर्ष वर्ष 2018 में कक्षा 3 के बच्चों की पढ़ने की क्षमता का स्तर 12.3 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 24.7 प्रतिशत हो गया है, यानी कुल 15.6 प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है। इतना ही नहीं, गणितीय दक्षता के स्तर में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई है।

वर्ष 2018 में जो क्षमता 11.2 प्रतिशत थी, वह वर्ष 2024 में बढ़कर 31.6 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इस प्रकार, कुल 20 प्रतिशत अंकों की वृद्धि के साथ उत्तर प्रदेश अब गुजरात और तमिलनाडु जैसे शीर्ष राज्यों की श्रेणी में शामिल हो गया है।

वर्ष 2018 की तुलना में वर्ष 2024 में शिक्षकों की उपस्थिति दर भी बढ़ी है। अब शिक्षकों की उपस्थिति 87.5 प्रतिशत और छात्रों की उपस्थिति दर 75.9 प्रतिशत तक पहुंच गयी है, जो राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। इसके साथ ही, सरकार ने स्कूलों के बुनियादी ढांचे में बड़े सुधार किए हैं, जिनमें कार्यशील बालिका शौचालयों की संख्या में वृद्धि, पेयजल की सुविधा में सुधार और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए विशेष कदम शामिल हैं। इसके अलावा, 14 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के बीच स्मार्टफोन एक्सेस में 15.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा, पिछले छह वर्षों में हुए इन सुधारों ने उत्तर प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों की कतार में ला खड़ा किया है। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्ष 2025 तक हर बच्चे को बुनियादी साक्षरता और गणना में दक्ष करने का लक्ष्य रखा गया है।

असिस्टेंट डायरेक्टर (बेसिक) और समग्र शिक्षा के गुणवत्ता यूनिट प्रभारी आनंद पांडेय का कहना है कि उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निपुण भारत मिशन को अत्यधिक प्रभावी तरीके से लागू किया। प्राथमिक स्तर के बच्चों को पढ़ने, लिखने और गणना करने में बच्चों को सक्षम बनाया गया। स्कूलों में पाठ्यक्रम को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाते हुए शिक्षकों के प्रशिक्षण, डिजिटल निगरानी और बुनियादी सुविधाओं में भी व्यापक सुधार किए गए।

रात में ही श्रद्धालुओं से भर गई अयोध्या

96 घंटे में 65 लाख श्रद्धालु पहुंचे अयोध्या

अयोध्या, 30 जनवरी (एजेंसियां)।
मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में पुण्य की डुबकी लगाने के बाद शाम से ही श्रद्धालुओं के अयोध्या आने का शुरू हुआ सिलसिला गुरुवार दोपहर बाद तक जारी रहा। आलम यह रहा कि रातों-रात अयोध्या की सड़कें श्रद्धालुओं से खचाखच भर गईं। भोर होते ही जय श्रीराम के जयकारों से अयोध्या गुंजायमान हो गई। जानकारों के मुताबिक 96 घंटे में करीब 65 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं। उधर, बढ़ती भीड़ देखकर नगर के वरिष्ठ अधिकारियों ने मोर्चा संभाल लिया। रातभर पैदल निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे।प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर स्नान करने के बाद श्रद्धालु सीधे रामनगरी पहुंच रहे हैं।

आंखों में श्रद्धा व सिर पर गठरी लिए श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा है। भोर में चार बजे से सरयू के घाटों पर स्नान शुरू हो गया। इसके बाद श्रद्धालुओ ने हनुमानगढ़ी व राम मंदिर का रुख किया। रामपथ और भक्तिपथ पर श्रद्धालुओं का सैलाब देख हर कोई अचंभित दिखा। आराध्य के दर्शन पाने को श्रद्धालु देर रात तक कतार बद्ध दिखे। एक अनुमान के मुताबिक राममंदिर में रोजाना तीन लाख व हनुमानगढ़ी में श्रद्धालु दर्शन को पहुंच रहे हैं। इसके लिए मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाकर लगभग 18 घण्टे कर दिया गया है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में जिला प्रशासन को समय-समय पर निर्देशित भी कर रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक श्रद्धालु की सेवा में जुटे हुए हैं।

श्रद्धालुओं को राम जन्मभूमि परिसर में पुलिस की तरफ से पानी पिलाया जा रहा है। इसके अलावा सेहत का ख्याल रखने के लिए मंदिर परिसर में मेडिकल कैंप की भी व्यवस्था की गई है। राम मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी और वालंटियर श्रद्धालुओं की सेवा में तैनात कर दिए गए हैं। अयोध्या आने वाले मुख्य मार्ग के थाने और चौकियों के साथ रेलवे से संपर्क कर श्रद्धालुओं की संख्या का पूर्वानुमान भी लगाया जा रहा है। रामनगरी में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। गोंडा, अंबेडकरनगर, सुल्तानपुर और लखनऊ रोड होल्डिंग एरिया बना दिया गया है, ताकि भीड़ बढ़ने पर श्रद्धालुओं को वहां रोका जा सके। वहीं केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गोवा, महाराष्ट्र और गुजरात से बड़ी से संख्या में श्रद्धालु दर्शन को अयोध्या पहुंच रहे हैं।

महाकुंभ से भारी संख्या में रेलमार्ग से भी अयोध्या में श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है। अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा द्वारा शाम को रेलवे स्टेशन कैंट के आस-पास और गुरु गोविंद सिंह चौराहे पर लाउडस्पीकर के माध्यम से अपील की गई है कि वे रेलवे स्टेशन कैंट के निकट बने आश्रय स्थल में ही ठहरें। यह अनुरोध श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया। जिले के वरिष्ठ अधिकारी ग्राउंड जीरो पर मौजूद हैं। लगातार समुचित दर्शन की व्यवस्था बनाए हुए हैं। शहर में एडीजी जोन लखनऊ एसबी शिरोडकर आईजी प्रवीण कुमार और कमिश्नर गौरव दयाल जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह, एसएसपी राजकरण नैयर ने कमान संभाल रखी है। राम जन्मभूमि परिसर में एसपी सुरक्षा बलरामचारी ने मोर्चा संभाल रखा है। उन्होंने बताया कि राम मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षा मानकों के अनुसार दर्शन कराया जा रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से सिविल पुलिस, पीएसी के अलावा अर्धसैनिक बलों को लगाया गया है। एडीजी जोन, मंडलायुक्त व आईजी बिरला धर्मशाला से लता चौक तक पैदल चलकर श्रद्धालुओं से बातचीत की व सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

संपादकीय

जलवायु संकट में बच्चे

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी से जहां सामान्य जन-जीवन बाधित है, वहीं खेती किसानी पर भी नया संकट मंडरा रहा है। खासकर भारत जैसे देश में जहां अधिकांश कृषि मानसूनी बारिश पर निर्भर है। सबसे बड़ा संकट हमारे कृषि क्षेत्र पर है, जहां उत्पादकता घटने से हमारी खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ती नजर आ रही है। जिसमें खुलासा किया गया है कि भारत में करीब साढ़े पांच करोड़ बच्चों की शिक्षा हीटवेव से बाधित हुई है। यह संकट यूं तो पूरी दुनिया में है लेकिन दक्षिण एशिया के अन्य देशों के मुकाबले दुनिया की सर्वाधिक जनसंख्या वाले भारत में इसका ज्यादा प्रभाव देखा गया है। रिपोर्ट दावा करती है कि वर्ष 2024 में लू के कारण भारत में शिक्षा व्यवस्था पर खासा प्रतिकूल असर पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ की रिपोर्ट 'लर्निंग इंटरप्टेड : ग्लोबल स्नैपशॉट ऑफ क्लाइमेट-रिलेटेड स्कूल डिसरप्शंस इन 2024' में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। उल्लेखनीय है कि अब तक कृषि व मौसम के चक्र पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के अध्ययन निष्कर्ष तो सामने आए, लेकिन बच्चों के प्रति कोई ऐसा संवेदनशील अध्ययन सामने नहीं आया था। जिसने जहां एक ओर अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी, वहीं सरकार पर दबाव बनाया कि वह बच्चों व शिक्षा पर जलवायु परिवर्तन से होने वाले असर को कम करने के लिये कारगर नीतियां यथाशीघ्र बनाये। निस्संदेह, यह अध्ययन देश के नीति-नियंताओं को चेताता है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये शिक्षा ही नहीं स्वास्थ्य आदि अन्य क्षेत्रों में व्यापक पैमाने पर काम करने की जरूरत है। शिक्षाविदों के साथ ही चिकित्सा बिरादरी के लोगों को भी इस ज्वलंत मुद्दे पर मंथन करने की जरूरत है क्योंकि अध्ययन में वर्ष 2050 तक बच्चों पर गर्म हवाओं का असर आठ गुना तक बढ़ने की आशंका है। बीता साल एक सदी से अधिक अवधि के बाद का सबसे गर्म साल घोषित किया गया है। मौसम विभाग ने सूचित किया था कि वर्ष 2024 वर्ष 1901 के बाद सबसे अधिक गर्म साल रहा है। जो ग्लोबल वार्मिंग के भयावह संकट को ही उजागर करता है। यह भी कि यदि देश-दुनिया में ग्रीन हाउस गैसों के नियंत्रण के लिये वैश्विक सहमति शीघ्र नहीं बनती तो आने वाले वर्षों में तापमान में और वृद्धि हो सकती है। जो न केवल बच्चों की शिक्षा बल्कि उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डालेगा। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने चेतावनी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग संकट से बच्चों की शिक्षा बाधित होने से उनके भविष्य पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। लू की गर्म लहरों के बीच छोटे बच्चों का स्कूल जाना संभव नहीं हो पाता। अभिभावक भी पढ़ाई की तुलना में उनके जीवन को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में समय रहते स्कूलों के समय निर्धारण में परिवर्तन और बढ़ती गर्मी से जुड़ी सावधानियों के प्रति जागरूकता बढ़ाकर इस संकट का मुकाबला किया जा सकता है। इसके अलावा देश में जलवायु परिवर्तन प्रभावों का हमारे जन-जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों के मूल्यांकन के लिये व्यापक अध्ययन व शोध करने की जरूरत महसूस की जा रही है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो इसके प्रभाव दीर्घकालीन हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि यूनीसेफ ने जिस अध्ययन का हवाला दिया है वह ओस्लो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के निष्कर्ष हैं। यह कोशिश भारत के विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों द्वारा की जानी चाहिए ताकि निष्कर्ष भारतीय परिस्थितियों के हिसाब से स्वदेशी अध्ययन के चलते अधिक प्रमाणिक हों। लेकिन इसके अलावा ओस्लो विश्वविद्यालय के अध्ययन में उल्लेखनीय तथ्य यह है कि भारत को ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की दृष्टि से अधिक संवेदनशील बताया गया है। हालांकि, बीते वर्ष ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से पूरी दुनिया के चौबीस करोड़ बच्चों की पढ़ाई मौसम की तल्खी से बाधित हुई है। बड़ी संख्या में बच्चे मौसमी व्यवधानों के चलते स्कूल नहीं जा पाए। निस्संदेह, परीक्षा परिणाम प्रभावित होने से बच्चों के भविष्य पर इसका प्रतिकूल असर दीर्घकालिक हो सकता है।

रिकॉर्ड तोड़ गर्मी से जहां सामान्य जन-जीवन बाधित है, वहीं खेती किसानी पर भी नया संकट मंडरा रहा है। खासकर भारत जैसे देश में जहां अधिकांश कृशि मानसूनी बारिश पर निर्भर है। सबसे बड़ा संकट हमारे कृषि क्षेत्र पर है, जहां उत्पादकता घटने से हमारी खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ती नजर आ रही है। जिसमें खुलासा किया गया है कि भारत में करीब साढ़े पांच करोड़ बच्चों की शिक्षा हीटवेव से बाधित हुई है। यह संकट यूं तो पूरी दुनिया में है लेकिन दक्षिण एशिया के अन्य देशों के मुकाबले दुनिया की सर्वाधिक जनसंख्या वाले भारत में इसका ज्यादा प्रभाव देखा गया है। रिपोर्ट दावा करती है कि वर्ष 2024 में लू के कारण भारत में शिक्षा व्यवस्था पर खासा प्रतिकूल असर पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ की रिपोर्ट 'लर्निंग इंटरप्टेड : ग्लोबल स्नैपशॉट ऑफ क्लाइमेट-रिलेटेड स्कूल डिसरप्शंस इन 2024' में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

चीन भारत के सीमावर्ती क्षेत्र में, कभी गलवान में सैनिक घुसपैठ कराता है

ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध निर्माण की चीन ने चली चाल

प्रमोद भार्गव

चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध को बनाने की स्वीकृति दे दी है। इस बांध परियोजना को दुनिया की सबसे बड़ी बांध संरचना परियोजना बताया जा रहा है। इसकी लागत का अनुमान 137 अरब अमेरिकी डॉलर है। यह जानकारी चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अधिकारी ने देते हुए कहा है कि 'चीन सरकार ने यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र नदी का तिब्बती नाम) के निचले क्षेत्रों में एक जल विद्युत परियोजना के निर्माण को मंजूरी दी

चीन ने भारत के साथ मधुर संबंध बनाने के बीच एक नई विस्तारवादी चाल चल दी। चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध को बनाने की स्वीकृति दे दी है। इस बांध परियोजना को दुनिया की सबसे बड़ी बांध संरचना परियोजना बताया जा रहा है। इसकी लागत का अनुमान 137 अरब अमेरिकी डॉलर है। यह जानकारी चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अधिकारी ने देते हुए कहा है कि 'चीन सरकार ने यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र नदी का तिब्बती नाम) के निचले क्शेत्रों में एक जल विद्युत परियोजना के निर्माण को मंजूरी दी है। यह बांध हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा। यहां ब्रह्मपुत्र नदी एक बड़ा मोड़ लेती हुई अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश में बहती है। यह सामाचार हांगकांग से प्रकाशित होने वाले साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में छपा है। भारत के प्रति चीन का आचरण हमेशा ही संदिग्ध रहा है। चीन इस नाते अपने हितों और विकास के लिए जो भी निर्णय लेता है, वे सीमाई देशों के लिए संकट का सबब बन जाते हैं। ऐसी शंकाएं इसलिए पैदा होती हैं, क्योंकि चीन भारत के सीमावर्ती क्शेत्र में कभी गलवान में सैनिक घुसपैठ कराता है, तो कभी अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर गांव बसा देता है। उसके ये कृत्य उसकी साम्राज्यवादी मंशा उजागर करने वाले हैं। अब ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया की सबसे बड़ा बांध बनाने की मंशा ने भारत और बांग्लादेश की चिंता बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि बांध में भरे पानी से चीन प्रतिवर्श 300 अरब किलोवाट प्रतिघंटे बिजली पैदा करेगा। सिंचाई के लिए भी यह जल उपयोग में लाया जाएगा। इसके पहले से भी चीन ब्रह्मपुत्र के मूल उद्गम स्थल यारलुंग जांग्बो नदी पर 60 हजार मेगावाट क्शमता का जल विद्युत संयंत्र लगा रहा है। इस लक्श्य की पूर्ति के लिए वह विशालकाय बांध के निर्माण में लगा है। आशंका है कि चीन इस बांध में भरे जाने वाले जल का इस्तेमाल भारत के विरुद्ध जल युद्ध के रूप में कर सकता है। इसकी काट के लिए भारत ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग क्शेत्र में 11,200 मेगावाट क्शमता की पनबिजली परियोजना पर काम शुरू कर

दिया है। 1.10 लाख करोड़ रुपए की इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (पीएफआर) भी बन गई है। एक अन्य 9,380 मेगावाट क्शमता की पनबिजली परियोजना अरुणाचल में पहले से ही निर्माणाधीन है।

इस पहल से चीन शिनजियांग के रेगिस्तानी इलाके को उपजाऊ भूमि में बदलना और इस क्शेत्र की आबादी को पेयजल उपलब्ध कराना चाहता है। दक्शिणी तिब्बत की यारलुंग जांग्बो नदी के जल प्रवाह को रेगिस्तान की ओर मोड़ा जाएगा। इसे मोड़ने के लिए चीन के अभियन्ता ऐसी तकनीकों के परीक्शण में जुटे हैं, जिनका प्रयोग कर ब्रह्मपुत्र नदी के जलप्रवाह को 1000 किमी लम्बी सुरंग बनाकर मोड़ दिया जाए। इस योजना के जरिए चीन की मंशा अरुणाचल प्रदेश की सीमा से लगे तिब्बत से शिनजियांग में पानी ले जाने की है। भारत सरकार के साथ दुनिया भर के पर्यावरण प्रेमी चिन्तित हुए थे, क्योंकि सुरंग खुदाई से हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। लेकिन चीन ने अपने रुख में बदलाव नहीं किया। हालांकि ब्रह्मपुत्र नदी द्वारा कई बाँध बनाए जाने को लेकर भारत बीजिंग को पहले ही अपनी चिन्ताओं से अवगत करा चुका है। ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को लेकर चीन का भारत से ही नहीं बांग्लादेश से भी विवाद है। इस नदी पर कई बाँध बनाकर चीन ने ऐसे जल प्रबन्ध कर लिये हैं कि वह जब चाहे तब भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह को रोक दे और जब चाहे तब ज्यादा पानी छोड़कर ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसे इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर दे। चीन ने ऐसी हरकत करते हुए साल 2016 में भारत में जलापूर्ति करने वाली ब्रह्मपुत्र नदी की सहायक नदी जियाबुकू का पानी रोक भी दिया था। चीन यदि बांधों से ज्यादा पानी छोड़ देता है तो यह पूर्वोत्तर भारत की कृशि व्यवस्था तहस नहस कर सकता है। चीन के बांध भारत की पर्यावर्णीय व्यवस्था पर भी विपरीत असर डाल सकते हैं।

एशिया की सबसे लम्बी इस नदी की लम्बाई 3000 किमी है। इसी की सहायक नदी जियाबुकू है। जिस पर चीन हाइड्रो प्रोजेक्ट बना रहा है। दुनिया की सबसे लम्बी नदियों में 29वाँ स्थान रखने वाली ब्रह्मपुत्र 1625 किमी तिब्बत क्शेत्र में बहती है। इसके बाद 918 किमी भारत और 363 किमी की लम्बाई में बांग्लादेश में बहती है। समुद्री तट से 3300 मीटर की ऊँचाई पर तिब्बती क्शेत्र में बहने वाली इस नदी पर चीन ने 12वीं पंचवर्शीय योजना के तहत तीन पनबिजली परियोजनाएँ निर्माण के प्रस्ताव पहले ही मंजूर कर चुका है और अब नए बांध निर्माण को मंजूरी दे दी है। चीन इन बाँधों का निर्माण अपनी आबादी के लिये व्यापारिक, सिंचाई, बिजली और पेयजल समस्याओं के निदान के उद्देश्य से कर रहा है, लेकिन उसका इन बाँधों और जल सुरंगों के निर्माण की पृश्ठभूमि में छिपा एजेंडा, खासतौर से भारत के खिलाफ जल हथियार के रूप में रणनीतिक इस्तेमाल भी हो सकता है ? दरअसल चीन में बढ़ती आबादी के चलते इस समय 886 शहरों में से 110 शहर पानी के गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। उद्योगों और कृशि सम्बन्धी जरूरतों के लिये भी चीन को बड़ी मात्रा में पानी की जरूरत है। चीन ब्रह्मपुत्र के पानी का अनूठा इस्तेमाल करते हुए अपने शिनजियांग, जांझु और मंगोलिया इलाकों में फैले व विस्तृत हो रहे रेगिस्तान को भी नियंत्रित करना चाहता है। चीन की यह नियति रही है कि वह अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिये पड़ोसी देशों की कभी परवाह नहीं करता। चीन ब्रह्मपुत्र के पानी का मनचाहे उद्देश्यों के लिये उपयोग करता है तो तय है, अरुणाचल में जो 17 पनबिजली परियोजनाएँ प्रस्तावित व निर्माणाधीन हैं, वे सब अटक प्रभावित हो सकती हैं ? ये परियोजनाएँ पूरी हो जाती हैं।

दृष्टि कोण

दुनिया की दुखती रग पर चोट दी ट्रंप ने

विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रति ऐसी हेठी उनके पहले कार्यकाल के दौरान में भी स्पष्ट थी, जब दुनिया कोविड महामारी की मार से जूझ रही थी। स्थिति को ठीक से न संभालने के लिए उन्होंने इस स्वास्थ्य एजेंसी को सीधे तौर पर दोषी ठहराया था। ट्रम्प ने इसको दिए जाने वाले अमेरिका के अंशदान को ऐसे वक्त पर रोक दिया था जब वह सदी के सबसे बुरे वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल से जूझ रहा था। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका की अंतिम वापसी की प्रक्रिया शुरू कर भी दी थी, लेकिन ऐसा होने से पहले, वे चुनाव हारकर सत्ता से बाहर हो गए थे। उनके बाद आए जो बाइडेन ने उक्त आदेश को उलट दिया और डब्ल्यूएचओ को अमेरिका का वित्तीय अंशदान बहाल कर दिया था। अब नए जारी किए गए कार्यकारी आदेश का मतलब है कि अमेरिका एक साल के भीतर संगठन को अपनी वित्तीय सहायता बंद कर देगा। वर्तमान में, डब्ल्यूएचओ के कुल वित्त पोषण में अमेरिका का अंशदान लगभग 18 फीसदी है। दो साल (2024 और 2025) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन का बजट 6.8 बिलियन डॉलर है।

डब्ल्यूएचओ का गठन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, स्वास्थ्य और बीमारियों के महत्वपूर्ण मामलों से निपटने के मंतव्य से एक विशेष संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के रूप में किया गया था। इसे वैज्ञानिकों, चिकित्सा विशेषज्ञों और स्वास्थ्य नीति निर्माताओं के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क युक्त एक तकनीकी एजेंसी के रूप में कार्य करने के लिए अधिकृत किया गया था। इसके मुख्य कार्यों में एक है नए पैदा हो रहे संक्रमणों पर निगरानी एवं सूचना साझा करना। दशकों से, इस एजेंसी के काम ने चेचक, यॉस, पीला बुखार, कुष्ठ रोग और पोलियो जैसी बीमारियों के उन्मूलन और नियंत्रण में मदद की है। यूएन एड्स नामक एक नई एजेंसी के माध्यम से इसकी एचआईवी/एड्स पर की वैश्विक कार्रवाई भी उल्लेखनीय रही। अब, इसका ध्यान तपेदिक उन्मूलन पर है।

वर्ष 2000 से नए संक्रमणों के उभरने और पुराने संक्रमण- जैसे कि सार्स, बर्ड फ्लू, एमईआरएस, इबोला, एमपॉक्स और कोविड 19 के लिए उभरने से एजेंसी का काम अधिक ध्यान खींच रहा है। एक वैश्वीकृत, एक-दूसरे से बहुत अधिक जुड़े एवं परस्पर निर्भरता वाले विश्व में, स्वास्थ्य सुरक्षा सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था के साथ जुड़ी हुई है। डब्ल्यूएचओ से हटने का फैसला वैश्विक समुदाय के अलावा खुद अमेरिका के लिए भी बुरा रहेगा। यह अमेरिका की दवा निर्माता कंपनियों को विश्व स्वास्थ्य संगठन के महामारी, इनफ्लुएंज़ा तंत्र से मिलने वाले रोग के प्रकोप और स्वास्थ्य आपात स्थिति संबंधी महत्वपूर्ण डेटा से वंचित कर देगा। यह निर्णय आगे वैश्विक महामारी संधि और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमन जैसे अन्य तंत्रों में चल रही वार्ताओं से अमेरिका के हटने की राह खोलेगा। डब्ल्यूएचओ के साथ काम कर रहे दर्जनों अमेरिकी विशेषज्ञों को भी वापस बुलाकर अन्यत्र नियुक्त किया जाएगा। दो अमेरिकी संस्थान- सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ- महत्वपूर्ण मुद्दों पर डब्ल्यूएचओ के साथ काफी गहरे तक जुड़े हैं। ऐसी साझेदारियों का खत्म होना परस्पर हानिकारक रहेगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए, अपने सबसे बड़े दानदाता का चले जाना एक गंभीर झटका है, वह भी ऐसे समय में जब अन्य देशों का योगदान पहले से ही कम होता जा रहा है। अमेरिका के बाद, अगला सबसे बड़ा दानदाता देश जर्मनी है, जिसका एजेंसी के वित्त पोषण में योगदान लगभग 3 प्रतिशत है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में, डब्ल्यूएचओ को कुछ गैर-राजकीय दानदाताओं से मिलने वाले धन में काफी वृद्धि हुई है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन इस सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद नंबर आता है यूरोपियन आयोग और विश्व बैंक का। गेट्स फाउंडेशन पोलियो उन्मूलन और टीकों जैसे क्षेत्रों में काम में मदद कर रहा है। यदि अमेरिका द्वारा वित्तीय मदद बंद करने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन को मिलने वाला राष्ट्रीय वित्त पोषण नहीं बढ़ता, तो इसकी निर्भरता गेट्स जैसे निजी दानदाताओं पर बढ़ सकती है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के स्वतंत्र कामकाज के लिए यह स्थिति अच्छी नहीं होगी। आलोचकों का मानना है कि निजी वित्त पोषण के साथ कुछ शर्तें जुड़ी होती हैं, जो बदले में वैश्विक स्वास्थ्य एजेंडे को प्रभावित कर सकती हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के कामकाज को और अधिक कुशल, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने के लिए इसमें सुधार की मांग करना जायज है। महामारी के मद्देनजर, भारत ने भी 2020 में जी-20 और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाया था। भारत का सुझाव है कि डब्ल्यूएचओ को कोविड-19 जैसी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित करने के लिए वस्तुनिष्ठ मानदंड और मापदंड तैयार करने चाहिए। अन्य देशों ने भी इसी प्रकार की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र निकाय होने के नाते, डब्ल्यूएचओ आलोचना के लिए खुला है और सुधारों के विचार को आगे बढ़ाने के लिए मंच मौजूद हैं, लेकिन इसे भंग करना या इसे फंड से वंचित करना समाधान नहीं है। वहीं सुधार संबंधी मांग का जवाब देते हुए, डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि उसने अपने इतिहास में सुधारों का सबसे बड़ा सेट लागू किया है, जिसमें 'जवाबदेही, लागत-प्रभावशीलता और देशों में प्रभाव' शामिल हैं।

कुछ अलग

अस्थाईं राहत

उच्चतम न्यायालय ने आम आदमी पाटा (आप) के पूर्व पार्षद और फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को राहत देते हुए हिरासत में पैरोल पर चुनाव करने के लिए 6 दिनों की अनुमति देकर साबित कर दिया कि भारत को लोकतंत्र कितना उदार है! उल्लेखनीय है दिल्ली के दंगे में 53 लोग मारे गए थे और अरबों की संपत्ति जलाकर राख कर दी गईं थी। ऐसे महाअपराधी ने जब उच्चतम न्यायालय में चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की और शीर्ष अदालत से अनुरोध किया कि उसकी इच्छा पूरी की जानी चाहिए क्योंकि चुनाव लड़ना उसका मौलिक अधिकार है तो उच्चतम न्यायालय ने उसकी इच्छापूर्ति के लिए ऐसा तरीका अपनाया जो सराहनीय है। अदालत ने उसे जेल से बाहर तो निकाल दिया ताकि वह अपने क्षेत्र के वोटरों के बीच जाकर वोट मांग सके किन्तु उसे पुलिस हिरासत में ही रखा ताकि उससे नाराज मुस्तफाबाद चुनाव क्षेत्र की जनता उसको शारीरिक क्षति न पहुंचा सके। असल में ताहिर जैसे दरिंदे अपराधियों के खिलाफ चल रहे 'वाद' को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाना चाहिए ताकि उनके भाग्य का पैसला जल्दी हो सके। जहां तक रही बात ताहिर की तो अदालत ने बिल्वुल ठीक किया कि उसे खुली छूट न देकर पुलिस हिरासत में ही रखा और सुरक्षा के लिए पुलिस की तैनाती का खर्च वैदी से ही वसूल करने के लिए कहा। अब 6 दिनों तक ताहिर प्रातिदिन दो लाख 41 हजार का भुगतान करके जब सुरक्षा खरीदेगा तब उसे पचा चलेगा कि 'स्वतंत्रता' कितनी महंगी होती है। एक अपराधी प्रावृत्ति का व्रूर व्यक्ति इस बात का श्रेय लोकतांत्रिक व्यवस्था को नहीं देगा क्योंकि उसे तो लोकतांत्रिक व्यवस्था को तोड़ने मरोड़ने की आदत है। वह अपने स्वार्थ के लिए जिस लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं का इस्तेमाल करता है, उसी पर प्राहार करने में कोई संकोच नहीं करता। आप जरूर ताहिर को अपने चुनाव का प्राचार करने की मिली अनुमति पर उच्चतम न्यायालय के पैसले पर हैरानी जता सकते हैं, किन्तु उन्हें इस बात का एहसास होना चाहिए कि भारतीय न्यायशास्त्र सभी की भावनाओं का सम्मान करता है, चाहे वह किसी भी वर्ग या समाज का हो। कानून की दृष्टि में आरोपी भी तब तक अपने मानवाधिकार का इस्तेमाल कर सकता है, जब तक कि उसका दोष सिद्ध न हो गया हो। ताहिर संवैधानिक संस्था की उसी सद्भावना का लाभ उठा रहा है। लब्बोलुआब यह है कि ताहिर ने दंगाग्रास्त क्षेत्र में हिसा का जो नंगा नाच किया उसका निषेधात्मक पुरस्कार तो उसे मिल ही रहा है साथ ही भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था होने के कारण सभी के मौलिक अधिकारों की संवेदनशीलता को महसूस कराता है। यही कारण है कि आजकल आदतन अपराधी भी लोकतांत्रिक सद्भावनाओं का फायदा उठाने के लिए अवसर का तलाश करते रहे हैं। किन्तु यह भी सत्य है कि अपराधी चाहे जितना भी शातिर हो, उसे इस तरह के घिनौने अपराध के लिए सामाजिक न्याय की प्रातीक्षा करनी होगी। उसे 6 दिन का चुनाव प्राचार खत्म करके फिर वैदी के रूप में उसी जेल में जाना है। वुल मिलाकर ताहिर को अस्थाईं राहत मिली है।

देश दुनिया से

मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ाएगी खपत

इन दिनों पूरे देश के साथ-साथ मध्यम वर्ग की निगाहें वित्तमंत्री द्वारा एक फरवरी को प्रस्तुत किए जाने वाले केंद्रीय बजट 2025-26 की ओर लगी हुई हैं। दरअसल, देश के विकास का इंजन कहे जाने वाले मध्यम वर्ग की मुट्ठियों में धन की कमी के कारण उनके निजी उपभोग पर होने वाले खर्च में गिरावट से विकास दर प्रभावित हो रही है। उम्मीद है कि वित्तमंत्री आगामी बजट में टैक्स में कटौती और वित्तीय प्रोत्साहनों से आयकरदाता और मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाएंगी। कयास लगाए जा रहे हैं कि वित्तमंत्री नए टैक्स रिजीम के तहत 10 लाख रुपये तक की कमाई को टैक्स फ्री कर सकती हैं। इससे मध्यम वर्ग के हाथ में जो अतिरिक्त धनराशि बचेगी, उससे खपत बढ़ाने में बड़ी मदद मिलेगी।

वस्तुतः मध्यम वर्ग के खर्च और निजी उपभोग का देश की विकास दर की रफ्तार से सीधा संबंध है। कोरोना-19 के बाद से मध्यम वर्ग के पास अपने उपभोग खर्च के बाद निवेश के लिए खर्च में लगातार कमी आ रही है। मध्यम वर्ग की जीवनशैली को बनाए रखने की लागत में अत्यधिक तेज वृद्धि ने इस वर्ग की वित्तीय मजबूती कम की है। बढ़ती हुई, खुदरा महंगाई ने भी मध्यम वर्ग के परिवारों पर वित्तीय दबाव को बढ़ा दिया है। पिछले वर्ष 2024 में खाद्य पदार्थों की खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक के निर्धारित मानक से अधिक रही है। स्थिति यह है कि निजी उपभोग में कमी ने निजी पूंजीगत व्यय के चक्र की रफ्तार घटा दी है। कोविड-19 के बाद मध्यम वर्ग की कमाई की रफ्तार में कमी आई है। साथ ही बढ़ती वित्तीय देनदारी और कर्ज की किस्त अदायगी का बोझ बढ़ने से मध्यम वर्ग चिंतित है।

निःसंदेह, सरकार ने विगत वर्षों में जहां गरीब लोगों के लिए ढेर सारी राहतों का ऐलान किया, वहीं कॉर्पोरेट जगत पर भी सरकार ने ध्यान दिया। लेकिन सबसे अधिक टैक्स देने वाला मध्यम वर्ग पीछे छूट गया। पिछले विभिन्न बजटों में मध्यम वर्ग की चिंताओं पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया है। इस वर्ग पर लगाए गए कर की तुलना में इस वर्ग को सार्वजनिक सेवाओं के ज़रिए बहुत कम रिटर्न मिला है, ऐसे में यह अपेक्षा की जा रही है कि आगामी बजट सरकार के लिए लक्षित कर सुधारों को आगे बढ़ाने, शहरी उपभोग मांग को बढ़ाने और मध्यम वर्ग को सीधे लाभ पहुंचाने वाली सेवाओं को बढ़ाने वाला बजट होगा। उपयुक्त कर राहत से एक अच्छा आर्थिक चक्र बन सकता है। निस्संदेह, मध्यम वर्ग पर कर का बोझ कम करने से खपत बढ़ेगी। इससे जीएसटी संग्रह में वृद्धि होगी और कर योग्य आय वालों का आधार बढ़ेगा।

उल्लेखनीय है कि पिछले 10 वर्षों में लगातार

आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में छलांगें लगाकर वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से दिसंबर, 2024 तक आयकर सहित प्रत्यक्ष कर संग्रहण करीब 16 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो कि पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 16 फीसदी से भी ज्यादा है। इस परिप्रेक्ष्य में आईसीआरए की रिपोर्ट कहती है कि आगामी बजट में सरकार व्यक्तिगत आयकरदाताओं को राहत दे सकती है, इससे कर संग्रह पर असर पड़ने का खतरा नहीं है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान प्रत्यक्ष कर संग्रह में 12 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इस अनुमान का आधार आय और कॉर्पोरेट कर राजस्व में इजाफा होना है। अप्रत्यक्ष करों में 9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। जीएसटी संग्रह में 10.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। सीमा शुल्क में भी 5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

ऐसे में मध्यम वर्ग के लिए टैक्स में कटौती और टैक्स ढांचे को आसान बनाकर खर्चों और सेविंग्स को बढ़ाने की कोशिश इस बजट में दिखाई दे सकती है। खासतौर से वेतनभोगी वर्ग को लाभान्वित करने के भी विशेष प्रावधान नए बजट में दिखाई दे सकते हैं। नई टैक्स रिजीम के तहत आयकर स्लैब में और बदलाव हो सकता है, ताकि अधिक से अधिक करदाता इसे अपनाने के लिए प्रेरित हो सकें। 30 प्रतिशत की दर को 20 लाख रुपये से अधिक की आय वालों पर लागू किया जाना अत्यधिक लाभप्रद होगा। नए बजट के तहत आयकर से संबंधित पुराने टैक्स रिजीम के अंतर्गत धारा 80सी के तहत छूट बढ़ाई जा सकती है। नए बजट 2025-26 में पुराने टैक्स रिजीम के तहत भी स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट बढ़ाई जा सकती है। अभी पुरानी व्यवस्था में नौकरीपेशा लोगों और पेंशनधारकों को 50,000 रुपये तक की छूट दी जाती है। नई टैक्स रिजीम के तहत 75,000 रुपये की कटौती का लाभ मिलता है।

वहीं दूसरी ओर अभी आयकर के कर दायरे में इजाफा किए जाने की बड़ी संभावनाएं हैं। बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से भी बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। स्थिति यह है कि वर्ष 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 8.09 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल किए। इनमें से भी 4.90 करोड़ लोगों ने शून्य कर योग्य आय की सूचना दी। सिर्फ 3.19 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में देश के सकल घरेलू उत्पाद में आयकर का योगदान बहुत कम बना हुआ है।

वित्तमंत्री आयकर सुधारों के तहत वर्ष 2025-26 के बजट सत्र में नया आयकर कानून पेश कर सकती हैं। इसका मकसद मौजूदा इनकम टैक्स एक्ट 1961 को आसान, स्पष्ट और समझने योग्य बनाना है। इसके तहत अनावश्यक और अप्रचलित प्रावधानों को हटाया जाएगा। कर विवादों को कम किया जाएगा।

आप का नजरिया

मनरेगा की विसंगति

इस में दो राय नहीं कि ग्रामीण क्षेत्रों में दृश्य व अदृश्य बेरोजगारी में कमी लाने में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस योजना ने जहां एक ओर ग्रामीण उपभोक्ताओं को अपने गांव के पास रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, वहीं अंतर्राज्यीय प्रवास को कम किया है। साथ ही ग्रामीण उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति भी बढ़ी है। काम की तलाश में शहरों को जाने वाले श्रमिकों की संख्या में कमी के भी आंकड़े सामने आए हैं। खासकर कोरोना संकट में जब ग्रामीण महानगरों से पलायन करके बड़ी संख्या में गांव की तरफ लौटे तो इस योजना ने जीवनदायिनी भूमिका निभाई है। लेकिन फिलहाल ग्रामीण आजीविका के लिये जीवन रेखा कही जाने वाली महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एक बार फिर धन की कमी से जूझ रही है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस शासन में शुरू की गई मनरेगा योजना राजग सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं है। वार्षिक वित्तीय संकट से जूझ रही मनरेगा योजना के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2024-25 में 86,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसके बावजूद 4,315 करोड़ मूल्य का वेतन भुगतान लंबित है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 में इस योजना के केवल छह माह में ही 6,146 करोड़ का घाटा हुआ था। इसी तरह वर्ष 2022-23 में 89,400 करोड़ का संशोधित धनराशि का आवंटन मूल बजट से 33 प्रतिशत अधिक था। निस्संदेह, ग्रामीण श्रमिकों के लिये लायी गई मनरेगा योजना की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिये वार्षिक राशि आवंटन को लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। जो केंद्र सरकार की वित्तपोषण की प्राथमिकताओं को लेकर कई प्रासंगिक प्रश्न उठाती है। इस योजना के क्रियान्वयन में वित्तीय तंगी तंत्र की विसंगितयों को ही दर्शाती है। वहीं कांग्रेस ने मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी को बढ़ाकर 400 रुपये प्रतिदिन करने की मांग की है। निस्संदेह, यह मांग महंगाई के बीच एक स्थायी समाधान के बजाय एक राजनीतिक दृष्टिकोण को ही दर्शाती है। निस्संदेह, कांग्रेस की यह मांग राजनीतिक लाभ के लिये एक लोकप्रिय कदम तो हो सकता है, मगर यह योजना की मूल समस्या के कारकों को संबोधित करने में विफल रहती है। मौजूदा वक्त में प्राथमिकता समय पर पर्याप्त धन आवंटन करने तथा प्रणालीगत विसंगतियों को दूर करना होनी चाहिए। दरअसल, भुगतान के लिये अपनायी गई प्रणाली से श्रमिकों को भुगतान में परेशानी आती रही है। आधार कार्ड आधारित भुगतान की ब्रिज प्रणाली और राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली जैसे तकनीकी कारकों ने भुगतान की उलझनों को बढ़ाया है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की कनेक्टिविटी की बाधाओं और आधार सत्यापन की आवश्यकताओं के कारण बड़े पैमाने पर जॉब कार्ड हटाए गए हैं। यही वजह है कि अनेक कारणों के चलते वर्ष 2022 में करीब नौ करोड़ श्रमिकों ने इस योजना तक अपनी पहुंच खो दी है। हालांकि, इस प्रणाली को पारदर्शिता बढ़ाने के उपायों के रूप में प्रचारित किया गया। लेकिन ये कदम लाखों श्रमिकों के लिये आजीविका के मार्ग में बाधा बन गए।

अमेरिका में पूर्व सीनेटर और डेमोक्रेट बॉब मेनेंडेज को 11 साल की सजा

वाशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां) ।

न्यू जर्सी के पूर्व अमेरिकी सीनेटर और डेमोक्रेट बॉब मेनेंडेज को बुधवार दोपहर एक अदालत ने 11 साल की सजा सुनाई।

अदालत ने पिछले साल उन्हें सोने की छड़ों, एक लग्जरी कार, अन्य वस्तुओं के रूप में रिश्वत के बदले अपने कार्यालय की शक्ति का दुरुपयोग करने के अलावा जबरन वसूली, न्याय में बाधा डालने के साथ मिस्र और कतर से जुड़े व्यापारियों के पक्ष में काम करने के लिए रिश्वत लेने का दोषी ठहराया था। न्यायाधीश सिडनी स्टीन ने पूर्व सीनेटर बॉब को सजा सुनाते हुए टिप्पणी की, आप हमारी राजनीतिक व्यवस्था के शीर्ष पर खड़े थे। रास्ते में कहीं, अपना रास्ता भूल गए। 71 वर्षीय मेनेंडेज विदेशी एजेंट के रूप में कार्य करने के लिए दोषी ठहराए जाने वाले कांग्रेस के पहले मौजूदा सदस्य बन गए। उनके बच्चे एलिसिया और रॉब सजा के फैसले के वक्त अदालत में मौजूद रहे। इस फैसले से पहले मेनेंडेज को रिश्वत देने के दोषी न्यू जर्सी के दो व्यापारियों वेल हाना को आठ साल और फ्रेड डाइब्स को सात साल जेल की सजा सुनाई गई।

सजा पर फैसला आने के बाद मेनेंडेज ने अभियोजन को चुड़ैल शिकार और राजनीतिक जादू-टोना कहा। उन्होंने दावा किया कि वह निर्दोष हैं। वह इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करेंगे। मेनेंडेज ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सही व्यक्ति हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ट्रंप न्यायिक प्रणाली में सुधार करेंगे। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी वकील डेनिएल सैसून ने कहा कि यह सजा सत्ता के गंभीर दुरुपयोग का परिणाम है। न्यायाधीश ने फैसले में साफ किया है कि मेनेंडेज को 6 जून तक जेल में रिपोर्ट नहीं करना होगा। 18 मार्च को मेनेंडेज की पत्नी नादीन को इसी तरह के भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोपों पर सुनवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप के एक फैसले ने बांग्लादेश-पाकिस्तान और नेपाल की बढ़ा दी मुश्किलें

वॉशिंगटन। भारत के पड़ोसियों पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल जैसे देश मुश्किल में पड़ गए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अमेरिका फर्स्ट के एजेंडे के तहत सभी विदेशी सहायता को निलंबित करने की घोषणा की। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, पुनर्मूल्यांकन के बाद ही अमेरिका तय करेगा कि इन देशों को आर्थिक मदद दी जानी चाहिए या नहीं। तब तक अमेरिका की तरफ से दुनिया के देशों में चल रहे सभी सहायता प्रोग्राम स्थगित कर दिए गए हैं। ट्रंप ने 20 जनवरी को पद की शपथ लेने के बाद जिन कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किया था, उसमें एक आदेश विदेशी मदद को लेकर भी था। उन्होंने सभी संघीय एजेंसियों को आदेश दिया था कि विदेशों में विकास के लिए दिए जाने वाले फंड को तत्काल 90 दिनों के लिए रोक दिया जाए और जो विकास प्रोग्राम अभी चल रहे हैं, उनका मूल्यांकन किया जाए। इसके बाद अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने भी ज्ञापन जारी कर घोषणा की कि अमेरिका ने विदेशी सहायता प्रोग्राम के लिए लगभग सभी नई फंडिंग पर रोक लगा दी है। इस निलंबन से इजरायल, मिस्र और अमेरिका के मुख्य मध्य-पूर्वी सहयोगियों को बाहर रखा गया है। पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका आर्थिक तंगहाली से गुजर रहे पाकिस्तान में कई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स अमेरिकी मदद से चल रहे हैं। लेकिन ट्रंप के आदेश से ये प्रोजेक्ट्स रुक गए हैं। पाकिस्तान में सांस्कृतिक संरक्षण प्रोजेक्ट्स के लिए एंबेसडर फंड को निलंबित कर दिया है और ऊर्जा क्षेत्र की पांच महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स बंद कर दी हैं। ट्रंप के आदेश से पाकिस्तान में आर्थिक विकास से संबंधित चार प्रोग्राम भी प्रभावित हुए हैं और पांच कृषि विकास प्रोजेक्ट्स को सहायता रोक दी गई है। भारत के पड़ोसी देश नेपाल को भी भारी मात्रा में अमेरिकी मदद मिलती है। नेपाल विकास कार्यों के लिए अमेरिकी मदद पाने वाला दुनिया का 19वां देश है।1951 से यूएसएआईडी ने नेपाल को 1.5 अरब डॉलर की सहायता दी है। वित्त वर्ष 2020-21 में अमेरिका ने नेपाल को 10.594 करोड़ डॉलर और 2018-19 में 12.5 करोड़ डॉलर दिए थे। नेपाल में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्थिक विकास, मानवीय सहायता और महिला एवं बाल सशक्तिकरण जैसे प्रोग्राम्स अमेरिकी मदद से चल रहे हैं। सहायता रोके जाने से ये प्रोजेक्ट अधर में लटक सकते हैं।

जॉर्डन ने गाजा में सहायता सामग्री पहुंचाने के लिए भेजे 16 हेलीकॉप्टर

अम्मान,30 जनवरी। इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते के बाद गाजा में सहायता भेजने का सिलसिला जारी है। इस बीच, जॉर्डन ने गाजा में सहायता पहुंचाने के अपने प्रयासों के तहत 16 सहायता हेलीकॉप्टर को युद्ध प्रभावित क्षेत्र में भेजा है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने सरकारी पेट्रा समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि हेलीकॉप्टरों में 20 टन मानवीय और राहत सामग्री भेजी गई है, जिसे जॉर्डन हशमाइट चैरिटी संगठन और कई अन्य देशों के सहयोग से भेजा गया है।

जॉर्डन लगातार गाजा में सहायता पहुंचाने के तरीकों में विविधता ला रहा है, जिसमें सैन्य हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल, चिकित्सा उपचार और आवश्यक स्वास्थ्य सेवा वस्तुओं के परिवहन में तेजी लाने के लिए किया जा रहा है।

गाजा में युद्ध विराम के बाद भी वेस्ट बैंक में इजरायली सेना ने की एयर स्ट्राइक 10 की मौत

रामल्ला। इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम होने के बाद भी शांति दिखाई नहीं दे रही है। बीती रात ही इजरायली सेना ने वेस्ट बैंक में एयर स्ट्राइक कर दी जिससे 10 की मौत मौत हो गई। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, बुधवार को इजरायल द्वारा किए गए हवाई हमले में कब्जे वाले पश्चिमी तट पर कम से कम 10 फिलिस्तीनी नागरिकों की जान चली गई। इजरायली सेना ने इस हमले को लेकर बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि यह कार्रवाई सशस्त्र आतंकवादियों को निशाना बनाने के लिए की गई थी। बुधवार देर रात इजरायली सेना ने कब्जे वाले क्षेत्र में फिलिस्तीनी उग्रवादियों पर कार्रवाई तेज करते हुए तमून के ग्रामीण इलाके पर जेट फाइटर से हमला किया। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, यह हवाई हमला एक घनी आबादी वाले इलाके में स्थित एक घर पर हुआ। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने आशंका जताई है कि इस हमले में मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। फिलिस्तीनियों का मानना है कि इजरायल द्वारा बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे सैन्य अभियानों से नाराजगी और बढ़ेगी और हिंसा का सिलसिला लंबे समय तक जारी रह सकता है।

अमेरिका में सैन्य हेलीकॉप्टर से टक्कर के बाद 64 लोगों को ले जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त

वाशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां) ।

संयुक्त राज्य अमेरिका में बड़ा विमान हादसा हुआ है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की खबर के अनुसार राजधानी के जेट रीगन हवाई अड्डे के पास एक ब्लैक हॉक सैन्य हेलीकॉप्टर से यात्री विमान टकरा गया है। 64 लोगों को ले जा रहा अमेरिकन एयरलाइंस का यह जेट दुर्घटनाग्रस्त होकर पोटोमैक नदी में गिर गया। इसमें 60 यात्री और चालक दल के चार सदस्य शामिल हैं। हादसे के बाद जेट रीगन हवाई अड्डे को बंद कर दिया है। सैन्य हेलीकॉप्टर में तीन लोग सवार थे।

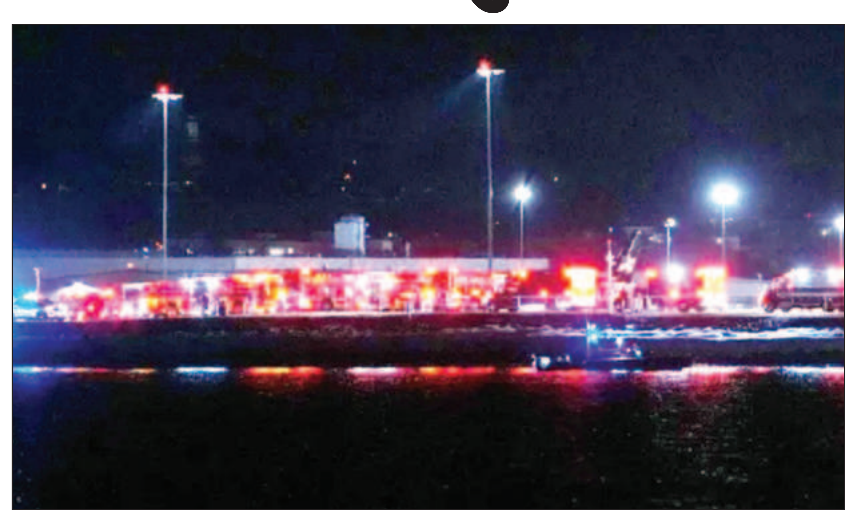

यह हादसा बुधवार रात करीब नौ बजे हुआ। अधिकारियों ने कहा, पोटोमैक नदी में बड़ा खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बयान में कहा कि पीएसए एयरलाइंस बॉम्बार्डियर सीआरजे700 क्षेत्रीय जेट सिकोरस्की एच-60 हेलीकॉप्टर के साथ हवा में टकरा गया। यह यात्री विमान विचिटा (कंसास) से रवाना हुआ था।

नेशनल एयरपोर्ट ने बयान में कहा कि सभी टेकऑफ और लैंडिंग रोक दी गई हैं। एक्स पर डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया फायर एंड इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज डिपार्टमेंट ने कहा कि विमान पोटोमैक नदी में गिरा है। फायरबोट नदी में हैं। फिलहाल हताहतों की संख्या के बारे में कोई पुष्ट जानकारी नहीं है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग के अनुसार, स्थानीय पुलिस और अन्य एजेंसियां एयरपोर्ट में हैं। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड हादसे की जांच कर रहा है।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हादसे की जानकारी दी गई है। लेविट ने कहा कि वह विमान यात्रियों के सुरक्षित होने के लिए प्रार्थना की जा रही है।

वाशिंगटन डीसी में अग्निशमन और पुलिस अधिकारियों ने कहा कि खोज और बचाव अभियान में कई एजेंसियां शामिल हैं। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि पेंटागन की स्थिति पर नजर है।

इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ फायर फाइटर्स के महासचिव एडवर्ड केली ने एक्स पर कहा, पोटोमैक नदी में खोज और बचाव के प्रयास जारी हैं। जीवित बचे लोगों को सुरक्षित लाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी के अनुसार, हेलीकॉप्टर में चालक दल के तीन सदस्य थे और उसमें कोई वीआईपी नहीं था। वरिष्ठ सेना अधिकारी अक्सर वाशिंगटन डीसी क्षेत्र में यात्रा के लिए ब्लैक हॉक्स का उपयोग करते हैं।

हमास समर्थकों को अमेरिका से बाहर निकालने की तैयारी

गाजा । हमास के समर्थक भी अब तक अमेरिका में शान से रह रहे थे, जब इजरायल ने हमला किया तो अमेरिका और इजरायल के खिलाफ प्रदर्शन किए, नारेबाजी की लेकिन अब ये सब नहीं चलेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप इन लोगों को देश से निकालने का प्लान बना चुके हैं। एक अधिकारी के मुताबिक, ट्रंप चाहते हैं कि उन सभी लोगों को देश से निकाल दिया जाए, जिन लोगों ने अमेरिकियों के खिलाफ नारे लगाए। यहूदियों को धमकियां दीं। आगजनी, तोड़फोड़ की, इन सभी लोगों पर मुकदमा चलाने और तुरंत देश से बाहर निकालने का आदेश न्याय विभाग को दिया जाएगा। ट्रंप ने अपने अफसरों से कहा है कि ऐसे सभी विदेशी लोगों को जिहादी समर्थक माना जाए और उन्हें ढूंढ निकाला जाए। इन सभी को 2025 के आखिर तक देश से बाहर कर दिया जाए। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि जिन छात्रों ने कॉलेज में हमास के समर्थन में प्रदर्शन किया है, उन सभी के वीजा को कैंसिल कर दिया जाए।

नेपाल संसद सत्र शुरू होने से पहले विपक्षी मोर्चा की बैठक में अध्यादेश को अस्वीकार करने का फैसला

काठमांडू, 30 जनवरी (एजेंसियां) ।

केपी शर्मा ओली की सरकार द्वारा लाए गए करीब आधा दर्जन अध्यादेश को शुक्रवार से शुरू होने जा रहे संसद के शीतकालीन सत्र में विरोध करने और उसे स्वीकार नहीं करने का फैसला विपक्षी मोर्चा ने किया है। संसद के शीतकालीन सत्र के एक दिन पहले गुरुवार को अपनी रणनीति बनाने के लिए विपक्षी मोर्चा की बैठक हुई। प्रमुख विपक्षी दल सीपीएन (एमसी) के अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड की अध्यक्षता में सिंहदरबार में हुई बैठक में सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश को अस्वीकार किए जाने का फैसला किया गया है।

इस बैठक की जानकारी देते हुए सीपीएन (एमसी) संसदीय दल के प्रमुख सचेतक हितराज पाण्डेय ने बताया कि सभी विपक्षी दलों ने सामूहिक रूप से सरकार के अध्यादेश को अस्वीकार करने का निर्णय किया है। विपक्षी दलों की तरफ से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष तथा पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ सरकार द्वारा एक के बाद एक अलग-अलग जिलों में मुकदमा दायर कर परेशान करने का मुद्दा भी संसद में उठाया जाएगा। विपक्षी मोर्चा की बैठक में सहभागी इस पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष डीपी अर्याल ने बताया कि इस मुद्दे पर भी सरकार को घेरने की तैयारी है।

इसके अलावा हाल ही में सरकार द्वारा प्रस्तावित सोशल मीडिया संबंधी विधेयक का भी विपक्षी मोर्चा की तरफ से जोरदार विरोध करने का फैसला किया है।

एकीकृत समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष माधव नेपाल ने कहा कि जिस तरह से ओली सरकार द्वारा देश में निरंकुशता लादने के लिए और लोगों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुंठित करने के लिए विधेयक लाया गया है उसे किसी भी हालत में पास नहीं होने दिया जाएगा।

महाप्रलय का वक्त बताने वाली घड़ी एक सेकंड और करीब बताने लगी तबाही

महाप्रलय का समय बताने वाली घड़ी अब लोगों को चौंकाने लगी है। इसमें तबाही का समय एक सेकंड और कम हो गया है। वर्ष 1947 में मध्यरात्रि से 7 मिनट पर सेट किया गया था। पिछले साल इस घड़ी में मध्यरात्रि 90 सेकंड पर थी। लेकिन इसे एक सेकंड और करीब ले आया गया है। बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट्स (बीएएस) ने एक बयान में कहा, दुनिया पहले से ही विनाश की कगार पर है और इस घड़ी में एक सेकंड की बढ़ोतरी बेहद खतरनाक है। हर सेकंड की देरी वैश्विक तबाही की संभावना बढ़ा देती है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी कि यूक्रेन में जारी युद्ध को तीन साल होने वाले हैं। किसी भी गलत फैसले, दुर्घटना या गलत अनुमान के कारण परमाणु युद्ध की स्थिति हो सकती है। इसके साथ ही मिडिल ईस्ट में संघर्ष किसी भी समय बड़े युद्ध में बदल सकता है। वैज्ञानिकों ने यह भी चेतावनी दी कि अभी जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं वह अभी काफी नहीं हैं।

अमेरिका में जसवंत सिंह खालड़ा के नाम पर होगा स्कूल का नाम

वाशिंगटन, 30 जनवरी (एजेंसियां) ।

अमेरिका में सेंट्रल यूनिफाइड ने नए प्राथमिक विद्यालय का नाम पंजाब के प्रसिद्ध मानव अधिकार कार्यकर्ता जसंवत खालड़ा के नाम पर रखने की मंजूरी प्रदान कर दी है। मंगलवार की रात हुई बैठक में बोर्ड ने निर्णय लिया कि शील्ड्स और ब्रॉली में स्थित विद्यालय का नाम अब जसवंत सिंह खालड़ा प्राथमिक विद्यालय रखा जाएगा।

जसवंत सिंह खालड़ा इन दिनों इसलिए चर्चा में है कि उनके जीवन पर आधारित पंजाबी फिल्म बनी है। स्कूल का नाम खालड़ा के नाम पर रखने के बारे में भी पंजाबी फिल्म अभिनेता दलजीत दोसांझ ने जानकारी साझा की। दलजीत ने इस संबंध में अमेरिका में हुए निर्णय को लेकर कुछ वीडियो तथा फोटोग्राफ भी साझा किए हैं। बैठक में सर्वसम्मति से मतदान के बाद यह निर्णय लिया गया। सिर्फ एक सदस्य ने मतदान में भाग नहीं लिया। बोर्ड के अध्यक्ष नैनदीप सिंह ने कहा कि खालड़ा सेंट्रल वैली में पंजाबी समुदाय के लिए एक प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि खालड़ा की बेटी फ्रेस्नो स्टेट गई थीं और उनका परिवार इस क्षेत्र में रहता है। सिंह ने कहा कि यह सिख पंजाबी समुदाय के लिए मार्टिन लूथर किंग जूनियर जैसा है।

एक व्यक्ति जो सरकारी उत्पीड़ने के खिलाफ लड़ रहा था और अंतत: उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ी। सिंह ने कहा कि खालड़ा आतंकवाद के दौर में एक बैंक के निदेशक थे, लेकिन जल्द ही मानवाधिकार कार्यकर्ता के रूप में अपने काम के लिए विश्व स्तर पर जाने जाने लगे। 1995 में अपनी हत्या से कुछ समय पहले दिए गए अपने अंतिम भाषण में उन्होंने उन अवैध हत्याओं पर चर्चा की, जिनका उन्होंने पता लगाया था। पंजाब में आतंकवाद के दौर में हुए कथित फर्जी एनकांउटरों के बारे में खालड़ा ने अपनी जानकारियां अमेरिका, कनाडा तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर साझा की।

कांगो के गोमा शहर पर एम23 विद्रोहियों का कब्जा, भारतीय शांति सैनिक भी घिरे

किंशासा, 30 जनवरी (एजेंसियां) ।

अफ्रीकी देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) के पूर्वी शहर गोमा पर एम23 विद्रोहियों का कब्जा हो चुका है। रिपोर्टों के अनुसार, इन विद्रोहियों को पड़ोसी देश रवांडा का समर्थन प्राप्त है। इस संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में तैनात भारतीय सेना के मेडिकल कोर के 80 अधिकारी और सैनिक फंस गए हैं।

विद्रोहियों ने लेवल-3 फील्ड हॉस्पिटल वाले कैंप को घेर लिया है, जहां भारतीय सैनिक तैनात हैं।

गोमा में लगातार गोलीबारी और रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) हमले हो रहे हैं, जिससे हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यह हमला न केवल शांति मिशन के लिए खतरा है, बल्कि स्थानीय नागरिकों के लिए भी विनाशकारी साबित हो सकता है।

हवाई अड्डे पर कब्जा, मदद पहुंचाना हुआ मुश्किल

विद्रोहियों ने गोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी कब्जा कर लिया है, जिससे इस क्षेत्र में बाहर से किसी भी तरह की सहायता पहुंचना लगभग असंभव हो गया है। इस एयरपोर्ट का नियंत्रण खोने से संयुक्त राष्ट्र और अन्य राहत संगठनों की आपूर्ति रुक सकती है, जिससे स्थिति और खराब हो सकती है।

अमेरिका की कड़ी प्रतिक्रिया, रवांडा को चेतावनी

अमेरिका ने इस स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए रवांडा को कड़ी चेतावनी दी है। वॉशिंगटन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इस हमले को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की अपील की है। साथ ही, अफ्रीकी संघ ने भी एम23 विद्रोहियों से कब्जे वाले इलाकों से पीछे हटने की मांग की है।

वहीं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी कांगो इस स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हमें कांगो में शांति स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। हम सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील करते हैं। बतादें कि कांगो के उत्तर किवु प्रांत की राजधानी गोमा शहर, पहले से ही संघर्ष और हिंसा से जूझ रहा है। इस शहर की आबादी करीब 20 लाख है और विद्रोही तेजी से यहां अपना नियंत्रण मजबूत कर रहे हैं। झील किनारे बसे इस शहर में अब भी अलग-अलग हिस्सों में गोलीबारी और बम धमाकों की आवाजें सुनी जा रही हैं।

कौन हैं एम23 विद्रोही-

तुत्सी जनजाति के लोग एम23 विद्रोहियों के गुट का नेतृत्व करते हैं। इन विद्रोहियों को रवांडा का समर्थन प्राप्त है। इस विद्रोही गुट का गठन 30 साल पहले रवांडा में हुए नरसंहार के बाद हुआ था, जिसने कांगो को हिलाकर रख दिया था। इस नरसंहार में हुतु चरमपंथियों ने तुत्सी और उदारवादी हुतु लोगों को मार डाला था।

हॉकी इंडिया लीग 2024-25 : सेमीफाइनल में बंगाल टाइगर्स का सामना ड्रैगन्स से, सूरमा के सामने होगी तूफान्स की चुनौती

राउरकेला, 30 जनवरी (एजेंसियां)। पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024-25 का रोमांचक ग्रुप चरण बुधवार को संपन्न हो गया, जिसमें भाग लेने वाली आठ टीमों में से चार अंक तालिका में शीर्ष चार स्थान हासिल करने के बाद सेमीफाइनल में पहुंच गईं। श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, हैदराबाद तूफान और तमिलनाडु ड्रैगन्स ने अगले दौर में अपनी जगह बनाई, जबकि दिल्ली एसजी पाइपर्स, वेदांत कलिंगा लांसर्स, टीम गोनासिका और यूपी रुद्रस बाहर हो गए।

बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में 31 जनवरी को होने वाले सेमीफाइनल में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स का सामना तमिलनाडु ड्रैगन्स से होगा, जबकि जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब का सामना हैदराबाद तूफान्स से होगा।

श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 10 मैचों में 19 अंक लेकर ग्रुप स्टेज में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें 6 जीत, नियमित समय में 3 हार और 1 शूटआउट हार शामिल है। जुगराज सिंह ने नौ गोल करके उनके लिए सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया।

श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के कप्तान रूपिंदर पाल सिंह ने लीग की ओर से जारी एक बयान में कहा, यह एक उतार-चढ़ाव भरा सफर रहा है, जिसमें जीत और हार दोनों शामिल हैं। लेकिन मुझे खुशी है कि हमने सेमीफाइनल में पहुंचने का अपना पहला लक्ष्य हासिल कर लिया है। आगे बढ़ते हुए, हम सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने के लिए मैदान पर अपनी रणनीतियों और योजनाओं को क्रियान्वित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने भी 10 मैचों में 19 अंक अर्जित किए, जिसमें 4 गेम जीते और 2 हारे, साथ ही 3 शूटआउट जीत और 1 हार भी शामिल है। टाइगर्स के बराबर अंक प्राप्त करने के बावजूद, वे टाइगर्स के +2 की तुलना में +1 के गोल अंतर से पीछे रहे। टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह पांच गोल के साथ अपने गोल टैली में सबसे आगे हैं।

हरमनप्रीत सिंह ने कहा, हमारी शुरुआत आदर्श नहीं रही, हम शुरू में अपने मनचाहे नतीजे पाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। हालांकि, हम प्रत्येक मैच के साथ सुधार करते रहे, और इससे हमें वापस पटरी पर आने में मदद मिली। हमने अपने हाल के कुछ खेलों में दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन असली चुनौती अब शुरू होती है, और हम पूरी तरह से तैयार रहना चाहते हैं। हम अपनी ताकत और कमजोरियों को जानते हैं, इसलिए हम उसी के अनुसार प्रशिक्षण लेंगे और सेमीफाइनल के लिए योजना बनाएंगे।

हैदराबाद तूफान्स ने 4 नियमित जीत, 2 शूटआउट जीत और +10 के गोल अंतर की बदौलत 18 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। टिम ब्रैंड और गोंजालो पेइलाट ने टीम के लिए छह-छह गोल किए। हैदराबाद तूफान्स के कप्तान सुमित ने कहा, एक टीम के तौर पर, हमारा सफर अब तक ठोस रहा है। ख़ास तौर पर युवा खिलाड़ियों ने आगे बढ़कर अच्छा प्रदर्शन किया है। इस तरह की लीग में प्रतिस्पर्धा करना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि इसमें उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा और दुनिया भर के खिलाड़ी शामिल हैं। लेकिन हमारी टीम के भीतर संचार और सौहार्द बहुत बढ़िया रहा है, और मुझे विश्वास है कि हम आने वाले मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखेंगे।

इस बीच, तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 18 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया, जिसमें 4 नियमित जीत और 2 शूटआउट जीत दर्ज की गईं, लेकिन ग्रुप चरण का अंत -1 के गोल अंतर के साथ हुआ। जिप जानसेन छह गोल के साथ उनके शीर्ष स्कोरर रहे।

तमिलनाडु ड्रैगन्स के कप्तान अमित रोहिदास ने कहा, 10 ग्रुप गेम का सफ़र रोमांचकारी और उतार-चढ़ाव से भरा रहा। हर मैच ने हमें कुछ नया सिखाया और हमने हर पल का लुत्फ़ उठाया। सबसे पहले, हम सात साल बाद हीरो एचआईएल की वापसी को लेकर उत्साहित थे और अब, हम सेमीफ़ाइनल में खेलने के लिए उत्साहित हैं।

न्यूज ब्रीफ

टाटा स्टील शतरंज: गुकेश की बढ़त बरकरार, प्रज्ञानानंद तीसरे स्थान पर

विज्क आन ज़ी (नीदरलैंड)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए डच जीएम मैक्स वार्मरडैम को ब्लैक मोहरों से मात दी। इस जीत के साथ वह 10 राउंड के बाद 7.5 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। गुकेश ने वार्मरडैम की गलती का फायदा उठाते हुए 34 चालों में जीत दर्ज की। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव 7 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव को हराकर 6.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर कब्जा कर लिया। प्रज्ञानानंद ने टैराश डिफेंस के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाते हुए 48 चालों में जीत हासिल की। अर्जुन एरिगैसी ने जर्मनी के विंसेंट कीमर के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेला, जिससे उनकी जीत का इंतजार 10 राउंड तक बढ़ गया। पी हरिकृष्णा ने शीर्ष वरीयता प्राप्त फैबियानो कारूआना के खिलाफ 68 चालों तक चले कठिन मुकाबले में ड्रॉ हासिल किया। लियोन ल्यूक मेंडोंका ने भी अनीश गिरी के साथ अंक साझा किए। चैलेंजर्स वर्ग श्रेणी में आर वैशाली को चेक गणराज्य की गुयेन थाई वान दाई से हार का सामना करना पड़ा, जबकि दिव्या देशमुख को जर्मनी की फ्रेडरिक स्वेन ने पराजित किया। वैशाली 5 अंकों के साथ नौवें स्थान पर हैं, जबकि दिव्या 2 अंकों के साथ 13वें स्थान पर बनी हुई हैं। तीन राउंड शेष रहते हुए, गुकेश 2800 रेटिंग अंक हासिल करने और टूर्नामेंट जीतने के करीब पहुंच गए हैं। भारतीय शतरंज प्रेमियों की नजरें अब अगले मुकाबलों पर टिकी हैं।

थाईलैंड मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे किदाम्बी श्रीकांत, एस. सुब्रमण्यम

बैंकॉक। पूर्व विश्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत और एस सुब्रमण्यम ने गुरुवार को अपने-अपने मैच जीतकर थाईलैंड मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। श्रीकांत को राउंड ऑफ 16 मुकाबले में हांगकांग के 20 वर्षीय जेसन गुनावान को 21-19, 21-15 से हराने में केवल 42 मिनट लगे। उन्होंने पिछले साल बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में गुनावान को हराया था। सुब्रमण्यम को इंडोनेशिया के चिको ऑरा ड्वी वार्डोयो पर जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। सुब्रमण्यम ने पहला सेट गंवा दिया, लेकिन 9-21, 21-10, 21-17 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। हालांकि, मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रुथविका गडे की भारतीय जोड़ी को थाईलैंड के रत्चपोल मक्कासिथॉर्न और नट्टामोन लाइसुआन से 19-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

ईसीबी ने द हंड्रेड 2025 के कार्यक्रम की घोषणा की, 5 अगस्त से होगी शुरुआत

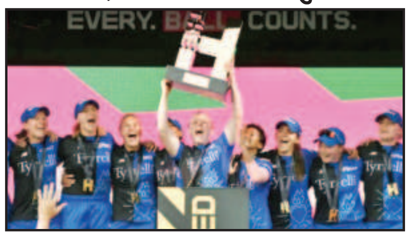

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बुधवार रात द हंड्रेड 2025 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी। टूर्नामेंट का पांचवां सीजन 5 अगस्त से लॉर्ड्स में शुरू होगा, जहां लंदन स्पिरिट और ओवल इनविंसिबल्स के बीच डबल-हेडर मुकाबला खेला जाएगा। मौजूदा पुरुष चैंपियन ओवल इनविंसिबल्स और मौजूदा महिला चैंपियन लंदन स्पिरिट की द हंड्रेड की इक्विटी सेल में सबसे अधिक मांग होने की उम्मीद जताई जा रही है। हंड्रेड इक्विटी सेल गुरुवार से शुरू हो रही है, जिसमें ओवल इनविंसिबल्स और बर्मिंघम फीनिक्स इस प्रक्रिया में शामिल होने वाली पहली टीमें होंगी। इस बार द हंड्रेड का शेड्यूल मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के साथ टकराव से बचाने के लिए तैयार किया गया है। फाइनल 31 अगस्त को लॉर्ड्स में खेला जाएगा, जबकि एलिमिनेटर 30 अगस्त को ओवल में होगा। इस सीजन से पहली बार पुरुषों और महिलाओं दोनों प्रतियोगिताओं में प्रत्यक्ष हस्ताक्षर (डायरेक्ट साइनिंग) की अनुमति दी गई है। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट और न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर इस प्रक्रिया के तहत अनुबंधित होने वाले पहले खिलाड़ी बने। वोल्वार्ड्ट को दक्षिणी ब्रेव और केर को मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने साइन किया है। लंदन स्पिरिट की ऑलराउंडर चार्ली डीन, जिन्होंने पिछले साल अपनी टीम को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, ने कहा, द हंड्रेड अब गर्मियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

38वें राष्ट्रीय खेल - 2025

वेटलिफ्टर विजय कुमार ने 55 किग्रा वर्ग में जीता स्वर्ण, की राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी

देहरादून, 30 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के युवा वेटलिफ्टर विजय कुमार ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 55 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने 143 किग्रा क्लीन एंड जर्क में भार उठाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की और कुल 248 किग्रा (105 किग्रा स्नैच + 143 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल किया।

संघर्ष से स्वर्ण तक का सफर- विजय कुमार की यह जीत केवल एक पदक नहीं, बल्कि उनके कठिन परिश्रम, संघर्ष और अटूट समर्पण की कहानी है। साधारण परिवार से आने वाले विजय के पास महंगे पोषण सप्लीमेंट या विशेष प्रशिक्षण के लिए संसाधन नहीं थे, लेकिन उनकी महत्वाकांक्षा हमेशा बुलंद रही। शुरुआती दिनों में साधारण दाल-चावल उनका मुख्य आहार था, लेकिन अपनी मेहनत के दम पर उन्होंने खुद को राष्ट्रीय स्तर पर साबित किया।

यह मेरा जुनून था, मेरा एकमात्र लक्ष्य- अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर विजय ने कहा, मेरे माता-पिता को वेटलिफ्टिंग में कोई भविष्य नहीं दिखता था। वे चाहते थे कि मैं इसे छोड़ दूं, लेकिन यह मेरा जुनून था, मेरा एकमात्र लक्ष्य। आज का स्वर्ण पदक इस बात का प्रमाण है कि मेरा संघर्ष सही था।

विजय के सफर में कई चुनौतियाँ आईं, जिनमें पुरानी हैमस्ट्रिंग चोट सबसे बड़ी थी। कई बार उन्होंने खुद भी संदेह किया कि क्या वे कभी शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर पाएंगे। लेकिन उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प ने उन्हें विजयी बना दिया।

परिवार और कोच के नाम किया स्वर्ण- यह स्वर्ण पदक विजय के लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उनके माता-पिता और कोच के प्रति समर्पण का प्रतीक भी है। विजय ने भावुक होते हुए कहा, यह पदक उन्हीं के लिए है। उन्होंने मुझ पर भरोसा किया, जब किसी और ने नहीं किया।

युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा- इस ऐतिहासिक जीत से कुछ सप्ताह पहले, विजय ने सोशल मीडिया पर एक प्रेरणादायक संदेश साझा किया था: मेरा सफर तब तक जारी रहेगा, जब तक मैं सफल नहीं हो जाता।

और आज, उन्होंने अपने शब्दों को सच कर दिखाया। विजय कुमार की यह उपलब्धि न केवल उनके लिए बल्कि हर युवा एथलीट के लिए प्रेरणा है। यह दिखाती है कि यदि हौसले बुलंद हों और मेहनत में कोई कमी न हो, तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती।

राष्ट्रीय खेल बैडमिंटन: उत्तराखंड ने पहले दिन किया शानदार प्रदर्शन, कई रोमांचक मुकाबले खेले गए

38वें नेशनल गेम्स बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां देश के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। देहरादून के परेड ग्राउंड स्थित मल्टी-पर्पस हॉल में खेले गए मैचों में पुरुषों और महिलाओं की टीम स्पर्धाओं में कड़ा मुकाबला हुआ। महिलाओं के ग्रुप बी में मेजबान उत्तराखंड ने शानदार खेल दिखाते हुए गुजरात को 3-2 से हराया। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली, लेकिन उत्तराखंड की टीम ने निर्णायक युगल मुकाबले में जीत दर्ज कर घरेलू दर्शकों को खुशी दी। दोपहर के सत्र में उत्तराखंड की महिला टीम ने कर्नाटक के खिलाफ भी 3-2 से रोमांचक जीत दर्ज की। कर्नाटक की टीम ने जोरदार चुनौती पेश की, लेकिन उत्तराखंड ने एकल और युगल मुकाबलों में प्रभावी प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की।

पुरुषों के ग्रुप बी में राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें राजस्थान ने 4-1 से जीत दर्ज की। राजस्थान की टीम ने युगल मुकाबलों में बढ़त बनाते हुए निर्णायक एकल मैच जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। दोपहर के सत्र में पुरुषों के ग्रुप ए में सर्विसेज टीम ने कर्नाटक को 3-2 से हराकर चौंका दिया। कर्नाटक के खिलाड़ी शुरुआती बढ़त बनाए रखने में नाकाम रहे, जबकि सर्विसेज की टीम ने रणनीतिक खेल से युगल मुकाबलों में जीत हासिल की। पुरुषों के ग्रुप बी में छत्तीसगढ़ ने राजस्थान को 3-2 से हराकर जबरदस्त जीत दर्ज की। पूरे मुकाबले के दौरान दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन छत्तीसगढ़ की टीम ने संयम और कौशल का परिचय देते हुए मैच जीत लिया। महिलाओं के ग्रुप ए में हरियाणा की टीम ने असम को 4-1 से हराकर दबदबा बनाया। अनमोल खरब ने एकल और युगल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया, जिससे हरियाणा को बड़ी जीत हासिल हुई। पहले दिन के मुकाबलों के बाद टूर्नामेंट में रोमांचक शुरुआत देखने को मिली है। उत्तराखंड ने अपने शानदार खेल से सभी का ध्यान खींचा है, जबकि अन्य टीमें भी खिताब की दौड़ में मजबूती से बनी हुई हैं। आने वाले दिनों में और भी रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद है, जहां खिलाड़ी अपनी क्षमता का पूरा प्रदर्शन करेंगे।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25 हॉकी इंडिया ने घोषित की 32 सदस्यीय भारतीय पुरुष टीम

नई दिल्ली, 30 जनवरी (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के भुवनेश्वर चरण के लिए 32 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी। यह चरण 15 से 25 फरवरी तक कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें भारत स्पेन, जर्मनी, आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ प्रत्येक टीम से दो बार मुकाबला करेगा।

हरमनप्रीत बने कप्तान, हार्दिक उपकप्तान

अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को एक बार फिर टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि हार्दिक सिंह उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। टीम में पहली पसंद के गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक के साथ सूरज करकेरा और प्रिंसदीप सिंह को भी जगह दी गई है।

युवा खिलाड़ियों को मौका

मौजूदा हॉकी इंडिया लीग और जूनियर टीम में शानदार प्रदर्शन करने वाले 22 वर्षीय अंगद बीर सिंह और 20 वर्षीय अर्शदीप सिंह को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

मुख्य कोच ने जताया भरोसा

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने चयन को लेकर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के लिए चुनी गई टीम से मैं बेहद खुश हूं। मेरा मानना है कि यह टीम न केवल प्रभावशाली हॉकी खेलेगी, बल्कि हमें महत्वपूर्ण मैच भी जिताएगी। मैं शिविर में खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण के लिए उत्सुक हूं और देखना चाहता हूं कि वे शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम

गोलकीपर : कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेरा, प्रिंसदीप सिंह।

डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, नीलम संजीप एक्सेस, वरुण कुमार, यशदीप सिवाच।

मिडफील्डर: राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकांत शर्मा, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, राजिंदर सिंह।

फॉरवर्ड : अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मनदीप सिंह, गुरजंत सिंह, अंगद बीर सिंह, बॉबी सिंह धामी, शिलानंद लकड़ा, दिलप्रीत सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, उत्तम सिंह, अर्शदीप सिंह।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल हुईं क्रिस्टीना मैथ्यूज

मेलबर्न, 30 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व विकेटकीपर, उप-कप्तान और लंबे समय तक क्रिकेट प्रशासक रहीं क्रिस्टीना मैथ्यूज को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। उन्हें एमसीजी में ऐतिहासिक महिला एशेज टेस्ट के पहले दिन यह पुरस्कार मिला।

मैथ्यूज के नाम (20) एक ऑस्ट्रेलियाई महिला द्वारा खेले गए सबसे अधिक टेस्ट मैचों का रिकॉर्ड है और वह विश्व स्तर पर छठे स्थान पर हैं। 1984 से 1995 तक के करियर में उन्होंने विकेट के पीछे 58 बार महिला टेस्ट इतिहास में सबसे ज़्यादा आउट करने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। अपने टेस्ट करियर के अलावा, मैथ्यूज़ ने 47 वनडे मैच भी खेले और 1988 में एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहीं।

विक्टोरिया में अपना करियर शुरू करने वाली मैथ्यूज ने न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) और ऑस्ट्रेलियन कैपिटल टेरिटरी के लिए भी खेला। हालाँकि उन्होंने किसी भी अन्य ऑस्ट्रेलियाई महिला की तुलना में ज़्यादा टेस्ट मैच खेले हैं, लेकिन मैथ्यूज को शायद एक प्रशासक के रूप में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। उन्होंने क्रिकेट एनएसडब्ल्यू में काम करते हुए 2007 से 2011 तक ऑस्ट्रेलिया की महिला चयन समिति में काम किया। 2012 में, उन्हें वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया (डब्ल्यूए) क्रिकेट का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया, जहाँ उन्होंने 12 वर्षों तक सफलता की एक उल्लेखनीय अवधि की देखरेख की। उनके नेतृत्व में, डब्ल्यूए और पर्थ स्कॉर्चर्स ने पुरुष और महिला दोनों क्रिकेट में कई घरेलू ट्रॉफी जीतीं। मैथ्यूज ने पुरुष कोच जस्टिन लैंगर और एडम वोजेस जैसे प्रमुख लोगों के साथ-साथ क्रिकेट महाप्रबंधक केड हार्वे के साथ भी मजबूत संबंध बनाए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में महिला क्रिकेट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डब्ल्यूए क्रिकेट के सीईओ के रूप में अपनी भूमिका से हटने के बाद, मैथ्यूज ने दिसंबर 2024 में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन की पहली महिला अध्यक्ष बनकर इतिहास रच दिया। एक खिलाड़ी और प्रशासक दोनों के रूप में क्रिकेट के लिए उनकी सेवा के सम्मान में, उन्हें 2024 में ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया का सदस्य नियुक्त किया गया। वह मेलबर्न क्रिकेट क्लब की मानद सदस्य और मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब की आजीवन सदस्य भी हैं। एशेज टेस्ट के शुरुआती दिन के टॉस से ठीक 30 मिनट पहले, एमसीजी के बाहर चेयर पीटर किंग द्वारा मैथ्यूज को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के हवाले से मैथ्यूज ने कहा, मेरे सभी साथियों का धन्यवाद, जो इसे संभव बनाने का हिस्सा रहे हैं, उन कोचों का जिन्होंने मेरी बहुत मदद की और मैं अपने साथी और परिवार को भी धन्यवाद देना चाहती हूँ जो आज मेरे साथ इसे मनाने के लिए यहाँ हैं और साथ ही मेरे माता-पिता अब हमारे साथ नहीं हैं, लेकिन आप इनमें से कोई भी चीज़ उस शुरुआत के बिना हासिल नहीं कर सकते जो वे आपको देते हैं।

जेम्स मॉडर्न अकादमी ने लिटिल जायंट्स क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता

दुबई, 30 जनवरी (एजेंसियां)। जेम्स मॉडर्न अकादमी ने अदाणी स्पोर्ट्सलाइन द्वारा आयोजित 'लिटिल जायंट्स' स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले संस्करण का खिताब अपने नाम कर लिया। यह टूर्नामेंट 21 जनवरी से 29 जनवरी 2025 तक दुबई के विजन क्रिकेट सेंटर में खेला गया, जिसमें यूएई के शीर्ष स्कूलों की आठ टीमों ने हिस्सा लिया।

इस टूर्नामेंट का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देना और नवोदित क्रिकेटरों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करना था। टूर्नामेंट में आठ टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया था, जहां ग्रुप चरण और नॉकआउट मुकाबलों के बाद डीआईए एमिरेट्स हिल्स, शारजाह क्रिकेट अकादमी, द विनचेस्टर स्कूल और जेम्स मॉडर्न अकादमी ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

फाइनल मुकाबले में जेम्स मॉडर्न अकादमी ने मारी बाजी

शारजाह क्रिकेट अकादमी और जेम्स मॉडर्न अकादमी के बीच खेले गए फाइनल मुकाबले में जेम्स मॉडर्न अकादमी ने शानदार प्रदर्शन किया। जयदेव गट्टानी के 3 ओवर में 3/13 के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत शारजाह क्रिकेट अकादमी की टीम 18 ओवर में सिर्फ 80 रन पर सिमट गई। इसके बाद जेम्स मॉडर्न अकादमी ने लक्ष्य को मात्र 7.4 ओवर में ही हासिल कर आठ विकेट से खिताब अपने नाम कर लिया।

टूर्नामेंट के सफल आयोजन पर अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, संजय अडेसरा ने कहा, लिटिल जायंट्स टूर्नामेंट की शुरुआत जमीनी स्तर पर युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर उभरते क्रिकेटरों को प्रतिस्पर्धात्मक मंच देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

टूर्नामेंट के प्रमुख पुरस्कार विजेता:

सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक: समी अफगान (एससीए) - 4 मैचों में 6 कैच।

सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज: उदिश सूरी (द विनचेस्टर स्कूल) - 4 पारियों में 10 विकेट।

सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज: जैमीक शाह (डीआईए - एमिरेट्स हिल्स) - 4 पारियों में 333 रन।

टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी: उदिश सूरी (द विनचेस्टर स्कूल) - 256 रन और 10 विकेट।

इस सफल आयोजन के साथ 'लिटिल जायंट्स' स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट ने युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को नया उत्साह और अवसर प्रदान किया है।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग ने सभी 12 फ्रेंचाइजी टीमों के कप्तान घोषित किए

गुरुग्राम (हरियाणा), 30 जनवरी (एजेंसियां)। बहुप्रतीक्षित ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) ने गुरुवार को पुरुषों और महिला फ्रेंचाइजी के लिए कप्तानों की घोषणा कर दी है। कबड्डी को वैश्विक स्तर पर एक पहचान दिलाने वाली इस लीग में मिस्र, केन्या, अर्जेंटीना, ताइवान और पोलैंड जैसे कई देशों की भागीदारी देखी जा सकेगी।

जीआई-पीकेएल के उद्घाटन सत्र में छह महिला और छह पुरुष टीमों को शामिल किया गया है। सभी टीमें भारत की संस्कृति और भाषाई समृद्धि का प्रतिनिधित्व करती हैं। टीमों को उनकी क्षेत्रीय पहचान के हिसाब से नामित किया गया है। इनमें पुरुष टीमें मराठी वल्चर्स, भोजपुरी लेपर्ड, तेलुगु पैंथर्स, तमिल लायंस, पंजाबी टाइगर्स, हरियानवी शार्क हैं, जबकि महिला टीमों में मराठी फाल्कन्स, भोजपुरी लेपर्ड, तेलुगु चीतास, तमिल लायंस, पंजाबी टाइग्रेस, हरियानवी ईगल्स शामिल हैं।

कप्तानी के रूप में शिव प्रसाद को भोजपुरी लेपर्ड की कमान सौंपी गई है तथा विकास दहिया हरियाणवी शार्क का नेतृत्व करेंगे। मराठी वल्चर और पंजाबी टाइगर्स ने क्रमश: कपिल नरवाल और साविन नरवाल को कप्तान बनाया है। सुनील नरवाल तमिल लायंस और संदीप कंदोला तेलुगु पैंथर्स का नेतृत्व करेंगे। महिला टीमों की बात की जाए तो पुष्पा राणा हरियाणवी ईगल्स तो मीना कादियान भोजपुरी लेपर्ड का नेतृत्व करेंगी। मराठी फाल्कन्स और पंजाबी टाइग्रेस ने क्रमश: तनु शर्मा और मीरा को कप्तान बनाया है। जूली भाटी तेलुगु चीता का प्रतिनिधित्व करेंगी, तो सुमन तमिल लायंस की बागडोर संभालती नजर आएंगी।

कप्तानों के चयन पर होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कांथी डी सुरेश ने कहा, जैसा समान भाव हम महिला और पुरुष दोनों खिलाड़ियों के लिए रखते हैं, उसी तरह सभी टीमों के कप्तानों की घोषणा कर दी गई है।

इसके बाद से यह खिलाड़ी न केवल अपनी टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं, बल्कि उन्हें प्रेरित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हमारा मानना ??है कि उनका नेतृत्व और समर्पण एक प्रतिस्पर्धी सीजन को जन्म देगा।

प्रत्येक फ्रेंचाइजी मालिक के पास एक पुरुष और एक महिला टीम की बागडोर होगी, जो कि कबड्डी इतिहास में अपनी तरह की पहली व्यवस्था है। लीग की घोषणा के बाद से ही खिलाड़ियों ने कठोर प्रशिक्षण शुरू कर दिया है।

साविन नरवाल, संदीप कंदोला, अजय कुमार और कपिल नरवाल उन खिलाड़ियों में से हैं, जो अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहा रहे हैं। इसके अलावा एम अनीता, इंद्र रोहिणी, अरुल संथिया और सेल्वारेबिक जैसे राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेताओं ने भी अपने-अपने राज्यों में प्रशिक्षण सत्र शुरू कर दिए हैं।

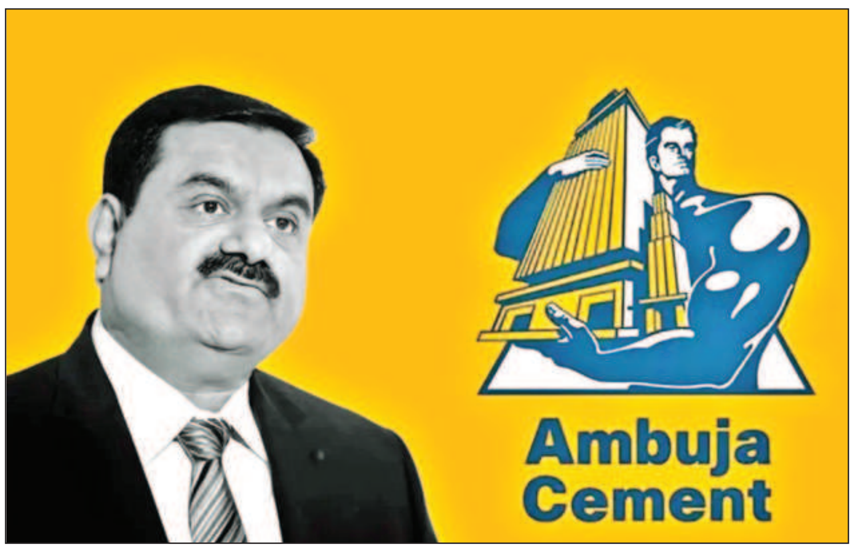

अंबुजा सीमेंट्स का मुनाफा दोगुना से अधिक बढ़ा

कंपनी की आय बढ़कर 9,329 करोड़ रुपए हुई

अहमदाबाद,30 जनवरी (एजेंसियां)।

अदाणी ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के नतीजे पेश कर दिए हैं। अक्टूबर-दिसंबर में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर दोगुना से अधिक बढ़कर 2,620 करोड़ रुपये हो गया है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनी की आय बढ़कर 9,329 करोड़ रुपये हो गई है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 8,129 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि कर्ज के बिना कंपनी की नेट वर्थ 62,535 करोड़ रुपये है। कंपनी के पास 8,755 करोड़ रुपये का कैश मौजूद है। अंबुजा सीमेंट्स के एक अधिकारी ने कहा कि हमें अपनी विकास योजना के अनुरूप तिमाही में टिकाऊ प्रदर्शन रिपोर्ट करते हुए खुशी हो रही है। इनोवेशन, डिजिटलीकरण, ग्राहक संतुष्टि और ईएसजी पर ध्यान केंद्रित करते हुए, हमारा विजन नए भौगोलिक क्षेत्रों में हमारे विस्तार को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि हमारे रणनीतिक अधिग्रहणों ने हमारी क्षमता और बाजार उपस्थिति में मजबूत वृद्धि की है।

तिमाही में कंपनी ने खावड़ा में 200 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता शुरू की है, जिससे आगामी तिमाहियों में बिजली की लागत में कमी आएगी। कंपनी ने दिसंबर तिमाही के दौरान अतिरिक्त 631 मिलियन मीट्रिक टन (एमटी) चूना पत्थर भंडार रिपोर्ट किया है, जिससे कुल भंडार 8.3 बिलियन मीट्रिक टन हो गया। इस साल की शुरुआत में अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड को अदाणी सीमेंटेशन लिमिटेड के साथ विलय के संबंध में एक्सचेंजों से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मिल गया था।

मल्टीबैगर कंपनी को मिला 121 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली। मल्टीबैगर कंपनी को वीए टेक वाबाग के शेयरों में तेजी के बाद बहरीन में इंडस्ट्रियल वेस्टवाटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए 121 रुपये का ऑर्डर शामिल है। वीए टेक वाबाग का मार्केट कैप 8,346 करोड़ रुपये है। स्टार इन्वेस्टर रेखा झुनझुनवाला ने कंपनी पर बड़ा दांव लगाया है, जिसके पास कंपनी के 50 लाख शेयर हैं। झुनझुनवाला की हिस्सेदारी मुताबिक वेबाग में 8.04 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके अलावा कंपनी में म्यूचुअल फंड्स की 1.47 फीसदी हिस्सेदारी है। वेबाग के शेयरों की हिस्ट्री देखते हुए पिछले एक साल में 107.43 फीसदी तेजी आई है। तथा तीन साल में यहाँ 322.38 फीसदी रिटर्न मिला है।

न्यूज ब्रीफ

एमएसएमई के लिए नई ऋण गारंटी योजना : निवेश और निर्यात को मिलेगी मदद

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने एक नई ऋण गारंटी योजना की घोषणा की है, जिसमें एमएसएमई क्षेत्र को 100 करोड़ रुपये तक के ऋण की सुविधा प्राप्त होगी। यह योजना निवेश, विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगी। निर्यातकों का मानना है कि एमएसएमई के लिए वित्तपोषण की कमी से परिस्थितियाँ कठिन हो रही हैं, जिससे वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता में रोक हो रही है। योजना के अनुसार उधारकर्ता को कुछ शर्तें पूरी करनी होंगी, जैसे वैध उद्यम पंजीकरण संख्या वाला एमएसएमई होना, गारंटीकृत ऋण की राशि 100 करोड़ रुपये से अधिक न होना और उपकरणों की परियोजना लागत का कम से कम 75 प्रतिशत होना। इस योजना से भारतीय निर्यात संगठनों को अधिक वित्तीय पहुंच मिलेगी और उन्हें नवीनतम उपकरणों में निवेश करने के लिए महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त होगा। इस नीति के माध्यम से सरकार विनिर्माण को बढ़ावा देने और भारत के ग्लोबल प्रतिस्पर्धा में मदद करने के लिए कदम उठा रही है। यह योजना सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए सहायक होगी।

भारत में बने 'जिम्नी फाइव-डोर' मॉडल की जापानी बाजार में बिक्री शुरू

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि भारत में बने 'जिम्नी फाइव-डोर' मॉडल की जापानी बाजार में बिक्री शुरू की गई है। विशेष रूप से मारुति सुजुकी के गुरुग्राम स्थित संयंत्र में बने इस एसयूवी को गुरुवार को जापान में पेश किया गया। जिम्नी फाइव-डोर मॉडल वित्त वर्ष 2024-25 में फ्रोंक्स के बाद सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के घरेलू बाजार में पेश किया जाने वाला दूसरा एसयूवी बन गया है। मारुति सुजुकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि भारत में बनी जिम्नी 5-डोर को जापान में पेश किए जाने से हमारी वैश्विक स्तर की विनिर्माण क्षमता का पता चलता है। उन्होंने कहा कि कंपनी का चालू वित्त वर्ष में जापान को निर्यात किया जाने वाला यह दूसरा मॉडल है। इससे पहले अगस्त 2024 में फ्रोंक्स को जापान में पेश किया गया था। उन्होंने कहा कि मेक्सिको, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे बाजारों में इसकी शानदार सफलता के बाद, हमें भरोसा है कि यह जापान में ग्राहकों को पसंद आएगी। जिम्नी का निर्यात 'मेक-इन-इंडिया' के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।मारुति सुजुकी ने कहा कि जिम्नी का तीन दरवाजे वाला संस्करण जापानी बाजार में पहले से ही बिक्री के लिए उपलब्ध है और पांच दरवाजे वाला संस्करण इसकी लोकप्रियता को और बढ़ाएगा।

एनसीएलटी का बायजू के समाधान पेशेवर के खिलाफ कार्यवाही का निर्देश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच बायजू के समाधान पेशेवर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही का आदेश दिया और मंच के ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) से ग्लास ट्रस्ट और आदित्य बिड़ला फाइनेंस को बाहर करने के उनके निर्देश को रद्द कर दिया। एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ ने एक आदेश पारित करते हुए भारतीय दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) को बायजू की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न के समाधान पेशेवर के खिलाफ जांच करने का निर्देश दिया है। दो सदस्यीय पीठ ने अपने आदेश में कहा कि उनका आचरण उम्मीद के मुताबिक उचित नहीं है। एनसीएलटी ने कहा कि आईआरपी के आचरण को आईबीबीआई द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही के माध्यम से निपटाया जाना चाहिए। इसलिए, आईबीबीआई इस मामले में आवश्यक जांच कर सकता है। न्यायाधिकरण ने 31 अगस्त, 2024 को अंतरिम समाधान पेशेवर द्वारा किए गए बायजू के ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के पुनर्गठन को भी रद्द कर दिया, जिसमें श्रीवास्तव ने ग्लास ट्रस्ट और आदित्य बिड़ला फाइनेंस को बाहर रखा था। एनसीएलटी ने पिछले वर्ष 21 अगस्त को गठित पिछली सीओसी को बहाल कर दिया है, जिससे आदित्य बिड़ला फाइनेंस पुनः थिंक एंड लर्न का वित्तीय ऋणदाता बन गया है।

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार उतार-चढ़ाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई छलांग

नई दिल्ली,30 जनवरी (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। के कारोबार की शुरुआत मामूली तेजी के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच जारी खींचतान के कारण शेयर बाजार की चाल में उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.30 प्रतिशत और निफ्टी 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिनभर कारोबार के दौरान रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, फार्मास्यूटिकल और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी, टेक, कंज्यूमर ड्यूरेबल और ऑटोमोबाइल सेक्टर में बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। दिनभर के कारोबार के बाद बीएसई का मिड कैप इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 418.04 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 416.75 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 1.29 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,074 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,139 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,811 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 124 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,558 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,424 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,134 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान और 15 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 65.88 अंक की तेजी के साथ 76,598.84 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की होड़ शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 429.92 अंक उछल कर 76,962.88 अंक तक पहुंचा। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 131.83 की कमजोरी के साथ 76,401.13 अंक तक गोता भी लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 226.85 अंक की मजबूती के साथ 76,759.81 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 6.40 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 23,169.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिससे इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर-नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 158.95 अंक की छलांग लगा कर 23,322.05 अंक के स्तर तक पहुंचा, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये 23.90 अंक की कमजोरी के साथ 23,139.20 अंक तक गिर भी गया। दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद निफ्टी 86.40 अंक की मजबूती के साथ 23,249.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिनभर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 4.32 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 2.61 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 2.59 प्रतिशत, भारती एयरटेल 2.52 प्रतिशत और सिप्ला 2.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाटा मोटर्स 7.40 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज 2.85 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.75 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 2.52 प्रतिशत और अडाणी पोर्ट्स 1.81 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

तिलहन के रकबे में गिरावट, इसकी जगह गेहूं बो रहे हैं किसान

नई दिल्ली,30 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत में किसान तिलहन से ज्यादा गेहूं की फसल पर ध्यान दे रहे हैं। रबी फसलों का कुल रकबा बढ़ा है, लेकिन तिलहनी फसलों में गिरावट आई है। रबी फसलों का कुल रकबा 2024-25 में पिछले फसल वर्ष की तुलना में बढ़ा है लेकिन इस दौरान तिलहन फसलों के रकबे में गिरावट आई है।

इस वर्ष ज्यादातर वृद्धि गेहूं और दलहन की मुख्य फसलों में हुई

देश इस समय अपनी जरूरत का 55 फीसदी खाद्य तेल आयात कर रहा है, इसे कम करने के लिए सरकार ने तिलहन की बढ़ते रकबे की ओर ध्यान दिया है। पिछले फसल वर्ष की तुलना में इस वर्ष फसलों का कुल रकबा बढ़ा है, लेकिन ज्यादातर वृद्धि गेहूं और दलहन की मुख्य फसलों में हुई है। इसके विपरीत तिलहन के रकबे में गिरावट देखी गई है। इससे किसानों को बेचने में मुश्किलें आ सकती हैं क्योंकि तिलहन की रकबे में कमी का सीधा प्रभाव उनके मुनाफे पर पड़ सकता है।

कृषि मंत्रालय ने आंकड़ों के मुताबिक रबी बुआई सीजन के अंत में तिलहन की रकबे में गिरावट देखी गई है, जो मुख्य तौर पर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, और मध्य प्रदेश में हुई है। उत्तर प्रदेश योजना आयोग के एक पूर्व सदस्य का कहना है कि गेहूं और दलहन जैसी प्रतिस्पर्धी फसलों की तुलना में तिलहन की कम रिटर्न की वजह से किसान इससे दूरी बना रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डूबते यूनुस को...

जिसमें सोरोस इकोनॉमिक डेवलपमेंट फंड भी शामिल है। 2016 में जब ट्रंप ने हिलेरी क्लिंटन को हराया था, तब यूनुस ने चुनाव परिणाम की निंदा करते हुए ट्रंप की जीत को सूर्यग्रहण और काला दिन कहा था। यूनुस ने कहा था कि 2016 का चुनाव गलत प्रकार की राजनीति का शिकार हो गया। इस बार भी डोनाल्ड ट्रंप की भारी जीत के बाद बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी ने यूनुस के हवाले से एक स्टोरी प्रकाशित की जिसमें कहा गया कि ट्रंप की राष्ट्रपति पद की भारी जीत ने संयुक्त राज्य अमेरिका और दुनिया में अनिश्चितता के एक नए युग की शुरुआत की है। इससे पहले, जब दिवाली के त्यौहार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ बर्बर हिंसा की निंदा की थी तो यूनुस ने उसे खारिज कर दिया था और इसे लॉबिस्ट की हरकत बताया था।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में मोहम्मद यूनुस ने हिलेरी क्लिंटन फाउंडेशन को 300,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 2.5 करोड़ रुपए) दान में दिए थे। क्लिंटन फाउंडेशन पर गंभीर वित्तीय घोटाले का आरोप है और मोहम्मद यूनुस अब खुद ट्रंप के नए प्रशासन की जांच के दायरे में घिरे हैं। स्पष्ट है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन मोहम्मद यूनुस को उसके गलत कामों के लिए नहीं छोड़ेगा। यूनुस के सभी विदेशी उपक्रम निश्चित रूप से कड़ी जांच के दायरे में आने वाले हैं। साथ ही, राष्ट्रपति ट्रंप बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और धार्मिक अल्पसंख्यकों पर बर्बर अत्याचारों के बारे में 31 अक्टूबर के वक्तव्य को अनदेखा करने के लिए यूनुस को नहीं छोड़ेंगे। निश्चित रूप से, बांग्लादेश को पूरी तरह से अराजकता में धकेलने और देश को जिहादियों, इस्लामवादियों, खिलाफत-समर्थकों और अल कायदा, इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस), हिज्ब उत तहरीर और अन्य जैसे खतरनाक तत्वों के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल बनाने के लिए डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूनुस को नहीं बख्शा जाएगा।

केजरीवाल...

भाजपा की सरकार बना दो, पहली कैबिनेट में दिल्ली वालों का 10 लाख तक का ऑपरेशन सहित मुफ्त इलाज करवाने का काम भाजपा करेगी।

अमित शाह ने कहा, हमने तय किया है कि भाजपा सरकार बनने के बाद, हर महीने की 5 तारीख से पहले हर माता-बहन को 2,500 रुपए सीधे उनके बैंक खाते में देने का काम करेंगे। हर गर्भवती महिला को हमारी सरकार 21,000 रुपए देगी। 500 रुपए में एलपीजी सिलेंडर मिलेगा और दीपावली एवं होली में एक-एक सिलेंडर मुफ्त मिलेगा।

ड्रग्स के चंगुल...

अब जो पैसा मिलता है, उससे केवल नशे की पूर्ति हो पाती है। लड़की ने इस दौरान ये भी जानकारी दी कि वेश्यावृत्ति का काम अनाज मंडी में होता है। वहां लगे कुछ तंबू में जिस्म का सौदा करवाया जाता है लेकिन उससे पहले उन्हें नशे का आदी बनाते हैं। वो खुद जब कैप्सूल नहीं मिलती तो अस्पताल से मिलने वाली बुपरीमार्फिन गोली पानी में मिलाकर इंजेक्शन लगा लेती है। युवती के मुताबिक ये इंजेक्शन लगाना भी उसे उसी औरत ने ही सिखाया है जिसने उसे वेश्यावृत्ति में धकेला। वहीं गोली उसे सरकारी अस्पताल के पास वाले मेडिकल स्टोर से मिल जाती है।

लड़की की आपबीती आने के बाद पुलिस ने इस मामले को दर्ज तो कर लिया है लेकिन इसके बाद पूरे प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं। पूछा जा रहा है कि जब राज्य में नशे की कैप्सूल सब बंद हैं तो इनके पास वो कैसे पहुंच रही है। यह पहली बार नहीं है जब पंजाब में नशे की लत के कारण किसी की जिंदगी बर्बाद हुई हो। 1 साल पहले एक डांसर की खबर आई थी जिसकी पूरी जिंदगी नशे की लत के कारण खराब हो गई थी। खुद उसके भाई-बहनों ने उसे पहचानने से मना कर दिया था। इसके अलावा उसका पति भी छोड़कर चला गया था। बाद में उसे घर चलाने के लिए सेक्स वर्कर बनना पड़ा। मगर जब उम्र ढली तो उसे वो काम मिलना भी बंद हो गया।

ऐसे ही एक अन्य खबर बताती है कि कैसे अमृतसर के गांव में नशे की आदत के कारण 100 से ज्यादा महिलाओं का सुहाग उजड़ गया। रिपोर्ट के अनुसार सभी के पतियों की पिछले तीन से छह साल में नशे के कारण मौत हुई थी। महिलाओं ने शिकायत में पुलिस पर आरोप लगाया था कि पुलिस इन नशा तस्करों को नहीं पकड़ती। नशे से हमारा भविष्य बर्बाद हो रहा है। कई लोग तो इस क्षेत्र से जा चुके हैं। हाल ऐसे हैं कि अब तो लोग यहां मकान खरीदने में भी संकोच करते हैं। इसी तरह 4 दिन पहले एक खबर पंजाब के फिल्लौर से आई थी। यहां नशे की एक्स्ट्रा डोज लेने पर 22 साल के युवक की मौत हो गई। उसका शव पेड़ के पास पड़ा मिला। जवान बेटे की मौत की खबर सुनते ही पूरे परिवार में कोहरा मच गया।

पंजाब में नशाखोरी इतने चरम पर है कि कोर्ट तक इस मामले पर राज्य की आलोचना कर चुका है। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कहा था कि नशाखोरी देश के भविष्य को दीमक की तरह खा रही है। विशेष रूप से पंजाब में ये बड़ी चिंता का विषय है।

पिछले वर्ष अगस्त 2024 भी बठिंडा कोर्ट ने ड्रग तस्करों के खिलाफ सख्त स्टैंड लेने को पुलिस को आदेश दिया था। उन्होंने एक तस्कर की याचिका पर सुनवाई के दौरान पुलिस से कहा था कि वह बताए कि राज्य में एनडीपीएस के कितने मामले हैं, जिनमें आरोपी 6 महीने से अधिक समय से फरार हैं। अगर पुलिस द्वारा ड्रग मामलों में आरोपियों को उचित समय अवधि के भीतर गिरफ्तार नहीं किया जाता है, तो ऐसे आरोपियों को तुरंत घोषित अपराधी (पीओ) घोषित किया जाना चाहिए और कानून के प्रावधान के अनुसार बिना किसी देरी के उनकी सम्पत्ति जब्त की जानी चाहिए।

मार्च 2024 में भी कोर्ट ने पंजाब में पुलिस अधिकारियों से ड्रग तस्करों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी कोर्ट को देने को कही थी। हाईकोर्ट ने पंजाब की जेलों से नशे की तस्करी के बढ़ते मामलों पर टिप्पणी करते हुए इसे एसएसओसी की नाकामी बताई थी। साथ ही कहा था कि इन केसों की जांच सीबीआई और ईडी द्वारा होनी चाहिए। पंजाब में स्थिति नियंत्रण से बाहर है और जेल अधिकारियों के खिलाफ जांच करने में पंजाब पुलिस सक्षम नहीं है। इसी प्रकार साल 2023 में भी कोर्ट ने नशे के कारोबार और तस्करी के आंकड़ों को देख इन्हें डराने वाला बताया था। कोर्ट ने कहा था कि नशे की जड़ों को समाज से काटना बहुत जरूरी है। आरोपियों के खिलाफ न केवल एनडीपीएस का बल्कि मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज होना चाहिए। अपराधियों को कम से कम 10 से 20 साल कैद की सजा सुनाई जानी चाहिए और एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

साल 2022 में जब पंजाब में चुनाव थे तब आम आदमी पार्टी प्रमुख केजरीवाल ने राज्य की जनता से वादा किया था कि आपा की सरकार आने के चार महीने के भीतर नशीले पदार्थ पर अंकुश लगवा देंगे। बाद में साल 2023 में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पटियाला में सभा को संबोधित करते हुए कहा ता कि वह अगले स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त 2024 तक पंजाब से चिट्टे के खतरे को खत्म कर देंगे। हालांकि वो अपना वादा पूरा करने में विफल रहे जिसके कारण विपक्षी पार्टियों ने उन्हें घेरा भी और उनके वादे को महज लॉलीपॉप बताया।

अब हर साल-छह महीने पर खबरों में कुछ आंकड़े दिए जाते हैं। बताया जाता है कि एक अवधि में पंजाब में कितने ड्रग तस्कर पकड़े गए, कितनों के मादक पदार्थ जब्त हुए आदि।

कभी मुख्यमंत्री घोषणा करते हुए कि जो गांव नशा मुक्त होगा उन्हें विशेष अनुदान मिलेगा, तो कभी कोई टीम बनाकर नशा रोकने की बात होती है। लेकिन इन घोषणा से ज्यादा जरूरी तो ये है न कि देखा जाए जो प्रयास शुरू हुए उससे जमीनी स्तर पर क्या फर्क पड़ रहा है। अगर इसी चरण पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो 100 महिलाओं के विधवा होने वाली जैसी खबरें कभी आना बंद नहीं होगीं। लड़कियाँ नशे की लत लगाकर वेश्यावृत्ति में धकेली जाती रहेंगी। ड्रोन तस्करों को पकड़ लेगा लेकिन मेडिकल स्टोर पर मिलने वाली नशीली दवाइयों पर कार्रवाई नहीं होगी।

हर दिन करेंगे इन मंत्रों का जप, तो दुर्भाग्य छोड़ देगा आपका पीछा

सनातन धर्म में मंत्रोच्चारण को खास महत्व दिया गया है। अगर आप मंत्रोच्चारण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना लेते हैं, तो इससे होने वाले लाभ आपको चकित कर देंगे। न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि सेहत दृष्टि से भी मंत्रोंच्चाण को काफी महत्वपूर्ण माना गया है। यह आपको शारीरिक और मानसिक दोनों तरीकों से लाभ पहुंचाते हैं।

होगा मानसिक शांति का अनुभव

गायत्री मंत्र – ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।।

गायत्री मंत्र सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली में से एक माना गया है। नियमित रूप से इसका जाप करने से जातक को बुद्धि, ज्ञान और समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। आपको इस मंत्र का जप कम-से-कम 108 बार करना चाहिए। इससे नकारात्मकता आपसे दूर बनी रहती है और मानसिक शांति का अनुभव होता है।

दूर होंगे सभी कष्ट

हनुमान चालीसा, तुलसीदास जी द्वारा रचित एक लोकप्रिय कृति है, जिसमें मुख्य रूप से बजरंगबली के गुणों का वर्णन किया गया है। धार्मिक मान्यता है कि अगर आप रोजाना हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं, तो इससे पवनपुत्र आपसे प्रसन्न होते हैं।

हनुमान जी की कृपा से जीवन में आ रहे सभी प्रकार के संकट दूर होते चले जाते हैं। इसी के साथ मंगलवार के दिन तो हनुमान चालीसा का पाठ जरूर करना चाहिए, इससे हनुमान जी जल्दी प्रसन्न होते हैं।

नहीं आएगी धन की समस्या

महालक्ष्मी मंत्र – ॐ श्रीं क्लीं महालक्ष्मी महालक्ष्मी एह्येहि सर्व देहि मे स्वाहा।।

हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी को धन की देवी माना जाता है। ऐसे में अगर आप धन की समस्या से जूझ रहे हैं, तो इसके लिए आपको रोजाना श्रद्धाभाव से लक्ष्मी जी के महालक्ष्मी मंत्र का जप करना चाहिए। ऐसा करने से जातक को धन की से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही दुर्भाग्य भी उसका पीछा छोड़ देता है।

आ रहे हैं इस तरह के सपने, तो समझिए जल्द पूरा होने वाला है शादी का ख्वाब

कई बार हमें कुछ ऐसे सपने आते हैं, जिनका अर्थ समझना मुश्किल होता है। स्वप्न शास्त्र में यह माना गया है कि व्यक्ति के हर सपने का कोई-न-कोई मतलब जरूर होता है। ऐसे में अगर आपको सपने में ये चीजें दिखाई देती हैं, तो इसका मतलब हो सकता है कि आपका शादी का सपना जल्द पूरा हो सकता है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि स्वप्न शास्त्र में इसके बारे में क्या कहा गया है।

जल्द बजेगी शहनाई

स्वप्न शास्त्र में बताया गया है कि अगर किसी व्यक्ति को सपने में बारात दिखाई देती, तो यह एक शुभ संकेत हो सकता है। इसका मतलब है कि आप बहुत जल्द शादी के बंधनों में बंधने वाले हैं। इसी के साथ अगर कोई व्यक्ति सपने में किसी को अपने प्रेमी के रूप में देखता है, तो यह भी संकेत होता है कि आपको मनपसंद जीवनसाथी मिल सकता है।

मिलेगा मनपसंद जीवनसाथी

अगर सपने में आप खुद को अपने प्रेमी के साथ घूमते-फिरते हुए देखते हैं, तो यह सपना भी इस ओर इशारा करता है कि आपके लिए जल्द विवाह के योग बनने वाले हैं। इस सपने का एक अर्थ यह भी है कि आपकी अपने मनपसंद इंसान से शादी हो सकती है।

क्या है इस सपने का मतलब

अगर कोई लड़की अपने सपने में किसी लड़के को सेहरा बांधे हुए देखती है, तो यह सपना भी इस बात की ओर इशारा करता है कि आपकी शादी जल्द हो सकती है। वहीं अगर कोई लड़का अपने आपको सेहरा बांधे हुए देखता है, तो इसका अर्थ भी यही है कि वह जल्द विवाह के बंधन में बंधने जा रहे हैं।

बंधेंगे विवाह के बंधन में

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, अगर किसी लड़की को सपने में कोई लड़का हाथ में फूल लिए हुए दिखाई देता है, तो इसका मतलब माना जाता है कि आपके लिए कोई रिश्ता आ सकता है। वहीं अगर आप सपने में खुद की शादी लव पार्टनर से होते हुए देखते हैं, तो इसका अर्थ है कि आप दोनों जल्द ही विवाह बंधन में बंधने वाले हैं।

फरवरी महीने में कई राशि के जातकों के बनेंगे सारे बिगड़े काम

फरवरी का महीना कई राशि के जातकों के लिए बेहद खास रहने वाला है। इस महीने में कई ग्रह अपनी चाल और स्थिति बदलेंगे। इससे राशि चक्र की सभी राशियों पर प्रभाव पड़ेगा। कई राशि के जातकों को में मनमुताबिक सफलता मिलेगी। वहीं, कई राशि के जातकों के सभी बिगड़े काम बन जाएंगे।

पंडित जी की मानें तो आत्मा के कारक सूर्य देव और ग्रहों के राजकुमार बुध देव फरवरी महीने में राशि परिवर्तन करेंगे। दोनों ग्रह कुंभ राशि में गोचर सूर्य और बुध देव के राशि परिवर्तन से किन राशियों को लाभ होगा।

बुध गोचर

बुद्धि और मस्तिष्क के देवता बुद्ध कुंभ में गोचर करने जा रहे हैं। यह गोचर दोपहर 12:45 पर कुंभ राशि में होगा। कुंभ राशि के जातकों के लिए गोचर अत्यधिक लाभदायक रहने वाला जातक व्यापार-व्यवसाय में लाभ अर्जित करेंगे। बहुत समय से रुके हुए कार्य इस अवधि में पूर्ण होंगे जो जातक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उन्हें सफलता प्राप्त होगी। इस अवधि में जातक विदेश भ्रमण कर सकते हैं। जातक का मस्तिष्क सकारात्मक रूप से तीव्र रहेगा। प्रभावशाली लोगों संपर्क में आने से लाभ मिलेगा। बुधवार के दिन गणेश स्तोत्र का पाठ करें और गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें।

बुध राशि परिवर्तन

यह गोचर मीन राशि के जातकों के लिए प्रतिकूल फल देने वाला रहेगा। निराशा और भयनुमा वातावरण उत्पन्न हो सकता है, जिससे मानसिक अवसाद सामना करना पड़ सकता है। जातक को इस अवधि में अत्यधिक मेहनत करने के बावजूद भी परिणाम नहीं मिलेंगे। सलाह दी जाती है कि जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें और किसी को भी वाणी के द्वारा अपशब्द ना कहें। इस समय को धैर्य पूर्वक व्यतीत करें।

सूर्य परिवर्तन

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, शनि देवता को सूर्य का पुत्र माना गया है। यह गोचर कुंभ राशि के जातकों के लिए शुभ प्रभाव देने वाला रहेगा, जो जातक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें सफलता मिल सकती है। जातक राजनेताओं और प्रभावशाली व्यक्ति के संपर्क आ सकते हैं। सरकारी काम इस गोचर के दौरान पूर्ण हो सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से अगर देखा जाए, तो यह गोचर अच्छा नहीं है।

जातक को व्यापार में नुकसान हो सकता है। स्वास्थ्य को लेकर सतर्कता बरतनी होगी अन्यथा इस गोचर के दौरान बीमार रह सकते हैं। जातक यह भी सलाह दी जाती है कि कोई भी गलत प्रवृत्ति वाला कार्य न करें अन्यथा अपयश का सामना करना पड़ सकता है। इस अवधि में जातक को सूर्य नमस्कार और सूर्य को तांबे के बर्तन में गुड़ मिलाकर जल से अर्घ्य देना चाहिए। सूर्य से अपने उत्तम स्वास्थ्य लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

शनि अस्त

दिनांक 2 फरवरी 2025 को न्याय के देवता शनि पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में गोचर करने जा रहे हैं। यह गोचर प्रातः 8:45 पर होगा। इस नक्षत्र गोचर का प्रभाव मीन राशि पर अधिक पड़ेगा। मीन राशि के जातक इस अवधि के दौरान लोहे वस्तु से सतर्क रहें, गाड़ी आदि से दुर्घटना होने का भी योग है। सलाह दी जाती है कि इस अवधि में भ्रमण करने से बचें, यात्रा को टालें, इस अवधि में कोई पुराना रोग उभर सकता है। अकारण ही पैरों में अत्यधिक दर्द का सामना करना पड़ सकता है। दौरान कुत्ते से भी सतर्क रहें। नियमित रूप से शनि चालीसा का पाठ करें।

27 फरवरी से लगने जा रहे हैं पंचक खासतौर से ध्यान रखें ये नियम

जब चन्द्र देव, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्व भाद्रपद, उत्तरा भाद्रपद और रेवती नक्षत्र में विचरण करते हैं, तो उस को पंचक कहा जाता है। 05 दिनों तक चलने के कारण ही इसे पंचक कहा जाता है। ऐसे में चलिए पंडित हर्षित शर्मा जी से जानते हैं फरवरी माह में पंचक का समय। साथ ही जानते हैं कि इस दौरान किन बातों का खासतौर से ख्याल रखना चाहिए।

पंचक समय –वैदिक पंचांग के अनुसार, पंचक का प्रारंभ गुरुवार, 30 जनवरी को 06 बजकर 37 मिनट से शुरू हो रहा है, जिसका समापन सोमवार, 3 फरवरी को रात्रि 11 बजकर 20 मिनट पर होगा। वहीं फरवरी माह में दूसरी बार पंचक गुरुवार, 27 फरवरी, 2025 सुबह के 04 40 मिनट से शुरू होगा, जिसका समापन रविवार, 02 मार्च को सुबह 08 बजकर 59 मिनट पर होगा।

नहीं होते ये कार्य – हिंदू धर्म में पंचक की अवधि में कोई भी धार्मिक या मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, नए काम की शुरुआत करना या घर बनाना आदि नहीं माना जाता। इसी के साथ पंचक में पैसों से जुड़ा लेन-देन या फिर दक्षिण दिशा की तरफ यात्रा भी नहीं करनी चाहिए। साथ ही इस अवधि में चारपाई बनाने या छत ढलवाने की भी मनाही होती है।

ध्यान रखें ये बातें – पंचक में तामसिक भोजन नहीं करना चाहिए न ही नाखून और बाल कटवाने चाहिए। पंचक में दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ नहीं मानी गई। लेकिन अगर आपको किसी जरूरी काम से इस अवधि में दक्षिण की ओर यात्रा करनी पड़ रही है, तो यात्रा आरंभ करने से पहले कुछ कदम पीछे मुड़ें और इसके बाद यात्रा करें।

शुक्रवार को दिन करें मां लक्ष्मी के नामों का मंत्र जप, बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

वैदिक पंचांग के अनुसार, शुक्रवार 31 जनवरी को वैभव लक्ष्मी व्रत है। यह पर्व हर शुक्रवार के दिन जाता है। इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

ज्योतिषियों की मानें तो वैभव लक्ष्मी रखने से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी बिगड़े काम बन जाते हैं। मां लक्ष्मी की उपासना करने से कुंडली में शुभ ग्रह मजबूत होते हैं। अतः साधक श्रद्धा भाव से शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं। अगर आप धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा पाना चाहते हैं, तो शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय मां लक्ष्मी के नामों का मंत्र जप करें।

कौन पहन सकता है मोती? नियम के अनुसार धारण करने से होगा लाभ

ज्योतिष शास्त्र में ग्रह से संबंधित रत्न भी बताए गए हैं, जिन्हें अपनी कुंडली के अनुसार धारण करने से व्यक्ति को बड़ी-से-बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है। आज हम मोती रत्न की बात करने जा रहे हैं। अगर आप इसे धारण करते समय कुछ बातों का ध्यान रखते हैं, तो इससे जीवन में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि किन लोगों को मोती पहनने से लाभ मिल सकता है।

अनगिनत हैं फायदे

मोती का संबंध चंद्रमा से माना जाता है, इसलिए इसे पहनने से मन शांत रहता है और गुस्से काबू बना रहता है। इससे नकारात्मक विचार भी दूर होते हैं और व्यक्ति के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी होती है। साथ ही इससे आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है और साधक को कारोबार में तरक्की मिलती है। इतना ही नहीं, अगर आपके वैवाहिक जीवन में मनमुटाव की स्थिति बनी हुई तो मोती धारण करने से आपको उसमें भी लाभ देखने को मिल सकता है।

किन्हें पहनना चाहिए मोती

कर्क राशि के जातकों के लिए मोती पहनना ही शुभ माना जाता है, क्योंकि इस राशि के ग्रह स्वामी भी चंद्र देव ही हैं। इन लोगों को धारण करने से मानसिक शांति का अनुभव होता है। इसके साथ ही कुंभ, वृषभ और मकर राशि के जातकों के लिए भी मोती धारण करना फायदेमंद साबित हो सकता है।

जान लें जरूरी नियम

आपको मोती पहनने के लाभ तभी मिल सकते हैं, जब आप इससे जुड़े कुछ नियमों का भी ध्यान रखें। अगर आप मोती को अंगूठी के रूप में धारण कर रहे हैं, तो इसे हमेशा चांदी की अंगूठी में लगवाकर पहनना चाहिए।

साथ ही इसे किसी भी महीने के शुक्ल पक्ष के सोमवार या फिर पूर्णिमा तिथि पर धारण करें। मोती धारण करने पहले इसे गंगाजल या गाय के कच्चे दूध में भिगोकर रखना चाहिए। इसके बाद 'ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चंद्रमसे नमः ' का 108 बार जप करें। अब भगवान शिव की विधिवत पूजा कर मोती को उनके चरणों में अर्पित करने के बाद ही धारण करें।

मोती किसे करना चाहिए धारण

अगर आप पर चंद्रमा की महादशा चल रही है तो आप लोग मोती पहन सकते हैं। वहीं अगर कुंडली में चंद्रमा कमजोर स्थित है तो भी आप मोती पहन सकते हैं लेकिन चंद्रमा नीच का होने पर मोती नहीं पहनना चाहिए। वहीं अगर आपकी कर्क लग्न या कर्क राशि है तो आप कुंडली दिखाकर मोती पहन सकते है। वहीं मोती के साथ कभी नीलम और गोमेद नहीं धारण करना चाहिए। अन्यथा नुकसान हो सकता है।

ऐसा होता है मोती

मोती रत्न गोल और सफेद रंग का होता है। जो समुद्र में सीपियों से प्राप्त किया जाता है। वहीं बाजार में कई तरह के मोती मिलते हैं। लेकिन सबसे अच्छा मोती साउथ सी का माना जाता है। यह अन्य मोतियों की मुकाबले थोड़ा मंहगा आता है।

ये लोग धारण कर सकते हैं मोती

ज्योतिष शास्त्र अनुसार अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा ग्रह कमजोर या अशुभ स्थित है तो भी मोती धारण कर किया जा सकता है। साथ ही मेष ,कर्क ,वृश्चिक और मीन लग्न के लिए मोती धारण करना उत्तम माना जाता है। चंद्रमा की महादशा होने पर मोती पहनना अच्छा माना जाता है। लेकिन अगर कुंडली में नीच का चंद्रमा स्थित हो या चंद्रमा शनि और राहु के साथ विराजमान हो तो मोती नहीं पहना चाहिए।

मोती धारण करने से मिलते हैं ये लाभ

मोती रत्न का संबंध मां लक्ष्मी से माना जाता है। इसलिए मोती धारण करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। साथ ही इसके धारण करने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति में सुधार आता है। वहीं मोती धारण करने से गुस्सा कंट्रोल में रहता है। वहीं मन स्थिर रहता है। साथ ही जिन लोगों को डिप्रेशन रहता है, वो लोग भी मोती पहन सकते हैं।

इस विधि से करें मोती धारण

मोती रत्न को सोमवार के दिन धारण करना चाहिए। वहीं इसे चांदी के धातु में जड़वाकर पहना जा सकता है। साथ ही मोती रत्न को सोमवार को शाम के समय पहना जा सकता है। वहीं मोती की अंगूठी को पंचामृत में डुबाकर फिर गंगाजल से शुद्ध कर लें, फिर इसको धारण कर लें।

मोती रत्न का मंत्र :- मोती रत्न बहुत ही चमत्कारी रत्न है और इसके बहुत से फायदे है इसको हर कोई धारण कर सकता हैं लेकिन जब भी हम मोती रत्न को धारण करते है तब हमें मंत्र की जरूरत पड़ती है मंत्र इस प्रकार से हैं ।

ॐ चं चन्द्राय नमः यह मोती रत्न विशेष मंत्र है इस मंत्र को चंद्रग्रह का मंत्र भी कहा जाता है।

मोती रत्न किस दिन पहनना चाहिए ?

आज हम आपको इसके बारे में बताएंगे मोती रत्न को सोमवार के दिन पहनना या धारण करना चाहिए क्योंकि मोती रत्न के लिए सही दिन सोमवार को बताया गया है सोमवार का दिन चन्द्र देव का दिन होता है इस दिन मोती रत्न को धारण करने से अधिक लाभ मिलता है ।

मोती पहनने के फायदे ही नहीं, नुकसान भी हैं, जानिए

अधिकतर लोग मोती को चांदी की अंगुठी में जड़वाकर पहनते हैं और कुछ लोग मोतियों की माला भी पहनते हैं। मोती और चांदी दोनों ही चंद्र और ग्रह से संबंधित रत्न हैं। यह शरीर के जल तत्व और कफ को नियंत्रित करते हैं। मोती पहनने के फायदे ही नहीं नुकसान भी होते हैं। इसीलिए इसे किसी ज्योतिष या रत्नों के जानकार की सलाह के अनुसार पहनना चाहिए।

मोती पहने के फायदे :

✻ मेष, कर्क, और मीन लग्न के लिए मोती धारण करना लाभदायक है जबकि सिंह, तुला और धनु लग्न वालों को विशेष दशाओं में ही मोती धारण करने की सलाह दी जाती है। इसके पहनने से मन में सकारात्मक विचार उत्पन्न होते हैं।

✻ ऐसा कहा जाता है कि गोल आकार का उत्तम प्रकार का होता है। गोल आकार का पीले रंग का मोती हो तो ऐसा मोती धारण करने से धारणकर्ता विद्वान होता है।

✻ मोती आकार में लंबा तथा गोल हो एवं उसके मध्य भाग में आकाश के रंग जैसा वलयाकार, अर्द्ध चंद्राकार चिह्न हो तो ऐसा मोती धारण से धारणकर्ता को उत्तम पुत्र की प्राप्ति होती है।

✻ मोती यदि आकार में एक ओर अणीदार हो तथा दूसरी ओर से चपटा हो तथा उसका रंग सहज आकाश के रंग की तरह हो तो ऐसा मोती धारण करने से धारणकर्ता के धन में वृद्धि होती है।

✻ मोती प्रयोग से मन मजबूत और दिमाग तेज होता है। साथ ही चंद्रमा की समस्याओं को शांत किया जा सकता है। इसके पहनने से मन में सकारात्मक विचार उत्पन्न होते हैं।

मोदी पहनने के नुकसान :

✻ अत्यधिक भावुक लोगों और क्रोधी लोगों को चांदी या मोती नहीं पहनना चाहिए। उनकी भावुकता या क्रोध में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

✻ ज्योतिष के अनुसार चंद्र 12वें या 10वें घर में है तो मोती नहीं पहनना चाहिए।

✻ ज्योतिष के अनुसार ही वृष, मिथुन, कन्या, मकर और कुम्भ लग्न के लिए मोती धारण करना नुकसानदायक है।

✻ यह भी कहा है कि शुक्र, बुध, शनि की राशियों वालों को भी मोती धारण नहीं करना चाहिए।

✻ कहते हैं कि मोती के साथ हीरा, पन्ना, नीलम और गोमेद धारण करने से नुकसान होता है। मोती के साथ पीला पुखराज और मूंगा ही धारण कर सकते हैं।

✻ यदि आपका मन है या कुंडली में चंद्रमा क्षीण है तो मोदी पहनने की सलाह दी जाती है। लेकिन यदि आपकी प्रकृति शीत वाली है तो मोती पहनने से नुकसान हो सकता है।

✻ ज्योतिष के अनुसार मेष, सिंह और धनु राशि वालों के लिए चांदी बहुत अच्छी नहीं होती है।

✻ में चंद्र अशुभ प्रभाव दे रहा हो, तो चांदी या मोती से बनी कोई भी वस्तु न तो दें और न ही लें।

✻ शरीर में जल तत्व और कफ की प्रकृति को समझकर ही चांदी या मोती पहने अन्यथा नुकसान होगा। चांदी के साथ अन्य धातु मिलाकर ना

कैसे धारण करें मोती को ?

मोती को चांदी की अंगूठी में कनिष्ठा अंगुली में शुक्ल पक्ष के सोमवार की रात्रि को धारण करते हैं। कुछ लोग इसे पूर्णिमा को भी धारण करने की सलाह देते हैं। इसे गंगाजल से धोकर, शिवजी को अर्पित करने के बाद ही धारण करें।

स्थिति में मोती पहनें–

नीच राशि (वृश्चिक) में हो तो मोती पहनें।
चंद्रमा की महादशा होने पर मोती अवश्य पहनें।
चंद्रमा राहु या केतु की युति में हो तो मोती पहनें।
– चंद्रमा पाप ग्रहों की दृष्टि में हो तो मोती पहनें।
6, 8, या 12 भाव में चंद्रमा तो मोती पहनें।
चंद्रमा क्षीण हो या सूर्य के साथ हो तो भी मोती पहनें। चंद्रमा क्षीण हो, कृष्ण पक्ष का जन्म हो तो भी मोती पहनें।

धर्मेंद्र ने बताई सनी देओल की हसरत 'बच्चों' को दिया खास संदेश

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र अपने खास अंदाज के साथ सोशल मीडिया पर उपस्थिति बनाए रखते हैं। लेटेस्ट पोस्ट में अभिनेता ने न केवल अपने बड़े बेटे की हसरत बताई बल्कि बच्चों और उनके परिजनों से जुड़ी खूबसूरत बात को बड़ी सादगी से बयां किया।

दिग्गज अभिनेता का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी शानदार पोस्ट से भरा पड़ा है। इन पोस्ट में एक और अध्याय जुड़ गया है! उन्होंने एक खूबसूरत नोट लिखा है। कैप्शन में लिखा, दोस्तों, सनी की हसरत थी कि मैं बर्फीली पहाड़ों में सनी (सनी देओल) के साथ यहां समय गुजारूं।

बड़े बेटे की हसरत बताने के साथ ही उन्होंने बच्चों से उनके माता-पिता को भी खूब प्यार और इज्जत करने की बात कही। 'हीमैन' के नाम से मशहूर अभिनेता ने आगे लिखा, बच्चों, प्लीज, जितना हो सके अपने माता-पिता से प्यार करें। सादगी से भरे खूबसूरत कैप्शन के साथ अभिनेता ने अपनी एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह एक चेयर पर बैठे हंसते नजर आए। काले रंग के कैप के साथ अभिनेता ने उसी रंग के गर्म कपड़ों में नजर आए।

अभिनेता ने रविवार को गणतंत्र दिवस के मौके पर अपनी देशभक्ति से भरी कुछ पुरानी फिल्मों के कलेक्शन के साथ प्रशंसकों को बधाई दी थी। धर्मेंद्र ने इससे पहले इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर अपनी एक तस्वीर साझा की थी, जो कि ताशकंद म्यूजियम में लगी हुई है। युवा समय की तस्वीर में अभिनेता अपने पुराने अंदाज में नजर आए थे। दिग्गज अभिनेता अक्सर खास मैसेज या भावुक पोस्ट के साथ प्रशंसकों से रूबरू होते रहते हैं। दिवंगत अभिनेता, निर्माता-निर्देशक राज कपूर की जयंती पर भी उन्होंने एक पुरानी तस्वीर के साथ दिल को छू लेने वाली बात कही थी!

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा था, प्रिय राज साहब, आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हम आपको बहुत याद करते हैं! आपको हमेशा प्यार और सम्मान के साथ याद किया जाएगा। साझा की गई ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर में धर्मेंद्र और राज कपूर एक-दूजे को गले लगाते और मुस्कुराते नजर आए थे।

रवि तेजा फैंस को मिला बड़ा तोहफा

फिल्म मास जतारा का टीजर रिलीज

साउथ अभिनेता रवि तेजा के जन्मदिन के मौके पर उनकी आगामी फिल्म मास जतारा का दमदार टीजर जारी हो गया है, जिसमें अभिनेता पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आ रहे हैं। वे अपनी आगामी फिल्म मास जतारा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अब अभिनेता के जन्मदिन के खास मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने मास जतारा का दमदार टीजर जारी किया है, जिसमें रवि तेजा की झलक भी देखने को मिली। फिल्म की पहली झलक में रवि तेजा पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाते हुए नजर आ रहे हैं।टीजर में रवि तेजा को दमदार अंदाज में दिखाया गया है। उन्हें गुंडों से लड़ते हुए जबरदस्त एक्शन सीन्स करते नजर आए। मास जतारा की पहली झलक साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, स्वैग। ऊर्जा। वाइब। मास महाराज रवि तेजा एक ऑल राउंड शो देने के लिए यहां हैं। मास जतारा- मास रैम्पेज की झलक अब सामने आई है।मास

जतारा में कॉमेडी का तड़का लगाया जाएगा। मास जतारा के जरिए निर्देशन की दुनिया में भानु भोगवरपु ने कदम रखा है, जिन्होंने रवि तेजा को हास्यपूर्ण और मनोरंजक अवतार में प्रभावशाली ढंग से पेश किया है। श्रीलीला ने फिल्म में मुख्य महिला की भूमिका निभाई है, हालांकि वह टीजर में नहीं दिखाई गई हैं। इस प्रोजेक्ट का निर्माण नागा वामसी और त्रिविक्रम श्रीनिवास के नेतृत्व में सीथारा एंटरटेनमेंट द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।मास जतारा की शूटिंग के दौरान रवि तेजा के दाहिने हाथ की मांसपेशियों में चोट लग गई थी। चोट के बावजूद, अभिनेता ने शूटिंग जारी रखने का फैसला किया और इस फैसले से चोट और गंभीर हो गई। मास जतारा को मूल रूप से संक्रांति 2025 के दौरान रिलीज किया जाना था। हालांकि, फिल्म में देरी होने के कारण इसकी रिलीज टाल दी गई। अब प्रशंसक नई रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं।

बनारसी साड़ी पहन मृणाल ठाकुर ने दिखाईं दिलकश अदाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोशूट की बेहद ही ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट की गई तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने पर्पल कलर की फ्लोरल लुक में साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं।कानों में इयररिंग्स, हाथों में कंगन, माथे पर बिंदी, बालों का जुड़ा बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- आप कितनी सुंदर हैं। तीसरे यूजर ने लिखा है- बोल्ड एंड ब्यूटिफुल।

अर्शी भारती की अदाओं ने जीते दिल, 90 सेकेंड की प्रेम कहानियों का डिजिटल की दुनिया में नया धमाका

अभिनेत्री अर्शी भारती इन दिनों ओटीटी की नई सेंसेशन हैं। इसकी वजह है ओटीटी का वह प्रयोग जिसमें एफएम चैनलों की तरह कहानी को 90 सेकंड में कहने का जोर पकड़ रहा है। अर्शी भारती ने जब से अपने सोशल मीडिया पर अपनी डेब्यू सीरीज दिल तू जान तू का ट्रेलर साझा किया है, इस नए विचार की पूरे मुंबई मनोरंजन जगत में चर्चाएं हो रही हैं। वर्टिकल फॉर्मेट में बनी इस सीरीज से ही अर्शी का ओटीटी डेब्यू हो रहा है।छोटे परदे पर अर्शी भारती खूब कमाल दिखा चुकी हैं। व्हिसलिंग वूड्स इंटरनेशनल से निकलने के बाद अर्शी ने किशोर नमित कपूर के यहां से भी एक्टिंग का डिप्लोमा कोर्स किया और अपने पहले ही मौके में वह दर्शकों को आकर्षित करने में कामयाब रहीं। अर्शी को पहला मौका निर्देशक आशुतोष गोवारिकर की फिल्म पानीपत में कैमरे के सामने पहला ब्रेक मिला। इस फिल्म में वह कृति सैनन की सखी बनी हैं। और, इसके बाद जब वह तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दिखीं तो लोग बस उन्हें देखते ही रह गए।अर्शी बताती हैं, मैंने सोनी टीवी का शो बरसातें प्यार का किया तो मेरे पास बहुत सारे फोन आए। इसमें मैंने शिवांगी जोशी की दोस्त का किरदार निभाया है।

अभिनय और किरदार का रोमांच मुझे एक और स्तर ऊपर ले गया स्टार प्लस के शो रब राखा में जिसमें मुझे एक को पायलट का किरदार करने का मौका मिला। अर्शी आवाज की दुनिया में भी अच्छी पहचान बना रही है और उनकी आवाज कई ओटीटी सीरीज और फिल्मों में बतौर वॉयस आर्टिस्ट सुनाई देने लगी है। वेब सीरीज दिल तू जान तू का जिक्र चलने पर वह बताती हैं, ये मेरी पहली ओटीटी सीरीज है। मान सकते हैं कि ये मेरा ओटीटी डेब्यू है। लेकिन, उससे भी बड़ी बात ये है कि ये देश में ओटीटी पर वर्टिकल सीरीज और सिर्फ डेढ़ मिनट यानी 90 सेकेंड में कहानी कहने की परंपरा को मजबूती दे रही है। इसके पहले नौ एपिसोड ओटीटी रीलीज पर जारी हो चुके हैं, अगले नौ एपिसोड अगले हफ्ते रिलीज होने वाले हैं।

आमतौर पर ओटीटी पर दिखने वाली कहानियां क्षैतिजाकार (हॉरिजॉन्टल) तरीके से शूट की जाती है यानी कि वीडियो देखने के लिए मोबाइल को घुमाकर पकडऩा होता है। पर अब अमेरिका में कुछ ऐसे ओटीटी की खूब धूम मची है जिनमें वीडियो उर्ध्वाकार (वर्टिकल) तरीके से शूट किए जा रहे हैं। रीलीज ओटीटी की पहचान इन्हीं वर्टिकल वीडियो सीरीज के चलते बनती दिख रही है। इसमें एपिसोड भी छोटे छोटे रखे जा रहे हैं।

विजय की आखिरी फिल्म थलापति 69 का टाइटल और लुक रिवील

जनता के जन नायक बने तमिल सुपरस्टार

फिल्मों से पॉलिटिक्स में जाने वाले तमिल सुपरस्टार थलापति विजय की आखिरी फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जब से फिल्म का अनाउंसमेंट हुआ तब से दर्शक इसके टाइटल, फिल्म से विजय के फर्स्ट लुक और हर एक अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। विजय की आखिरी फिल्म थलापति 69 है जिसके टाइटल के लिए मेकर्स ने 26 जनवरी का दिन चुना था और वादे के मुताबिक रिपब्लिक डे पर मेकर्स ने फिल्म का टाइटल और विजय का फर्स्ट लुक रिवील कर दिया है।केवीएन प्रोडक्शन ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर विजय की आखिरी फिल्म का पोस्टर रिलीज किया और इसके साथ ही इसका टाइटल भी अनाउंस कर दिया है। इसका टाइटल है- जन नायगन। पोस्टर रिलीज करते हुए मेकर्स ने लिखा, हम उन्हें जन नायगन बुला सकते हैं, थलापति 69 का फर्स्ट लुक। जन नायगन साउथ स्टार विजय की आखिरी फिल्म है।

टाइटल और फर्स्ट लुक से साफ पता चला रहा है कि यह फिल्म पॉलिटिक्स से जुड़ी होगा क्योंकि पहले रिलीज किए गए पोस्टर पर लिखा है- द टॉर्च बियरर ऑफ डेमोक्रेसी। बता दें इस फिल्म के बाद विजय फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कहकर अपने पॉलिटिकल करियर पर ध्यान देंगे। उनकी पॉलिटिकल पार्टी का नाम है- तमिलगा वैत्री कझगम। विजय ने अपनी पहली राजनीतिक रैली में फिल्म इंडस्ट्री छोडऩे की खबरों पर कहा है, मैं अपना हिट करियर और मोटी कमाई वाली सैलरी को छोड़ आपके पास आया हूं, जनता की सेवा करने आया हूं।थलापति विजय की यह फिल्म अक्टूबर 2025 में रिलीज होगी। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म के लिए सुपरस्टार ने अब तक की सबसे ज्यादा 275 करोड़ रुपये फीस ली है। वर्कफ्रंट की बात करें तो विजय की पिछली फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम थी जो कि बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही। इसे वेंकट प्रभु ने निर्देशित किया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा। लेकिन छोटी-मोटी बातों पर आपा खोने से बचें, क्योंकि इससे आपके हितों को नुक़सान पहुँचेगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। अलग-अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद-विवाद हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया करिअर के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान से सुकून मिलेगा। आर्थिक तौर पर बेहतरी के चलते आपके लिए ज़रूरी चीज़ें ख़रीदना आसान होगा। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। अपनी महत्वाकांक्षाओं को माता-पिता को बतलाने का सही समय है। वे आपको सहयोग देंगे। आपको भी ध्यान केंद्रित कर कड़ी मेहनत करने की ज़रूरत है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है– जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी-सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं , मुमकिन है कि आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें , आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं पूर्णरूपेण सहयोग न मिलने के कारण आप निराश भी हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएँ। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। परन्तु ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा अनुभव नहीं कर पाएंगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खुला हुआ सामान न खाएँ, नहीं तो सेहत डांवाडोल हो सकती है। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बाटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर-सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 31 जनवरी 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया दोपहर 02:01 तक
नक्षत्र : शतभिषा रात्रि 04:15 तक
योग : वरियान सायं 03:32 तक
करण : कौलव 02:01 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:48 , सूर्यास्त 06:10 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:20 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:12 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:03 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गुप्त नवरात्र चालू है , पंचक चालू है

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

जयपुर,30 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि (शहीद दिवस) पर प्रातः शासन सचिवालय पहुंचे। शर्मा ने सचिवालय स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। भजनलाल शर्मा ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने प्रतिमा के समक्ष बैठकर गांधी के प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिये, रघुपति राघव राजा राम, राम रतन धन पायो, श्री राम जय राम, तू ही है तो सहारा' सुने।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा सहित अन्य मंत्रीगण, मुख्य सचिव सुधांश पंत, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव, सचिवालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं अधिकारी-कर्मचारियों ने भी मौन रखकर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बसपा नेता हत्याकांड का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में ढेर

अंबाला,30 जनवरी (एजेंसियां)। अंबाला के नारायणगढ़ में हाल ही में बसपा नेता हरबिलास रज्जूमाजरा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड के मुख्य आरोपी सागर को पुलिस और एसटीएफ की टीम ने मुठभेड़ में मार गिराया है।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुठभेड़ अंबाला के एम. महाराणा प्रताप नेशनल कॉलेज के पास हुई। सागर का शव छावनी के सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस के 2 से 3 जवान भी घायल हुए हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दो ट्रकों व एक टैंकर की भिड़त में एक की मौत

भरतपुर,30 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के गहनौली थाना इलाके में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। यहां, दो ट्रकों और एक टैंकर की टक्कर में एक ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि दूसरे ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना धौलपुर-भरतपुर हाईवे पर हुई, जिससे एक घंटे तक जाम लगा रहा। गहनौली थाना अधिकारी विजय सिंह छौंकर ने बताया कि यह घटना जंगी के नगला इलाके में हुई। एक तारकोल का टैंकर भरतपुर से धौलपुर की ओर जा रहा था, जबकि उसके पीछे चावल के कट्टों से भरा एक ट्रक था। अचानक ट्रक अनियंत्रित होकर टैंकर से टकरा गया। टक्कर के बाद चावल का ट्रक सामने से आ रहे सीमेंट से भरे ट्रक से भी टकरा गया।घटना में चावल और सीमेंट ट्रक के ड्राइवर केबिन में फंस गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों ड्राइवरों को बाहर निकाला।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 में दिखेंगे शब्द कला और संस्कृति के खूबसूरत रंग

जयपुर,30 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) साहित्यिक विचारों को बढ़ावा देने और विश्व के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा का मंच प्रदान करने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। 30 जनवरी से लेकर 3 फरवरी, 2025 तक चलने वाला यह फेस्टिवल साहित्य, राजनीति, विज्ञान और कला के दिग्गजों को एक साथ लाकर विविध दृष्टिकोणों और सार्थक संवाद का एक गतिशील मंच प्रस्तुत करेगा।

वेदांता अपनी सामाजिक पहल अनिल अग्रवाल फाउंडेशन (आफ) के माध्यम से 'आफ बगान' प्रस्तुत कर रहे है। यह अनुभव केंद्र (आर्ट इन एवरी हार्ट) की भावना को जीवंत बनाने पर केंद्रित है। यह ग्रामीण जीवन की झलक को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पारंपरिक शिल्पकला और कौशल विकास कार्यशालाओं के माध्यम से आगंतुकों के सामने पेश करेगा।

जयपुर की भव्य विरासत की पृष्ठभूमि में आयोजित यह फेस्टिवल न सिर्फ साहित्य की विविधता का उत्सव मनाएगा, बल्कि संवाद, खोज और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के एक सक्रिय मंच के रूप में भी खुद को स्थापित करेगा। भारत की सांस्कृतिक विविधता और विकास पहलों का उत्सव मनाने वाला यह केंद्र आपके अनुभव को और भी खास बनाएगा। यहाँ आप ब्लॉक प्रिंटिंग, कठपुतली कला, मेहंदी डिज़ाइन, चूड़ी निर्माण और अन्य पारंपरिक कलाओं में भाग ले सकते हैं। साथ ही कालबेलिया नृत्य और मांगणियारों की सुमधुर संगीत प्रस्तुतियों का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

हिंदुस्तान ज़िंक की 'सखी' और 'माइक्रो एंटरप्राइज़' पहलों के तहत महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित 'उपाया' ब्रांड के प्रीमियम वस्त्र और 'दाइची' रेंज के स्वादिष्ट खाद्य उत्पाद यहाँ शामिल होंगे।

सोलर लैम्पों से सूर्य की सबसे बड़ी आकृति बनाकर बनाया गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड

उदयपुर,30 जनवरी (एजेंसियां)। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बुधवार को सोलर लैम्पों से सूर्य' की सबसे बड़ी आकृति बनाकर सूर्योदय अभियान' का शुभारंभ कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने डॉ. लक्ष्यराज सिंह को सोलर लैम्पों के संग्रह से दुनिया में पहली बार सूर्य' की सबसे बड़ी आकृति बनाकर इस विश्व कीर्तिमान से सिटी पैलेस में सम्मानित किया है। डॉ. लक्ष्यराज सिंह का समाज सेवा के विभिन्न प्रकल्पों में यह नौवां गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि सूर्योदय अभियान' की शुरूआत का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को सोलर लैंप वितरित कर उनको घरों को सौर ऊर्जा से रोशन कर पर्यावरण संरक्षण की जीवंत पहल करना है।सौर ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण की पहल होगी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर बिजली के बिलों का भार नहीं आएगा। सौर ऊर्जा के माध्यम से परिवार आत्मनिर्भर बनेंगे और उन्हें बाहरी ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। डॉ. लक्ष्यराज सिंह पिछले 7 साल में समाज सेवा-पर्यावरण संरक्षण-महिला स्वच्छता प्रबंधन, शिक्षा जैसे विषयों पर 9 गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित कर चुके हैं।

बीकानेर कलेक्ट्रेट के 66 कार्मिक पदोन्नत, जिला कलेक्टर ने जारी किए आदेश

बीकानेर,30 जनवरी (एजेंसियां)। कलेक्ट्रेट के राजस्व मंत्रालयिक, वाहन चालक और चतुर्थ श्रेणी संवर्ग के 66 कार्मिकों की पदोन्नति आदेश जारी किए गए हैं। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने विभागीय पदोन्नति समिति की अभिशंसा पर यह आदेश जारी किए हैं। आदेश अनुसार संस्थापक अधिकारी के दो, प्रशासनिक अधिकारी के 6, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के 10, सहायक प्रशासन अधिकारी और वरिष्ठ सहायक के 23-23 तथा जमादार और वाहन चालक के एक-एक पद पर पदोन्नति आदेश जारी किए गए हैं। सभी पदोन्नत कार्मिकों को आगामी आदेश तक अपने पद पर यथावत कार्य करने तथा पदोन्नति उपरांत कार्य ग्रहण करने की सूचना आगामी 7 दिनों में उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए हैं। पदोन्नति आदेश जारी होने पर कलेक्ट्रेट के राजस्व मंत्रालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अशोक सिंह गौड़, निजी सहायक शिवकुमार व्यास सहित अन्य कार्मिकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

उद्यमियों द्वारा दिए गए सुझावों को ज्यादा से ज्यादा आगामी बजट में किया जाएगा शामिल : सैनी

चंडीगढ़,30 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को बजट 2025-26 के लिए पानीपत में कपड़ा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक की। इस मौके पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री ने कहा कि कपड़ा उद्योग जगत के साथ जो विचार विमर्श हुआ है और सुझाव लिए गए हैं, उन्हें आगामी बजट में ज्यादा से ज्यादा शामिल करने पर पूर्ण रूप से विचार किया जाएगा ताकि उद्योग जगत प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं का पूर्ण रूप से लाभ उठा सके और रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर पैदा किए जा सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्यमी अपने सुझाव सरकार द्वारा बनाए गए पोर्टल पर या लिखित रूप से भी दे सकते हैं। उन सुझावों के आधार पर प्रदेश को सामाजिक आधारभूत ढांचे और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए बजट में नई योजनाएं बनाई जा सकें।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा टेक्सटाइल को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नीति बनाई है। लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और वर्तमान हरियाणा सरकार स्वरोजगार को प्रेरित करने के लिए कार्य कर रही है। सरकार का प्रयास है कि देश के विकास में उद्योग जगत की अहम भागीदारी होनी चाहिए। नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक समावेशी बजट की परिकल्पना को साकार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों से सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं ताकि प्राप्त बेहतरीन सुझावों को राज्य सरकार के बजट में शामिल किया जा सके। उन्होंने कहा कि पहली बार राज्य सरकार ने एक व्यवस्था आरंभ की है, जिसमें प्रदेश का कोई भी व्यक्ति घर बैठकर भी ऑनलाइन माध्यम से बजट संबंधी सुझाव दे सकता है। इसके लिए एक समर्पित पोर्टल तैयार किया गया। अब तक प्रदेशभर में विभिन्न वर्गो के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बजट पूर्व परामर्श में 9 हजार सुझाव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि बजट पूर्व परामर्श बैठकें करने का उद्देश्य है कि समाज के हर वर्ग के कल्याण व आर्थिक उन्नति के लिए योजनाएं बनाई जा सकें।

आरबीएम अस्पताल में शराब पार्टी मामला

एडीएम राहुल सैनी ने किया निरीक्षण, जांच जारी

भरतपुर,30 जनवरी (एजेंसियां)। भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में नर्सिंगकर्मियों द्वारा शराब पार्टी किए जाने का वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। जिला कलेक्टर के निर्देश पर एडीएम सिटी राहुल सैनी ने बुधवार देर रात अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने वार्डों में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर इस मामले की पड़ताल की।

एडीएम सिटी ने उस कमरे का भी निरीक्षण किया, जहां शराब पार्टी होने की बात सामने आई थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह वीडियो हाल-फिलहाल का नहीं बल्कि पुराना हो सकता है, जिसकी जांच जारी है। दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एडीएम सिटी राहुल सैनी ने बताया कि वीडियो वायरल होते ही जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने उन्हें मौके पर जाकर जांच करने के निर्देश दिए थे। अस्पताल के विभिन्न वार्डों में मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत की गई, जिन्होंने बताया कि स्टाफ का व्यवहार सहयोगात्मक है और ऐसी किसी घटना की जानकारी उन्हें नहीं है। स्टाफ से भी बातचीत के बाद फिलहाल ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई है। हालांकि, जिस कमरे में शराब पार्टी होने की बात कही जा रही है, वहां हाल ही में साफ-सफाई, पुट्टी और ट्यूब लाइट हटाने का काम किया गया था। एक कर्मचारी ने ऑफ कैमरा बताया कि कमरे में बदलाव किए गए हैं, जिससे यह संभावना जताई जा रही है कि वीडियो पुराना हो सकता है।

सिरसा के दक्षिण बाइपास को लेकर सैलजा ने गडकरी को लिखा पत्र

चंडीगढ़,30 जनवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने सिरसा के दक्षिण बाइपास निर्माण को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर कहा कि इसके निर्माण से एक ओर जहां सिरसा शहर को यातायात जाम से निजात मिलेगी वहीं राजस्थान की ओर आने-जाने वाले वाहन चालकों को आसानी होगी। साथ ही यह बाइपास बाद में जालंधर-तारानगर हाईवे का हिस्सा बन जाएगा।

कुमारी सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को लिखे पत्र में कहा है कि उनके लोकसभा क्षेत्र सिरसा में दक्षिणी बाइपास का प्रस्ताव पिछले कई वर्षों से सरकार के समक्ष सक्रिय रूप से विचाराधीन है। हिसार, बरनाला-डबवाली, बरनाला-मानसा और फतेहाबाद से सिरसा होते हुए राजस्थान के नोहर, भादरा, हनुमानगढ़ और सिरसा से ऐलनाबाद जाने वाले वाहनों को सिरसा शहर के बीच से होकर गुजरना पड़ता है, जिसके कारण शहर में हमेशा ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे वाहन चालकों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी काफी असुविधा होती है। यहां तक कि कई बार एंबुलेंस भी इस जाम में फंस जाती है, जिससे मरीज की कीमती जान खतरे में पड़ जाती है।

कुमारी सैलजा ने पत्र में लिखा है कि प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्ष 2018 में गांव बाजेकां (सिरसा) से जमाल (सिरसा) तक मिनी बाईपास (साउथ बाईपास) बनाने की घोषणा की थी साथ ही सरकार ने इसके लिए 10 करोड़ रुपए की राशि भी स्वीकृत की थी, लेकिन अधिकारियों ने इसे अपनी रिपोर्ट में इसे नकार दिया। ऐसी स्थिति में समस्या अभी भी बनी हुई है।

50 करोड से अधिक गबन में सहायक खजाना अधिकारी गिरफ्तार

पलवल,30 जनवरी (एजेंसियां)। एसीबी फरीदाबाद द्वारा कार्यालय खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, हसनपुर जिला फरीदाबाद व फर्म मैसर्ज दीपक, मेन पावर सर्विस व अन्य नामालूम अधिकारी/कर्मचारी व अन्य प्राईवेट व्यक्तियों के विरूद्ध 50 करोड रूपए राशि के घपले में एक अन्य आरोपी विजेन्द्र कुमार, सहायक खजाना अधिकारी, हथीन को भी गिरफ्तार किया गया है। उसका न्यायालय से पुलिस रिमांड लिया जाएगा। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इसी मामले में एसीबी की फरीदाबाद टीम द्वारा आरोपी राकेश कुमार, लिपिक कार्यालय बी.डी.पी.ओ., हसनपुर, जिला पलवल, आरोपी सतपाल, कर्मचारी कार्यालय खजाना अधिकारी, होडल, जिला पलवल व आरोपी शमशेर सिंह, सेवानिवृत, अनुभाग अधिकारी कार्यालय निदेशक, विकास एंव पंचायत विभाग, हरियाणा को पहले ही गिरफतार किया जा चुका है।

उपरोक्त तीनो आरोपी अभी पुलिस रिमांड पर है। उपरोक्त सभी गिरफतार आरोपियों से सरकार की गबन की गई राशी के सम्बन्ध में बरामदगी बारे व इस प्रकरण में किसी सरकारी अधिकारी/कर्मचारी व अन्य प्राईवेट व्यक्ति की संलिप्पता व्यक्तियों बारे पूछताछ की जा रही है।

केजरीवाल ने लोगों के लिए टेरर क्रिएट करने की कोशिश की : अनिल विज

चंडीगढ़,30 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज अरविंद केजरीवाल बयान के बाद सोनीपत के राई से सिंचाई विभाग के अधिकारी आशीष कौशिक ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दायर की मामले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मामला दर्ज हुआ है तो जांच होगी, वो (केजरीवाल) बताएं कि किसने मिलाया पानी में जहर, उनको बताना पड़ेगा। वहीं, केजरीवाल ने कहा कि अमित शाह यमुना का पानी पीकर दिखाएं, जिस पर अनिल विज ने कहा कि हमारे हरियाणा के मुख्यमंत्री ने पीकर दिखाया है।

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों के लिए एक टेरर क्रिएट करने की कोशिश की है, केजरीवाल को इसका जवाब तो देना होगा। वहीं, केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को यमुना का पानी पीकर के दिखाने की बात कही, के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हमारे हरियाणा के मुख्यमंत्री ने पीकर दिखा दिया और ये एक ही बात है, चाहे मुख्यमंत्री हो या फिर कोई भी हो।दिल्ली में पंजाब सरकार की गाड़ी में कैश और शराब बरामद होने का मामला सामने आया जिस पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने तंज कसते सवाल खड़ा करते हुए कहा कि पंजाब से गाड़ी आई है तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि पंजाब से पैसे कौन भेज रहा है, पंजाब में किसकी सरकार है, किसके पास पैसों का अंबार है, ये अंदाजा लगाया जा सकता है? उन्होंने कहा कि ये (आप पार्टी) सुचिता की बात करने वाले हर हथकंडा अपना रहे है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहाकि बिजली बिल में अनाप शनाप चार्ज जोड़कर आम जन को लूट रही है भाजपा सरकार, के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि हुड्डा जी इतने दिन मुख्यमंत्री रहे है, उनको समझ होनी चाहिए कि बिजली के दाम सरकार तय नहीं करती, बिजली के दाम इंडिपेंडेंट अथॉरिटी तय करती है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

हरिहर क्षेत्र की पुण्य भूमि पर त्रिवेणी महाआरती प्रथम वार्षिकोत्सव का हुआ विराट आयोजन

छपरा (एजेंसियां)।

मौनी अमावस्या की देर संध्या को शुभ मंगल बेला में नारायणी, गंगा और सोनभद्र की पतित पावन संगम त्रिवेणी पर अवस्थित गजेंद्र मोक्षधाम की पावन धरती और हरिहर क्षेत्र की पुण्य भूमि स्थित भारत वंदना घाट पर त्रिवेणी महाआरती का विराट वार्षिकोत्सव का आयोजन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ त्रिवेणी संगम पूजन सुशील चंद्र शास्त्री के नेतृत्व में आचार्यों के द्वारा संपन्न कराया गया।

वहीं, वेद ध्वनि से पूरे आकाश मंडल मंत्रों की गूंज से तरंगित हो उठा और शंखनाद एवं धर्म की जय घोष से पूरा जनमानस सनातनमय हो गया। वहीं, ज्योत से ज्योत जलेगा, हरिहर क्षेत्र काशी और हरिद्वार बनेगा जैसे शब्दों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। त्रिवेणी महाआरती के संरक्षक महाकाल बाबा के कुशल सानिध्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन महाकाल बाबा के द्वारा किया गया।

त्रिवेणी महाआरती में 11-11 दीप जलाकर सभी श्रद्धालु भक्तों से आरती को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

इस संबंध में सुशील चंद्र शास्त्री ने बताया कि दिव्या तपस्वियों की तपोभूमि हरिहर क्षेत्र सोनपुर के पुनरुत्थान एवं सांस्कृतिक जागरण को लेकर प्रत्येक अमावस्या के दिन भारत वंदना घाट एवं प्रत्येक पूर्णिमा को कौनहरा घाट हरिपुर में त्रिवेणी महाआरती का आयोजन मां तारा सेवा निधि, मां तारा तंत्र पीठ, कौनहारा महातीर्थ के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है। जबकि महाआरती अमावस्या को सोनपुर में और श्री विष्णु हरि की महाआरती हरिपुर में तब जाकर पूर्ण होता है। हरिहर के मिलन का त्रिवेणी महाआरती युग-युग तक साक्षी बनेगा, जिसको लेकर हरिहर क्षेत्र सोनपुर के भारत वंदना घाट पर त्रिवेणी महाआरती का आयोजन मौनी अमावस्या की मंगल बेला में आयोजित की गई। जहां त्रिवेणी महाआरती को देखने के लिए हजारों की संख्या में पुरुष और महिलाओं सहित बहनों और युवा वर्ग महाआरती में शामिल हुए।

त्रिवेणी महाआरती कार्यक्रम का शुभ उद्घाटन स्थानीय युवा समाजसेवी विनोद सिंह सम्राट और बाबा हरिहरनाथ न्यास समिति के उपाध्यक्ष के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अर्चक दल में महाकाल बाबा, विपिन, आचार्य अनिल, अर्जुन, अभिषेक जबकि सहायक में कुंदन, अविनाश, राजीव के अलावा मुख्य अतिथि स्थानीय सारण के भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूड़ी के प्रतिनिधि राकेश कुमार सिंह, दयाशंकर सिंह, विकास सिंह, धर्मनाथ महतो और केदार जी सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

महाकुंभ से स्नान कर लौट रहे तीन लोगों की सड़क हादसे में मौत

मृतक मोतिहारी के निवासी

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। महाकुंभ से स्नान कर लौटते समय गुरुवार सुबह गोरखपुर में तीन लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। तीनों की पहचान मोतिहारी में पहाड़पुर थाना क्षेत्र के सटाहा कचहरी टोला निवासी गोपालराय, उनकी पत्नी सोना देवी और तेजपुरवा निवासी अरविंद कुमार चौरसिया के रूप में की गई है।

बता दें कि पहाड़पुर थाना क्षेत्र के सटाहा कचहरी टोला निवासी गोपालराय अपने पत्नी और तेजपुरवा निवासी अपने दोस्त अरविंद कुमार चौरसिया के साथ 28 जनवरी को महाकुंभ में स्नान करने कार से प्रयागराज गए थे। वहीं, गुरुवार को वापसी में गोरखपुर जिले के सिकरीगंज से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर चढ़ने के दौरान लिंक रोड पर सामने से आ रहे ट्रक के साथ भयानक टक्कर हो गई। वहीं, टक्कर की सूचना पर सिकरीगंज के थानाध्यक्ष ने तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम हेतु गोरखपुर भेजा है। इधर, घटना की सूचना प्राप्त होते ही मृतकों के गांव में चीख पुकार मच गई है। मृतक के परिजन सूचना प्राप्त होते ही गोरखपुर के लिए निकल गए हैं। बता दें कि दो दिन पूर्व भी महाकुंभ से स्नान कर लौट रहे मोतिहारी के एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी।

आरा में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाएं 48 घंटे में सात लोगों को मारी गोली

अब तक दो की मौत

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के आरा में आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। बीते 48 घंटे में सात लोगों को गोली मारी गई है, जिसमें दो लोगों की मौत हो चुकी है। गुरुवार देर रात हसन बाजार थाना क्षेत्र के नारायणपुर में महज पांच हजार के विवाद में एक युवक की गोली मार हत्या कर दी गई। वहीं, नगर थाना क्षेत्र के रमागढिया मोहल्ले में रौशन कुमार नाम के एक युवक को ताबड़तोड़ चार गोली मार जख्मी कर दिया गया।

बता दें कि बुधवार के दिन भी एक युवक की गोली मार हत्या कर दी गई। उसके बाद अलग-अलग दो जगहों पर दो अन्य लोगों को गोली मार जख्मी कर दिया गया। वहीं, गुरुवार को भी पूरे जिले में अपराधियों का तांडव देखने को मिला और अलग-अलग जगहों पर चार लोगों को गोली मारी गई, जिसमें तीन की जान बचा ली गई, जबकि एक स्पॉट पर ही मर गया।

मृतक हसन बाजार थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव का रहने वाला रामाश्रय चौधरी के पुत्र का पुत्र संतोष चौधरी उर्फ छोटन चौधरी था। मृतक के पिता ने बताया कि गांव के ही भूली चौधरी को वो कुछ पैसा उधार दिया था, उसके बाद जब भी मेरा बेटा पैसा मांगता था तो उन लोगों के द्वारा गाली-गलौज कर भगा दिया जाता था, कल भी वो पैसा मांगने भूली चौधरी के घर गया था। वहां भूली और मुना सिंह पहले से मौजूद थे। जैसे ही मेरा बेटा गया, वैसे ही वे लोग गाली-गलौज करने लगे। मुना सिंह हथौड़ा से मेरे बेटे पर हमला कर दिया, जबकि भूली ताबड़तोड़ गोली चलाने लगा। एक गोली मेरे बेटे को लगी, वहीं उसकी मौत हो गई। हम लोग जब तक वहां पहुंचते, तब वो लोग हत्या कर फरार हो चुके थे।

वहीं, दूसरी घटना देर रात नगर थाना क्षेत्र के रामगढ़िया मोहल्ले में हुई। यहां रोशन प्रसाद को ताबड़तोड़ शरीर के अलग-अलग हिस्सों में चार गोली मारी गई है। जख्मी रोशन ने बताया कि वो बिस्किट खरीदने के लिए मोहल्ला में निकला था, तब पहले से पिंटू और अन्य लोग आपस में शराब पीकर झगड़ा कर रहे थे। उसी बीच हमको वो लोग बुलाया और बोलने लगा कि तुम मोहल्ले में गुंडा बनता है। इतना कहते हुए तीन लोग गोली चलाने लगे। देर रात निजी क्लीनिक के सर्जन विकास सिंह के द्वारा चार घंटे ऑपरेशन कर रोशन की जान बचा ली गई है।

कुंभ में जिंदा बचे लोगों ने सुनाई दास्तान

चौंककर उठे तो हर तरफ चीख, बिहार के सात की मौत

पटना (एजेंसियां)।

प्रयागराज महाकुंभ में मची भगदड़ के दौरान बिहार की सात महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना में गोपालगंज की चार पटना के मनेर, औरंगाबाद और मुजफ्फरपुर की महिला शामिल हैं।

औरंगाबाद की महिला अपने पति और बेटे के साथ प्रयागराज अमृत स्नान करने गई थी। इसके साथ ही गांव के करीब 12-13 अन्य लोग भी साथ में थे।परिजनों का कहना है कि हम 12-13 लोग गंगा स्नान करने आए हुए थे। अचानक ऐसी भगदड़ मची कि उस भगदड़ में मेरी मां दब गई, जिससे उसकी मौत हो गई। गोप-ालगंज की 4 महिलाओं की मौत हुई है।

मृत महिलाओं में मुजफ्फरपुर जिला के मुसहरी प्रखंड अंतर्गत छपरा मेघ पंचायत क्षेत्र इलाके के रूपनाथ टोला के निवासी स्वर्गीय बलदेव शर्मा की पत्नी शिवा देवी (60), गोपालगंज के भोरे प्रखंड के रामनगर गांव निवासी सुरेंद्र गोंड की पत्नी तारा देवी, भूटेली मांझी की पत्नी सरस्वती देवी, उचकागांव प्रखंड के बालेसर गांव निवासी स्वर्गीय बच्चा दुबे की पत्नी कांति देवी और बरौली थाना क्षेत्र के माडनपुर गांव की रहने वाली शिवकालो देवी, औरंगाबाद के गोह प्रखंड के बंदेया थाना क्षेत्र के सासुना गांव निवासी स्वर्गीय सुरेश यादव की पत्नी राजरानी देवी (55) शामिल हैं।

लापता महिलाओं में लापता कुढ़नी प्रखंड के चंद्रहट्टी गांव की रेणु देवी (51) और सकरा प्रखंड के कटेसर की शैली देवी (55) लापता हैं। इसके अलावे मुजफ्फरपुर की दो, जहानाबाद की दो, गोपालगंज, गया और सिवान की एक-एक महिला है। गया के आमस प्रखंड क्षेत्र के मुंगरा इन गांव से विजय सिंह की पत्नी जयमंती देवी (67), जहानाबाद के अमन गांव की रहने वाली दो महिलाओं रेणु देवी और सियामणि देवी, सिवान जिले के सिसवन थाना क्षेत्र के बकरी गांव की माया देवी (65), गोपालगंज के विजयपुर प्रखंड के जगदीशपुर गांव की मुन्नी देवी राजकुमारी देवी, सुभावती देवी और रीमा देवी लापता है। बक्सर की हरि की हरिकिशुनपुर की सीमा देवी भी लापता है।

घटना के संबंध में भगदड़ की प्रत्यक्ष गवाह बनी शिवकालो देवी की बेटी संगीता ने बताया कि भीड़ इतनी ज्यादा थी कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। जैसे ही 3:00 बजे बैरीकेडिंग टूटी, हजारों लोग एक दूसरे को कुचलते हुए आगे बढ़ने लगे। इसी दौड़ते भागते भीड़ में मेरी मां गिर गई। मैंने उन्हें बचाने की बहुत कोशिश की लेकिन मैं भी उसी भीड़ में फंस गई थी। हजारों लोग उसको कुचलते हुए आगे की ओर भागे जा रहे थे। जब तक मैं अपनी मां को संभालती, मां दम तोड़ चुकी थी। मैं अपनी मां को बचा नहीं पाई।

मुजफ्फरपुर के वृद्ध महिला शिवा देवी (60) के परिजनों को प्रयागराज पुलिस प्रशासन की ओर से फोन कर घटना की सूचना दी गई थी कि वह भगदड़ की शिकार हो गई हैं। भगदड़ के दौरान घायल होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। शिवा देवी मुसहरी प्रखंड अंतर्गत छपरा मेघ पंचायत क्षेत्र इलाके के रूपनाथ टोला के निवासी स्वर्गीय बलदेव शर्मा की पत्नी थी। उनके पति पूर्व शिक्षक थे।

कांग्रेस में जाते ही भगीरथ मांझी के परिवार में कलह, बेटी बोली-

जदयू टिकट दे, हम पिता के खिलाफ लड़ेंगे

गया (एजेंसियां)।

गया के गेहलौर घाटी निवासी माउंटेन मैन दशरथ मांझी ने 22 वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद गेहलौर घाटी में स्थित पहाड़ को काट कर रास्ता बना दिया था। इसके बाद दशरथ मांझी की चर्चा बिहार में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में हो गई थी। उनके इस अद्भुत कार्य की वजह से दशरथ मांझी को माउंटेन मैन का नाम दिया गया था। उसके बाद माउंटेन मैन दशरथ मांझी के पुत्र भगीरथ मांझी ने पूरे परिवार के साथ जदयू की सदस्यता ग्रहण किया था और पूरा परिवार जदयू में ही था। इसी बीच अचानक दशरथ मांझी के पुत्र भगीरथ मांझी ने दिल्ली जाकर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। भगीरथ मांझी के कांग्रेस ज्वाइन करने के बाद माउंटेन मैन दशरथ मांझी की पोती अंशु कुमारी और पौत्र दामाद मिथुन मांझी ने जदयू से विधानसभा चुनाव में टिकट की मांग की है।

माउंटेन मैन दशरथ मांझी के पौत्री (पोती) भागीरथ मांझी की बेटी अंशु कुमारी ने बताया कि गांव के ही कोई नेता लेकर गए थे। जब न्यूज में देखा तो जानकारी हुई कि वह कांग्रेस पार्टी को ज्वाइन किए हैं। राहुल गांधी के समक्ष चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा है। पहले भी जदयू पार्टी से चुनाव लड़ने का मन बनाया था, लेकिन टिकट नहीं मिला। माउंटेन मैन ने जो भी नीतीश कुमार से मांगा था वह पूरा किया।

अगर जदयू से टिकट नहीं मिला और कांग्रेस पार्टी से भगीरथ मांझी को टिकट मिलता है तो अच्छा है। कोई पार्टी तो यह सोचा। अगर जदयू पार्टी हमें टिकट देती है तो वह खुद भी चुनाव लड़ेगी। पिता पुत्री एक दूसरे के या पक्ष विपक्ष में चुनाव नहीं लड़ते है क्या। जीतनराम मांझी ने अपनी बहु को विधायक एवं बेटा को मंत्री बना दिया। समाज के किसी दूसरे लोगो के बारे में तो नहीं सोचा।

माउंटेन मैन दशरथ मांझी के पौत्र दामाद मिथुन मांझी का कहना है कि माउंटेन मैन के पुत्र भागीरथ मांझी कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण किए हैं, इसकी जानकारी नहीं थी। संविधान सुरक्षा सम्मेलन में वह पटना गए थे। इसके बाद राहुल गांधी के बुलावे पर वह दिल्ली गए हैं। बताया कि उनका भी सोच था कि जिस तरह समाज में दशरथ मांझी विख्यात हुए हैं, उसी तरह वह भी समाजसेवा की भावना रखते है। इसे लेकर वह भी चिंतित थे। मिथुन मांझी ने कहा कि वह खुद जदयू में ही है। सीएम नीतीश कुमार द्वारा दशरथ मांझी को उनकी पहचान देकर विख्यात किया गया। उनके नाम पर स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल, सड़क, समाधि स्थल का भी निर्माण कराया गया है। यहां तक कि दशरथ मांझी को एक दिन के लिए अपनी कुर्सी पर बिठाकर उन्हें सम्मानित किया गया था। लेकिन, उनके परिजनों के लिए जो होना चाहिए वह नहीं हुआ। वीर शहीद सैनिकों के परिजनो के तर्ज पर सुविधा मिलनी चाहिए। शहीद सैनिकों के परिजनो को बुलाकर नौकरी नहीं दिया। तो क्या दशरथ मांझी वीर शहीद नहीं हुए? जिन्होंने आमलोगों के लिए पहाड़ को एक छेनी हथौड़ी से काटकर रास्ता बना दिया। परिजनो को भी नौकरी देना चाहिए था। आम लोगों की तरह प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला, नल जल योजना के तहत घर में नल लगा, वृद्धा पेंशन मिल रहा है। परिजनो को सुविधा के नाम पर बीटीएमसी, बोधगया का सदस्य बनाया गया। फिलहाल वह मजदूरी और खेती कर अपने परिवार का जीविकोपार्जन कर रहे है। सरकार द्वारा नल जल योजना के पंप सेट पर ऑपरेटर के पद पर रखा गया था। जहां 2 वर्षों से वेतन ही नहीं मिला है। कई बार विभाग में इसकी जानकारी दी है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। दशरथ मांझी की पोती अंशु कुमारी को आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका के पद पर नियुक्त किया गया है, जिसे 6 हजार रुपए महीना मिलता है।

सरकार भी कभी कभी पलटी मार देता है उसी तरह भागीरथ मांझी को भी लगा कि जब वह जदयू ज्वाइन किए थे तो ख्वाहिश था कि वह भी सुरक्षित क्षेत्र से जदयू के टिकट पर चुनाव लड़े। जदयू से टिकट मिलने वाला था लेकिन वह कट गया। शायद इस बात की नाराजगी रही होगी। उन्हें भी राजनीति में मौका मिलना चाहिए था, जो नहीं मिला। शायद कांग्रेस पार्टी के द्वारा बोला गया होगा, इसलिए कांग्रेस पार्टी को ज्वाइन किए हैं। मिथुन मांझी ने कहा कि वह भी चुनाव लड़ना चाहते है। अगर नीतीश कुमार चाहते है कि उनके परिवार के किसी सदस्य को टिकट दिया जाय तो इच्छुक है। अगर जदयू टिकट देती है तो वह अपने ससुर भगीरथ मांझी से भी चुनाव में आमने सामने को तैयार है। राजनीति है वह किसी का थोड़े होता है। अपनी अपनी पार्टी का बाहुबल दिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए चुनाव लड़ेंगे। मिथुन मांझी ने केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी पर परिवारवाद का आरोप लगाया है। इमामगंज से वह विधायक थे जब वह छोड़कर सांसद बने तो इमामगंज विधानसभा उपचुनाव से किसी और मांझी समाज को टिकट देना चाहिए था। अपनी पार्टी के किसी सदस्य को हीं टिकट दे देते लेकिन उन्होंने अपनी बहु को टिकट दिया। मिथुन मांझी ने कहा कि समाज के लोगों को भी मौका देना चाहिए।

विभाग को गुमराह कर म्यूटेशन में ढिलाई बरतने पर कांटी के राजस्व कर्मी निलंबित

विभागीय कार्रवाई भी होगी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले में म्यूटेशन मामले के निष्पादन में की गई लापरवाही और ढिलाई को गंभीरता से लेते हुए डीएम सुब्रत कुमार सेन ने कांटी अंचल के हल्का बहुआरा साइन के राजस्व कर्मचारी अजीत कुमार को निलंबित कर दिया है।

बता दें कि अंचल अधिकारी कांटी प्रखंड को राजस्व कर्मचारी के विरुद्ध प्रपत्र 'क' गठित करने तथा डीसीएलआर पश्चिम के माध्यम से अविलंब उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है, ताकि विभागीय कार्रवाई शुरू की जा सके।

जिला पदाधिकारी द्वारा नियमित रूप से अंचल का भ्रमण कर और साप्ताहिक समीक्षा बैठक कर दाखिल खारिज के मामलों की लगातार समीक्षा एवं प्रभावी मानिटरिंग कर डीएम के द्वारा कांटी अंचल का भ्रमण कर राजस्व कार्य की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि हल्का साइन में ये दाखिल खारिज के काफी मामले लंबित हैं और 75 दिनों से ज्यादा लंबित मामलों की संख्या 172 है।

इसी प्रकार हल्का बहुआरा में भी 46 दाखिल खारिज के मामले 75 दिनों से ज्यादा से लंबित हैं और अजीत कुमार उक्त हल्का के ही राजस्व कर्मचारी हैं। उसके बाद इस मामले में अंचल अधिकारी कांटी के द्वारा सूचित किया गया कि अजीत कुमार जो कि राजस्व कर्मचारी द्वारा राजस्व के कार्यों में न सिर्फ लापरवाही बरती जा रही है। बल्कि सीओ को गुमराह करने तथा भ्रामक प्रतिवेदन देने की कोशिश भी की गई है। इनके द्वारा ही परिमार्जन के कार्यों में जानबूझकर ला-परवाही बरती जा रही है। इसके साथ जमाबंदी पंजी की प्रति स्पष्ट रूप से अपलोड नहीं की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने जनता के हितों की रक्षा तथा दाखिल खारिज के ही मामलों के त्वरित निष्पादन के हेतु तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com